

पवन सिंह-खेसारी के गानों से परे है बिहार का ये लोकगीत, जट-जटिन डांस से है नाता; पति-पत्नी की तकरार करता है बयां

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिक्तम - 31
न्यूनतम - 19

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 293 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर गुरूवार 22 अक्टूबर 2026 ● आश्विन शुक्ल 12 विक्रमी संवत ● पृष्ठ 12 ● मूल्य 4 रूपया

संक्षिप्त समाचार

महिला आरक्षण लागू करें, परिसीमन का इंतजार क्यों

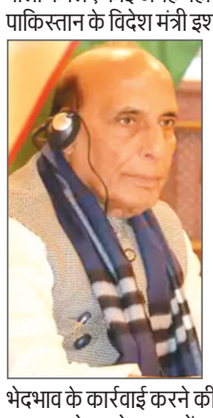
कलबुर्गी (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को कर्नाटक के कलबुर्गी में महिला आरक्षण, परिसीमन और चुनाव सुधारों पर सरकार के रवैये पर सवाल उठाए। खड़गे ने कहा कि कांग्रेस की लड़ाई सत्ता के लिए नहीं, बल्कि लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए है। उन्होंने कहा- सरकार लोकसभा की मौजूदा सीटों के आधार पर महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण अभी लागू कर सकती है। इसके लिए परिसीमन



का इंतजार करने की क्या जरूरत है। उन्होंने पीएन नरेंद्र मोदी पर विपक्ष को बदनाम करने का आरोप लगाया। खड़गे ने केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू पर टिप्पणी करते हुए कहा- प्रधानमंत्री विपक्षी नेताओं के पत्रों का खुद जवाब नहीं देते, बल्कि दूसरों के जरिए जवाब भिजवाते हैं। पीएम ने रिजिजू को असली अधिकार नहीं दिए हैं। ज्ञानेश कुमार की तरह मध्यस्थ की तरह उनका इस्तेमाल कर रहे हैं। **ईवीएम हटाकर बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग-** खड़गे ने ईवीएम की जगह बैलेट पेपर से चुनाव कराने और मतदाता सूची में गड़बड़ी रोकने के लिए निगरानी बढ़ाने की मांग की। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष चुनाव होना जरूरी है। संविधान यह तय नहीं करता कि कांग्रेस या किसी दूसरी पार्टी को ही जीतना चाहिए। कांग्रेस लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए लड़ रही है। खड़गे ने कहा कि सरकार ने अप्रैल 2026 में परिसीमन से जुड़ा संविधान संशोधन विधेयक पेश किया था।

आतंकियों को पनाह देने वालों के खिलाफ हों एकजुट

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में आतंकवाद के खिलाफ सख्त संदेश दिया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को किसी भी तरह सही नहीं ठहराया जा सकता। मंत्री ने कहा कि आतंकवाद से निपटने में दोहरा रवैया नहीं होना चाहिए। आतंकियों को पैसा देने, उनका समर्थन करने और उन्हें पनाह देने वालों के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार भी बैठक में



मौजूद थे। राजनाथ ने कहा कि आतंकवाद से निर्दोष लोगों की जान जाती है। इससे निवेश और कारोबार प्रभावित होते हैं, समाज में कट्टरता बढ़ती है। उन्होंने सदस्य देशों से आतंकवाद के खिलाफ बिना किसी भेदभाव के कार्रवाई करने की अपील की। राजनाथ ने अपने भाषण में पाकिस्तान या इशाक डार का नाम लेकर सीधे कोई आरोप नहीं लगाया। उन्होंने बिना नाम लिए चीन पर भी निशाना साधा और कहा कि कनेक्टिविटी के नाम पर किसी भी देश की संप्रभुता से समझौता नहीं किया जाना चाहिए। **राजनाथ बोले- संप्रभुता का सम्मान करते हुए योजनाएं बनें-** राजनाथ सिंह ने कहा कि देशों को जोड़ने वाली परियोजनाएं सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करते हुए बनाई जानी चाहिए। इसके लिए सभी संबंधित देशों से सलाह-मशविरा करना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि इन सिद्धांतों का पालन नहीं करने वाली परियोजनाएं टिकाऊ नहीं हो सकतीं।

मणिपुर में जारी है बवाल, नहीं थम रही है हिंसा

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में हिंसा थमने का नाम नहीं ले रहा है। कांगपोकपी जिले में मंगलवार सुबह उग्रवादियों ने कुकी समुदाय के व्यक्ति पाओलेन खोंगसाई की गोली मारकर हत्या कर दी। वह पी मोल्डिंग गांव के एक अन्य व्यक्ति के साथ जंगल में बांस की कोपलें इकट्ठा करने गए थे तभी उग्रवादियों ने हमला किया। दूसरा व्यक्ति हमले में जान बचाकर भागने में सफल रहा। हत्या के विरोध में कमेटी आन ट्राइबल यूनिटी ने जिले में आधी रात से 24 घंटे के बंद का आह्वान किया है। सोमवार को इसी जिले में उग्रवादियों ने सुनरोक क्षेत्र में जलावन की लकड़ी बीन रहे मैतेयी

अब कुकी व्यक्ति की गोली मारकर की गई हत्या



समुदाय के 14 लोगों पर उग्रवादियों ने घात लगाकर हमला कर दिया था। इस गोलीबारी में तीन लोगों की मौत हो गई थी। इस बीच मैतेयी समुदाय के तीन लोगों की हत्या के विरोध में मंगलवार को 48 घंटे के बंद के चलते घाटी के पांच जिलों में जनजीवन प्रभावित रहा। इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, बिष्णुपुर, थौबल और काकचिंग में बाजार, शिक्षण संस्थान और व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे। सार्वजनिक परिवहन भी ठप रहा, हालांकि कुछ निजी वाहन चलते दिखे। नेटिव पीपुल्स कमेटी मणिपुर के सदस्यों ने मंगलवार और बुधवार को बंद का आह्वान किया है। इस बीच

कई इलाकों में आगजनी, पांच जिलों में हाहाकार

पुलिस ने बताया कि मणिपुर के कांगपोकपी जिले में मंगलवार को सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान के दौरान तीन लोगों को गिरफ्तार किया। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) दोरजी लहातू ने बताया कि पूछताछ के दौरान, तीन में से दो उग्रवादियों ने स्वीकार किया है कि वे उन उग्रवादियों में शामिल थे, जिन्होंने सुनुरोक पहाड़ियों में हमला किया था।

2029 तक पूरे भारत को बनाएंगे नशामुक्त

शाह बोले-कश्मीर, नॉर्थ-ईस्ट और नक्सल प्रभावित इलाकों में शांति

नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में 3,600 जवानों ने दिया है बलिदान



नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा के सामने लंबे समय से चली आ रही तीन बड़ी चुनौतियों- कश्मीर, नॉर्थ-ईस्ट और नक्सलवाद से प्रभावित इलाकों में अब शांति है। उन्होंने इन क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की कार्रवाई और प्रयासों की सराहना की। शाह ने नशे के खिलाफ देशव्यापी अभियान चलाने की अपील करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 31 दिसंबर 2029 तक भारत को नशामुक्त बनाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए पुलिस बलों को मिलकर काम करना होगा। शाह ने कहा कि देश की सुरक्षा में पुलिसकर्मियों का योगदान महत्वपूर्ण है और उनके बलिदान याद रहेगा।

- **पुलिसकर्मियों के बलिदान से देश मजबूत हुआ-** शाह ने कहा कि आजादी के बाद भारत ने दुनिया में सम्मानजनक स्थान हासिल किया है। इसमें आंतरिक सुरक्षा बनाए रखने और देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले पुलिस और सुरक्षा कर्मियों के बलिदान का बड़ा योगदान है। कार्यक्रम से पहले शाह ने करीब 90 पुलिस राइडर्स की देशव्यापी बाइक रैली को हरी झंडी दिखाई। रैली में पुलि जवानों और सुरक्षा के जवानों के साथ रेलवे सुरक्षा बल, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और राष्ट्रीय जांच एजेंसी के कर्मी भी हिस्सा ले रहे हैं। रैली कई राज्यों से गुजरते हुए गुजरात के एकता नगर पहुंचेगी। यहां 31 अक्टूबर 2026 को एकता परेड होगी।

नशे से देश की अर्थव्यवस्था को नुकसान

शाह ने कहा कि नशे का कारोबार आने वाली पीढ़ियों को खोखला कर रहा है। इससे अर्थव्यवस्था पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है और देशविरोधी संगठनों को आर्थिक मदद मिलती है। गृह मंत्री ने नक्सलवाद के खिलाफ अभियान में सीआरपीएफ और बीएसएफ बटालियनों के योगदान की विशेष रूप से सराहना की। उन्होंने छत्तीसगढ़ पुलिस के साहस, धैर्य और लगातार किए गए प्रयासों की भी तारीफ की। शाह ने बताया कि आजादी के बाद से अब तक ड्यूटी के दौरान 36,852 पुलिसकर्मी जान गंवा चुके हैं। इनमें इस साल शहीद हुए 154 पुलिसकर्मी भी शामिल हैं।

दिल्ली में भी बनेगा साबरमती जैसा रिवरफ्रंट

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद में साबरमती रिवरफ्रंट बनाने वाली कंपनी अब दिल्ली में यमुना किनारे रिवरफ्रंट विकसित करने में मदद करेगी। दिल्ली सरकार इसकी जिम्मेदारी साबरमती रिवरफ्रंट डेवलपमेंट



कॉर्पोरेशन को सौंपने की तैयारी कर रही है। जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह के मुताबिक, कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन की फाइल आगे बढ़ा दी गई है। परियोजना दो चरणों में पूरी होगी। पहला पल्ला से वजीराबाद और दूसरा वजीराबाद से कालिंदी कुंज तक होगा।

कोलकाता के पंडाल में भगदड़ के बाद भारी सख्ती

- **दुर्गा विसर्जन की निगरानी के लिए 18 आईपीएस तैनात**
- **बंगाल सरकार की बड़ी तैयारी, बढ़ाया गया सुरक्षा साया**

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल पुलिस ने कोलकाता और उसके आस-पास के तीन पुलिस कमिश्नरेट में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन की निगरानी के लिए 18 आईपीएस अधिकारियों को तैनात किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को बताया कि चोरबागान पंडाल में हुई भगदड़ (जिसमें 19 लोगों की जान चली गई थी) के बाद यह कदम उठाया गया है। उन्होंने बताया कि इन 18 अधिकारियों में से 12 को कोलकाता में तैनात किया गया है, जबकि बाकी छह अधिकारी हावड़ा, बैरकपुर और चंदननगर कमिश्नरेट में विसर्जन प्रक्रिया की निगरानी करेंगे। अधिकारी ने कहा, ये आईपीएस अधिकारी बुधवार से 24 अक्टूबर तक विसर्जन गतिविधियों की निगरानी करेंगे। सभी अधिकारियों के लिए अलग-अलग ड्यूटी शेड्यूल तैयार किए गए हैं। उन्होंने बताया कि कोलकाता पुलिस क्षेत्र में, आईपीएस अधिकारी गौरव शर्मा, सोमा दास मित्रा, राशिद मुनीर खान, आकाश मघारिया, सुरेश कुमार चदिवे और धृतिमान सरकार 21 और 23 अक्टूबर को विसर्जन की निगरानी करेंगे।



जुमे की बजाय अब रविवार को ही रहेगा अवकाश

- **उत्तराखंड में मदरसों के लिए बन गया नया नियम**
- **राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण ने दिया आदेश**

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में मदरसों को अब शुक्रवार की जगह रविवार को साप्ताहिक अवकाश रहेगा। शिक्षा विभाग से मान्यता लेने वाले स्कूलों की तरह मदरसों को अब जुमे की बजाय रविवार को बंद रखा जाएगा। शिक्षा विभाग से मान्यता प्राप्त और मान्यता के लिए आवेदन करने वाले 206 मदरसों पर ये नियम लागू रहेगा। राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण ने इस संबंध में शिक्षा विभाग को पत्र लिखकर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। प्राधिकरण की ओर से कहा गया है कि शिक्षा विभाग से मान्यता प्राप्त करने या मान्यता के लिए आवेदन करने वाले मदरसों को विभागीय मानकों और निर्धारित शैक्षिक व्यवस्था का पालन करना होगा। इसी क्रम में शुक्रवार की छुट्टी की व्यवस्था में बदलाव किया जा रहा है। अब इन मदरसों में अन्य विद्यालयों की तरह निर्धारित साप्ताहिक अवकाश व्यवस्था लागू होगी।

वेनेजुएला की 'गंध' कैसे होगी साफ, बताएगा अपना भारत

अंबानी की जामनगर रिफाइनरी से सीखेगा अमेरिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो बुधवार को गुजरात स्थित जामनगर में दुनिया के सबसे बड़े रिफाइनरी कॉम्प्लेक्स के दौरे पर हैं। इस दौरान वे रिलायंस के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश अंबानी से भी मिलने वाले हैं। बताया जा रहा है कि मार्को रुबियो



रिलायंस के साथ वेनेजुएला का कच्चा तेल रिफाइन करने पर बातचीत करने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रिलायंस इंडस्ट्रीज अमेरिका के टेक्सास में एक ऑइल रिफाइनरी में बड़ा निवेश करने की तैयारी में है, जो 50 साल में अमेरिका में बनने वाली पहली रिफाइनरी होगी। खास बात यह है कि जामनगर रिफाइनरी तेल साफ करती है।

रूबियो का जामनगर दौरा 3 वजहों से अहम

अमेरिका में डीजल की कीमतें 6 डॉलर प्रति गैलन के पार हैं, यानी करीब 155 रुपए प्रति लीटर। इसके चलते ट्रक ड्राइवर, किसान और माल ढुलाई कारोबारी परेशान हैं। ट्रम्प सरकार चाहती है कि 3 नवंबर को होने वाले मिड टर्म इलेक्शन से पहले अमेरिका में पर्याप्त डीजल सप्लाई हो सके। इसलिए अमेरिका रूस से डीजल खरीद रहा है। रिलायंस भी सस्ती कीमतों में कच्चा तेल रिफाइन करके अमेरिका को पेट्रोल-डीजल बेच सकता है, जिससे अमेरिका फ्यूल क्राइसिस से बच सके।

मॉडल श्रद्धा दुबे के बाद अब करीबी दोस्त गिरफ्तार

- **आमिर शेख ने नेपाल बॉर्डर तक पहुंचाने में की थी मदद!**

लखनऊ (एजेंसी)। शिवा शर्मा हत्याकांड में लखनऊ पुलिस की नाकामी के बाद यूपी एसटीएफ की टीम पूरी तरह से एक्टिव मोड में आ चुकी है। बीते मंगलवार को नागपुर से एसटीएफ ने श्रद्धा दुबे, रश्मि और ड्राइवर दानिश को गिरफ्तार किया। अब श्रद्धा के मददगारों की तलाश की जा रही है। यूपी एसटीएफ ने श्रद्धा दुबे के पुराने दोस्त आमिर शेख को गिरफ्तार किया है। सूत्रों के अनुसार, आमिर शेख ने 9 अक्टूबर को वारदात के बाद श्रद्धा दुबे के फरार होने और नेपाल बॉर्डर तक सुरक्षित पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। पुलिस जांच में सामने आया है कि आमिर ने श्रद्धा दुबे के लिए आईडी बनाई थी।



बिहार एमएलसी चुनाव में पटना बनी हॉट सीट

- **दिग्गजों की अग्निपरीक्षा, दांव पर निशांत-सम्राट-तेजस्वी-पीके की प्रतिष्ठा**

पटना (एजेंसी)। बिहार में हो रहे एमएलसी चुनाव में विशेषकर पटना स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र का इलेक्शन कई लोगों की प्रतिष्ठा से जुड़ गया है। वैसे तो सामूहिक रूप से प्रतिष्ठा सत्ता पक्ष से मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और नेता प्रतिपक्ष तेज प्रताप की तो बनती ही है। मगर, पटना स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र को लेकर विशेष प्रतिष्ठा राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, स्वास्थ मंत्री निशांत और जनसुराज के नायक प्रशांत किशोर की जुड़ गई है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने जब से पटना स्नातक और पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के प्रति अपनी रुचि दिखाई है, इस सीट से जीत-हार की प्रतिष्ठा इनसे भी जुड़ गई है। वजह ये है कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने एक कार्यक्रम में जदयू एमएलसी और मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार की



तारीफ करते हुए कहा था कि वे एक पॉलिटिकल डॉक्टर हैं। नीरज कुमार राजनैतिक इलाज करना अच्छे से जानते हैं। विरोधियों या उनसे भिड़ने वालों का सही इलाज कर देते हैं। हाल ही में (20 अक्टूबर 2026 में) जब विधान पार्षद नीरज कुमार की तबीयत खराब हुई और वे पटना के जय प्रभा मेदांता सुपर हॉस्पिटल में भर्ती हुए।

राजद सुप्रीमो लालू यादव की भी प्रतिष्ठा दांव पर

इस एमएलसी चुनाव में पटना स्नातक और पटना शिक्षक क्षेत्र की महत्ता इस बात से समझ सकते हैं कि इस चुनावी जंग में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव भी उतर गए हैं। अपरोक्ष रूप से तो वे अन्य उम्मीदवारों के लिए वोट मांग ही रहे हैं, मगर पटना स्नातक और पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के लिए खुलकर सामने आकर बैटिंग करने लगे हैं। राजद सूत्रों की माने तो घर से बैठे-बैठे राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद भी जोर लगा रहे हैं।

नीतीश के बेटे निशांत की एंट्री रही दिलचस्प

एमएलसी चुनाव में राज्य के स्वास्थ मंत्री निशांत कुमार का उतरना भी उनकी प्रतिष्ठा का सवाल बन गया है। मगर, जिस तरह से उन्होंने पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव को दिल पर लिया है और वे पूरी फौज के साथ नालंदा और नवादा के वोटरों से खुलकर अपील की है, वो इस चुनाव में अति दिलचस्पी को दिखा गया। निशांत की इस आक्रामक बैटिंग के बाद जीत-हार का सेहरा इनके माथे तो बंधना ही है। प्रशांत किशोर के लिए पटना स्नातक महत्वपूर्ण है।

अमृतसर से लाए टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग में इस्तेमाल हथियार

- **दो महिलाओं ने मुंबई तक पहुंचाया, शूटर रेहान की मां बोली-हरियाणा में छिपा मास्टरमाइंड**

मुंबई (एजेंसी)। एक्टर टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग में इस्तेमाल हथियार अमृतसर से लाए गए थे। पुलिस के मुताबिक, हरियाणा के सोनीपत के कुणाल (21) और सुमित (19) ने लॉरेंस गैंग के मेंबर अनिल पंडित के निर्देश पर एक पिस्टल और 20 कारतूस जुटाए। इसके बाद उत्तर प्रदेश की राधा (23) और बबीता (23) नाम की दो महिलाओं ने इन्हें मुंबई तक पहुंचाया। दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को कुणाल,



सुमित, राधा और बबीता को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, हथियार जुटाने और उन्हें शूटरों तक पहुंचाने में चारों का रोल था। इससे पहले पुलिस ने फायरिंग के आरोपियों बिहार के ऋतिक और हरियाणा के रेहान और फूल सिंह को सोमवार को कोटा से गिरफ्तार किया था।

अनमोल वचन

जब अन्याय अपनी चरम सीमा पर हो, नैतिकता और अहिंसा के पावन सिद्धांतों का परिहास किया जा रहा हो, तब सामाजिक संगठनों द्वारा अन्याय के विरुद्ध युद्ध करना हिंसा नहीं, अधर्म नहीं बल्कि पवित्र कर्तव्य है। वह अहिंसा की रक्षा हेतु किया गया पावन प्रयास है, धमार्नुकूल है। कोई भी पापी अनन्त शक्तिशाली नहीं होता। उसकी शक्ति की एक सीमा है। संगठन में असीमित शक्ति है, अनन्त क्षमताएँ हैं। यदि उत्तम चरित्र वाले सज्जन लोग संगठन बना लें तो अधर्म/अन्याय का नष्ट होना निश्चित है। पाप का विनाश तभी सम्भव है, जब सामाजिक समरसता और एकता के वातावरण के निर्माण के पुनीत कार्य में हम परस्पर सहयोगी बनें। चरित्रवान लोगों में स्वार्थ नहीं होता। समान विचार होने से कार्य करने में विरोध भी नहीं होता न कभी परस्पर द्वेष पैदा होता है। उनकी एकता के सम्मुख बलशाली से बलशाली पापी टिक नहीं पाता। अन्याय का अन्त होकर न्याय की स्थापना होती है।

हाशमपुर की बेटी प्रीति पाल ने जापान में फिर गाड़ा सफलता का झंडा, एशियाई पैरा गेम्स में जीता रजत पदक

29.53 सेकंड में पूरी की 200 मीटर दौड़, पेरिस पैरालंपिक में दो कांस्य पदक जीतने वाली प्रीति की नई उपलब्धि से गांव में जश्न; खेल के दम पर हासिल किया बीडीओ का पद

मीरापुर। हौसलों की उड़ान जब ऊंची हो तो शारीरिक चुनौतियां भी रास्ता नहीं रोक पातीं। मुजफ्फरनगर के रामराज थाना क्षेत्र के हाशमपुर गांव की बेटी और अंतरराष्ट्रीय पैरा एथलीट प्रीति पाल ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए देश और जनपद का नाम रोशन किया है। जापान के आइची-नागोया में आयोजित पांचवें एशियाई पैरा गेम्स में प्रीति ने महिलाओं की 200 मीटर टी35 स्पर्धा में रजत पदक जीतकर शानदार उपलब्धि हासिल की। उन्होंने यह दौड़ 29.53 सेकंड में पूरी कर दूसरा स्थान प्राप्त किया। उनकी इस सफलता की खबर गांव पहुंचते ही खुशी की लहर दौड़ गई। परिजनों और ग्रामीणों ने ढोल-नगाड़ों के साथ जश्न मनाया और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। प्रीति पाल की यह उपलब्धि केवल एक पदक जीतने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उनकी लगातार मेहनत, दृढ़ संकल्प और खेल के प्रति समर्पण की कहानी भी बयां करती है। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में लगातार शानदार प्रदर्शन करने वाली प्रीति ने साबित किया है कि मजबूत इच्छाशक्ति और निरंतर अभ्यास के दम पर बड़ी से बड़ी मंजिल हासिल की जा सकती है। उनकी कामयाबी से हाशमपुर गांव सहित पूरे क्षेत्र में गर्व और उत्साह का माहौल है।

29.53 सेकंड में पूरी की 200 मीटर की दौड़

जापान में आयोजित पांचवें एशियाई पैरा



गेम्स में महिलाओं की 200 मीटर टी35 स्पर्धा में प्रीति पाल ने दमदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 29.53 सेकंड में दौड़ पूरी करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच दूसरा स्थान हासिल करना उनकी खेल क्षमता और लगातार बेहतर होते प्रदर्शन को दर्शाता है। प्रीति की इस सफलता से गांव के लोगों में खासा उत्साह है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव की बेटी ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा के दम पर क्षेत्र को नई पहचान दिलाई है। उनकी उपलब्धि से युवा खिलाड़ियों को भी खेलों में आगे बढ़ने और बड़े लक्ष्य निर्धारित करने की प्रेरणा मिलेगी।

पेरिस पैरालंपिक में दो कांस्य पदक जीतकर रचा था इतिहास

प्रीति पाल का अंतरराष्ट्रीय खेल सफर पहले भी कई बड़ी उपलब्धियों से सजा रहा है। वर्ष 2024 में फ्रांस की राजधानी पेरिस में आयोजित पैरालंपिक खेलों में उन्होंने महिलाओं की 100 मीटर और 200 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीते थे। इन उपलब्धियों के साथ वह ट्रैक स्पर्धाओं में पैरालंपिक पदक जीतने वाली भारत की प्रमुख पैरा एथलीटों में शामिल हुईं। पेरिस में उनके प्रदर्शन ने देशभर में उन्हें पहचान दिलाई थी। अब एशियाई पैरा गेम्स में रजत पदक जीतकर उन्होंने अपनी उपलब्धियों की सूची में एक और महत्वपूर्ण सफलता जोड़ दी है। लगातार अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतना उनके समर्पण और खेल के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

विश्व स्तर की प्रतियोगिताओं में भी दिखा चुकी हैं दम

प्रीति पाल ने जापान में आयोजित विश्व पैरा एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भी 100 मीटर और 200 मीटर स्पर्धाओं में कांस्य पदक हासिल किए थे। राष्ट्रीय स्तर पर भी उनका प्रदर्शन लगातार प्रभावशाली रहा है। वर्ष 2021 से विभिन्न प्रतियोगिताओं में उन्होंने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। बेंगलुरु में आयोजित ओपन नेशनल प्रतियोगिता में उन्होंने 100 मीटर और 200 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीते थे।

विधान परिषद चुनाव को लेकर मुजफ्फरनगर में 23 अक्टूबर को ड्राई डे, सभी शराब की दुकानें रहेंगी बंद

जिला मजिस्ट्रेट उमेश मिश्रा ने जारी किए आदेश, देशी शराब, अंग्रेजी शराब, बीयर, मॉडल शॉप, बार और भांग की दुकानें भी रहेंगी बंद; अवैध शराब की तस्करी रोकने के निर्देश

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश विधान परिषद सामान्य निर्वाचन-2026 के मद्देनजर मुजफ्फरनगर में शुक्रवार, 23 अक्टूबर को ड्राई डे घोषित किया गया है। मतदान को स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और निर्विघ्न ढंग से संपन्न कराने तथा जनपद में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से जिला मजिस्ट्रेट उमेश मिश्रा ने जिले की सभी आबकारी दुकानों को मतदान के दिन पूरे समय बंद रखने के आदेश जारी किए हैं। इस दौरान देशी शराब, अंग्रेजी शराब, बीयर, कंपोजिट शॉप, मॉडल शॉप, बार और भांग की थोक एवं फुटकर दुकानों सहित संबंधित आबकारी अनुज्ञापन बंद रहेंगे। जिला मजिस्ट्रेट ने आबकारी अधिनियम की धारा-59 के तहत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए यह आदेश जारी किया है। प्रशासन ने संबंधित अधिकारियों को आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने और अवैध शराब की तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने के निर्देश दिए हैं।

मतदान के दिन पूरे समय बंद रहेंगी शराब की दुकानें

जारी आदेश के अनुसार, 23 अक्टूबर को जनपद मुजफ्फरनगर की सभी संबंधित आबकारी दुकानें पूरे दिन बंद रहेंगी। इसमें देशी शराब की दुकानें, कंपोजिट शॉप, मॉडल शॉप के फुटकर अनुज्ञापन और थोक अनुज्ञापन शामिल हैं। इसके अलावा सीएल-2, एफएल-2/2बी सहित संबंधित थोक अनुज्ञापन भी बंद रहेंगे। आदेश में भांग के थोक एवं फुटकर अनुज्ञापन, एफएल-6/7 बार अनुज्ञापन, एफएल-9/9ए, एफएल-16/17, एफएल-39 तथा एमए-2 और एमए-4 अनुज्ञापनों को भी बंद रखने का निर्देश दिया गया है।

अवैध शराब की बिक्री और तस्करी पर रहेगी नजर

जिला प्रशासन ने मतदान के दौरान अवैध मदिरा की तस्करी पर प्रभावी रोक लगाने के निर्देश भी दिए हैं। संबंधित विभागों को नियमों और लाइसेंस की शर्तों के अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया है, ताकि चुनाव के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न न हो और लोक शांति बनी रहे।बंदी अवधि के लिए नहीं मिलेगा प्रतिफल

जिला मजिस्ट्रेट के आदेश में स्पष्ट किया गया है कि निर्धारित बंदी अवधि के लिए आबकारी अनुज्ञापियों को किसी प्रकार का प्रतिफल देय नहीं होगा। सभी संबंधित दुकानदारों और अनुज्ञापियों को आदेश का पालन करना अनिवार्य होगा। प्रशासन का कहना है कि विधान परिषद सामान्य निर्वाचन को स्वतंत्र, शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। मतदान के दिन घोषित ड्राई डे भी इसी व्यवस्था का हिस्सा है।

जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए जानसठ में विधिक साक्षरता शिविर, महिलाओं को किया जागरूक

वृद्धावस्था, विधवा और दिव्यांग पेंशन से लेकर बाल सेवा योजना तक की दी जानकारी, आंगनबाड़ी कार्यकताओं से

मुजफ्फरनगर। आम नागरिकों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने और पात्र लोगों तक उनका लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से बुधवार को तहसील जानसठ के सभागार में लघु विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेर्शों के तहत आयोजित शिविर में वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, बाल सेवा योजना, श्रम विभाग की योजनाओं और राष्ट्रीय लोक अदालत सहित विभिन्न विषयों पर जानकारी दी गई। अधिकारियों ने आंगनबाड़ी कार्यकताओं और संबंधित कर्मियों से योजनाओं की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाने तथा जरूरतमंदों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने की अपील की।

कार्यक्रम का आयोजन जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष तथा प्राधिकरण के सचिव के निर्देशन में किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में सिविल जज वरिष्ठ खंड एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव डॉ. सत्येंद्र कुमार चौधरी उपस्थित रहे। उनके साथ न्यायिक अधिकारी अभिषेक सिंह, उपजिलाधिकारी जानसठ रश्मि लांबा, तहसीलदार मोनिका चौहान, थाना जानसठ की मिशन शक्ति टीम और जानसठ ब्लॉक की आंगनबाड़ी कार्यकताओं ने सहभागिता की।



पात्र लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर जोर

शिविर में डॉ. सत्येंद्र कुमार चौधरी ने सरकार की ओर से संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि आम नागरिकों को इन योजनाओं के बारे में जागरूक करना जरूरी है। कई बार जानकारी के अभाव में पात्र व्यक्ति सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं ले पाते। ऐसे में संबंधित विभागों के कर्मचारियों और आंगनबाड़ी कार्यकताओं की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने उपस्थित महिलाओं और कार्यकताओं से कहा कि वे अपने कार्यक्षेत्र में लोगों को योजनाओं के बारे में बताएं, ताकि जरूरतमंद नागरिक संबंधित विभागों तक पहुंचकर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार लाभ प्राप्त कर सकें। शिविर का उद्देश्य विधिक जागरूकता बढ़ाने के साथ सरकारी योजनाओं और कानूनी सहायता से जुड़ी जानकारी को आमजन तक पहुंचाना रहा। कार्यक्रम में वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन और दिव्यांग पेंशन जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इन योजनाओं का उद्देश्य पात्र वरिष्ठ नागरिकों, निराश्रित महिलाओं और दिव्यांगजनों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने में मदद करना है। अधिकारियों ने कार्यकताओं से कहा कि वे अपने क्षेत्र में ऐसे लोगों को योजनाओं की जानकारी दें, जिन्हें इसकी आवश्यकता है। साथ ही पात्र लोगों को आवेदन प्रक्रिया और संबंधित विभागों से संपर्क करने के लिए प्रेरित करें, ताकि जानकारी के अभाव में कोई जरूरतमंद योजना के लाभ से वंचित न रहे।

शिविर में बाल सेवा योजना और श्रम विभाग की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी गई। इन योजनाओं से संबंधित पात्रता, उपलब्ध सहायता और लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया के प्रति लोगों को जागरूक करने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में मौजूद आंगनबाड़ी कार्यकताओं से कहा गया कि वे बच्चों, महिलाओं और जरूरतमंद परिवारों तक संबंधित योजनाओं की जानकारी पहुंचाएं।

सोलानी नदी का गंदा पानी खेतों में भरा: खडी फसले हुई बर्बाद, किसानों का प्रदर्शन, चुनाव बहिष्कार करने की चेतावनी

किसान रबी सीजन की प्रमुख फसलों–सरसों और गेहूं की बुआई न कर पाने से परेशान

मोरना (मुजफ़्फरनगर)। सोलानी नदी की अधूरी और खानापूर्ति तक सीमित सफाई अब क्षेत्र के किसानों के लिए भारी मुसीबत बन गई है। हाल ही में हुई बारिश के बाद नदी का पानी उफान पर आकर आसपास के सैकड़ों खेतों में फैल गया, जिससे किसानों की खड़ी गन्ना, धान और पशुओं के चारे की फसलें पूरी तरह बर्बाद हो चुकी हैं। इतना ही नहीं, खेतों में कई-कई फीट पानी भरा होने के कारण किसान आगामी रबी सीजन की प्रमुख फसलों–सरसों और गेहूं की बुआई भी नहीं कर पा रहे हैं। इस दोहरी मार से आक्रोशित भोपा थाना क्षेत्र के गांव मजलिसपुर तौफीर के किसानों ने बुधवार को शासन-प्रशासन के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया और जल्द समाधान न होने पर आगामी विधानसभा चुनाव के पूर्ण बहिष्कार की चेतावनी दी।

सिर्फ कागजों और नाम के लिए हुई सिल्ट सफाई

प्रदर्शनकारी किसानों ने बताया कि क्षेत्र से होकर गुजरने वाली सोलानी नदी की सिल्ट सफाई के नाम पर संबंधित विभाग द्वारा केवल खानापूर्ति की गई है। नदी की तलहटी और किनारों की समुचित सफाई न होने के कारण बारिश का पानी अपनी स्वाभाविक दिशा में नहीं बह सका और नदी का बहाव खेतों की तरफ मुड़ गया। किसानों के अनुसार, इस लापरवाही की वजह से हजारों हेक्टेयर कृषि भूमि जलमग्न हो चुकी है। खेतों में खड़ी फसलें पूरी तरह डूबकर सड़ रही हैं, जिससे किसानों के सामने गहरा आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।



बांध निर्माण और गहरी सफाई से संभव है स्थायी समाधान

किसानों का कहना है कि यदि सोलानी नदी की सिल्ट की पूरी तरह से तली झाड़ सफाई कराई जाए और नदी के दोनों किनारों पर मजबूत बांध (पक्के तटबंध) का निर्माण कराया जाए, तो इस जलभराव की विकराल समस्या से स्थायी राहत मिल सकती है। ऐसा होने से पानी की निकासी सुचारु रहेगी और किसान समय पर अपनी फसलों की बुआई कर सकेंगे। किसानों ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वे इस समस्या को लेकर कई बार प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के चक्कर काट चुके हैं, लेकिन आज तक किसी ने भी उनकी सुध लेना मुनासिब नहीं समझा। अपनी व्यथा सुनाते हुए किसानों ने कहा कि एक तरफ बारिश और जलभराव से उनकी मेहनत से तैयार फसलें नष्ट हो गई हैं, वहीं दूसरी ओर अगली बुआई न हो पाने से भविष्य का संकट गहरा गया है। इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारी मूकदर्शक बने हुए हैं। आक्रोशित ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से तत्काल प्रभाव से सोलानी नदी की सफाई कराने, किनारों पर मजबूत तटबंध बनवाने और फसलों के नुकसान का आकलन कराकर मुआवजा देने की मांग की है। किसानों ने दोटूक कहा कि यदि शीघ्र ही धरातल पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो पूरा गांव एकजुट होकर आगामी विधानसभा चुनाव में मतदान का पूर्ण रूप से बहिष्कार करेगा। प्रशासन के खिलाफ हुंकार भरने वाले ग्रामीणों और किसानों में मुख्य रूप से मदन प्रधान, सतपाल, राजेश, परशुराम, दीपक, अनुज, नवीन, सेवा सिंह, मनजीत सिंह, राकेश, नीटू, विकास, बबलू, सुबोध कुमार, बुध सिंह, हरिराम, सतीश कुमार, खड़क सिंह, आत्माराम, सुशील, नेमचंद, बिजेंद्र, अमर, नीरज और राजपाल सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के किसान उपस्थित रहे।

मुजफ्फरनगर के दंपती को छूकर चली गई मौत: पूर्व मंत्री ने राहगीरों की मदद से घायलों को कार से बाहर निकाला, एयर बैग से बची पति-पत्नी की जान

दिल्ली–देहरादून हाईवे पर ट्रक की टक्कर के बाद पलटी एसयूवी, एटूजेड टाउनशिप के पास अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ी कार, आरोपी ट्रक चालक की तलाश में जुटी पुलिस

मेरठ। दिल्ली-देहरादून राष्ट्रीय राजमार्ग पर एटूजेड टाउनशिप के सामने एक भीषण सड़क हादसा हो गया। एक तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक ने आगे चल रही एसयूवी कार में जोरदार टक्कर मार दी और उसे काफी दूर तक घसीटता हुआ ले गया। टक्कर के बाद कार चालक का नियंत्रण छूट गया और एसयूवी डिवाइडर पर चढ़कर बीच सड़क पलट गई। इस दर्दनाक हादसे में कार में सवार मुजफ्फरनगर निवासी दंपती मामूली रूप से घायल हो गए, जिन्हें एयरबैग खुलने के कारण नया जीवन मिला है।



ट्रक ने पीछे से मारी जोरदार टक्कर, मच गई अफरा-तफरी

मिली जानकारी के मुताबिक, मुजफ्फरनगर निवासी हृदेश कुमार अपनी पत्नी इंदिरा अरोड़ा के साथ एसयूवी कार द्वारा किसी काम से मेरठ आ रहे थे। जैसे ही उनकी कार दौराला क्षेत्र स्थित एटूजेड कॉलोनी के पास पहुँची, तभी पीछे से आ रहे एक अनियंत्रित ट्रक ने उनकी कार में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का संतुलन बिगड़ गया और वह तेज रफ्तार में सीधे डिवाइडर से टकराकर सड़क पर पलट गई। हादसे में एसयूवी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। गनीमत रही कि टक्कर लगते ही कार के एयरबैग समय पर खुल गए, जिससे दंपती को गंभीर चोटें नहीं आईं और एक बड़ा हादसा होने से टल गया।

घटना को अंजाम देने के बाद चालक ट्रक समेत मौके से फरार हो गया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने रुकवाई गाड़ी, घायलों को पहुँचाया अस्पताल

हादसे के तुरंत बाद घटनास्थल पर राहगीरों की भारी भीड़ जुट गई। इसी बीच वहां से गुजर रहे पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. संजीव बालियान, श्रम कल्याण परिषद के पूर्व अध्यक्ष सुनील भराला और मनिंदर विहान ने तुरंत अपने वाहन रुकवाए। उन्होंने स्थानीय लोगों की मदद से क्षतिग्रस्त कार में फंसे दंपती को सुरक्षित बाहर निकाला और तत्काल पास के एक निजी अस्पताल में उपचार के लिए भिजवाया। प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति सामान्य होने पर दंपती वापस अपने घर लौट गए।

आरोपी चालक की तलाश में सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुँची और क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त एसयूवी को डिवाइडर से हटवाकर हाईवे पर बाधित हुए यातायात को सुचारू कराया। मामले में सीओ दौराला शिव ठाकुर ने बताया कि हाईवे पर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। ट्रक का नंबर ट्रेस कर फरार चालक की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है, जल्द ही उसे पकड़ लिया जाएगा।

केला रैना फैक्ट्री के पास तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत, नौ दिन बाद मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। नई मंडी कोतवाली क्षेत्र में भोपा रोड पर केला रैना फैक्ट्री के निकट हुए सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत के मामले में पुलिस ने घटना के करीब एक सप्ताह बाद मुकदमा दर्ज किया है। हादसे में जान गंवाने वाले व्यक्ति की पत्नी ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया कि सामने से तेज रफ्तार और लापरवाही से आ रहे वाहन ने उसके पति की बाइक में जोरदार टक्कर मार दी थी। दुर्घटना के बाद चालक मौके पर जुटी भीड़ का फायदा उठाकर वाहन समेत फरार हो गया था। पति की मौत से गहरे सदमे में रही महिला ने तेरहवीं की रस्म पूरी होने के बाद थाने पहुंचकर कार्रवाई की मांग की।

ड्यूटी से बाइक पर घर लौट रहे थे बिट्टू

भोपा थाना क्षेत्र के गांव बाकर नगर निवासी मीनाक्षी ने नई मंडी कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके पति बिट्टू पुत्र इलम सिंह 12 अक्टूबर 2026 को अपनी ड्यूटी पूरी करने के बाद घर लौट रहे थे। वह भोपा रोड स्थित टिहरी पेपर मिल से अपनी मोटरसाइकिल पर सवार होकर गांव के लिए निकले थे।

तहरीर के अनुसार, रात करीब साढ़े आठ बजे जब बिट्टू केला रैना फैक्ट्री के निकट पहुंचे, तभी सामने से आ रहे वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। शिकायत में वाहन चालक पर तेज गति और लापरवाही से गाड़ी चलाने का आरोप लगाया गया है।

टक्कर इतनी जोरदार कि बाइक सवार की चली गई जान

मीनाक्षी के अनुसार, हादसे में उनके पति गंभीर रूप से प्रभावित हुए और उनकी मृत्यु हो गई। दुर्घटना में मोटरसाइकिल भी क्षतिग्रस्त हो गई थी। तहरीर में बताया गया कि घटनास्थल पर मौजूद राहगीरों और स्थानीय लोगों ने दुर्घटना करने वाले वाहन को देखा था। आरोप है कि हादसे के बाद चालक मौके पर जुटी भीड़ का फायदा उठाकर वाहन सहित फरार हो गया। इसके बाद पीड़िता ने संबंधित वाहन और उसके चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पीड़िता ने पुलिस को दी शिकायत में दुर्घटना करने वाले वाहन का नंबर पीबी-13-बीबी-0410 बताया है। तहरीर में कहा गया है कि इसी वाहन के चालक ने कथित तौर पर लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनके पति की मोटरसाइकिल में सामने से टक्कर मारी थी। महिला ने पुलिस से वाहन और उसके चालक की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। दुर्घटना के समय मौके पर मौजूद लोगों को भी मामले में महत्वपूर्ण गवाह माना जा रहा है।

वाद के निस्तारण हेतु प्रतिवादी की उपस्थिति के लिए समन (आदेश 5 नियम 1, और 5)
न्यायालय श्रीमान अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) महोदय मुजफ्फरनगर

वाद सं०- डी202609550000238 सन 2026

इशत्याक पुत्र हबीबुल्ला निवासी ग्राम कवाल तहसील जानसठ जिला मुजफ्फरनगर .....प्रार्थी / वादी

बनाम

1.लुपिन पुत्र रामेश्वर दास
2.राजन पुत्र रामेश्वर दास
3.वैभव रस्तौगी पुत्र विपिन
4.श्रीमती इन्दु रस्तौगी पत्नी विपिन
5.श्रीमती सुनीता पत्नी उमेश
6.खुर्शीद आलम पुत्र मौ०अख्तर
7.मौ० अख्तर पुत्र मौ० उमर
8.इकबाल अहमद पुत्र इमामूद्दीन निवासी म०नं० 373
खालापार दक्षिणी मुजफ्फरनगर तहसील व जिला मुजफ्फरनगर

समस्त निवासीगण ग्राम कवाल
तहसील जानसठ जिला
मुजफ्फरनगर

.....प्रतिवादीगण

धारा-38(1) उ०प्र० राजस्व संहिता 2006

मौजा- कवाल

आपको इस समन द्वारा सूचित किया जाता है कि उपरोक्त वाद, वादी ने आपके विरुद्ध धारा 38(1) उ०प्र० राजस्व संहिता 2006 योजित किया है। आपको इस न्यायालय मे उक्त वाद का उत्तर पत्र आदि प्रस्तुत करने के लिए उपसंजात, उपस्थित होने के लिए दिनांक 02 माह 11 सन 2026 को दिन मे 10.30 बजे नियुक्त करके यह समन प्रेषित किया जाता है आप नियत दिनांक को न्यायालय मे स्वयं या अपने अधिकृत पैरोकार, अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हो सकते है। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सारवान प्रश्नो का उत्तर दे सके। न्यायालय मे आपकी उपस्थिति के लिए जो उक्त तिथि नियत की गयी है। वह इस वाद के अन्तिम निस्तारण के लिए भी नियत है। इसलिए आपको उसी दिन अपने उन सभी साक्षियो को या उनसे सम्बन्धित सभी सारवान प्रपत्रो, साक्ष्यो को पेश करने के लिए तैयार रहना चाहिये, जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिए निर्भर रहना चाहते है। आपको यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर वर्णित तिथि को इस न्यायालय मे उक्त वाद के निस्तारण के समय उपसंजात, उपस्थित नही होगे तो उस दशा मे उक्त वाद का निस्तारण आपकी अनुपस्थिति मे गुण दोष पर किया जायेगा।

आज दिनांक 16 माह 10 सन 2026 को न्यायालय की मुद्रा सहित विधिवत न्यायालय द्वारा जारी किया गया।

आज्ञा से
पीठासीन अधिकारी
अपर जिलाधिकारी (न्यायिक)
मुजफ्फरनगर

खतौली में मिशन शक्ति अभियान: महिलाओं और बालिकाओं को दी सीख, साइबर सुरक्षा का दिया मंत्र

पुलिस ने जागरूकता अभियान के तहत आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों की भी दी जानकारी

खतौली (मुजफ़्फरनगर)। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश सरकार के निदेर्शानुसार खतौली थाना पुलिस की ओर से 'मिशन शक्ति' अभियान का आयोजन किया गया। 21 अक्टूबर को चलाए गए इस विशेष अभियान के तहत पुलिस टीम ने क्षेत्र की महिलाओं और बालिकाओं को उनकी सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत कराया। इसके साथ ही साइबर अपराधों से बचाव, महिला हेल्पलाइन नंबरों के सटीक उपयोग तथा किसी भी विपरीत परिस्थिति में पुलिस सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया को विस्तारपूर्वक समझाया गया।

अभियान के दौरान खतौली थाना प्रभारी दिनेश चंद्र बघेल, क्राइम इंस्पेक्टर कमल किशोर और उपनिरीक्षक खुशबू सहित पुलिस टीम प्रमुख रूप से मौजूद रही। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए पुलिसकर्मियों ने महिलाओं और बालिकाओं का उत्साहवर्धन किया। पुलिस टीम ने कहा कि महिलाओं को



किसी भी प्रकार की परेशानी, उत्पीड़न या असुरक्षा की स्थिति का सामना करने पर चुप रहने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि उन्हें निडर होकर अपनी बात सामने रखनी चाहिए। आवश्यकता पड़ने पर तत्काल संबंधित आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क कर पुलिस की सहायता प्राप्त करनी चाहिए।

अभियान के दौरान बालिकाओं की सुरक्षा पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए उन्हें 'गुड टच' (सुरक्षित स्पर्श) और 'बैड टच' (असुरक्षित स्पर्श) के अंतर को समझाया गया।पुलिस अधिकारियों ने बालिकाओं से कहा कि यदि कोई व्यक्ति उनके साथ अनुचित व्यवहार करता है या उन्हें किसी भी प्रकार से असहज महसूस कराता है, तो वे उस स्थिति को बिल्कुल भी नजरअंदाज न करें। ऐसी परिस्थिति बनते ही तुरंत अपने माता-पिता, अभिभावकों या अध्यापकों को सूचित करें और आवश्यकता पड़ने पर निसंकोच पुलिस की मदद लें। आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों की सूची पुलिस टीम ने कार्यक्रम में महिलाओं को विभिन्न सरकारी हेल्पलाइन सेवाओं के बारे में जागरूक किया, ताकि विषम परिस्थितियों में तुरंत मदद मिल सके, इसमें में 112-आपातकालीन पुलिस सहायता, 1090-महिला पावर लाइन, 181-महिला हेल्पलाइन, 1076-मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1098-चाइल्ड हेल्पलाइन (बच्चों की सहायता हेतु), 1930-साइबर क्राइम हेल्पलाइन जैसे नंबर शामिल हैं। वर्तमान में बढ़ रहे डिजिटल अपराधों को देखते हुए पुलिस टीम ने ऑनलाइन सुरक्षा पर विशेष जोर दिया।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादक:
◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222,
मो. 9412211222
e-mail Address :
royalbulletin@gmail.com

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम हरविंद कुमार पिता का नाम हरेंद्र सिंह निवासी बच्चन सिंह कॉलोनी गली नंबर 4 मुजफ्फरनगर है, मैंने सुभारती विश्वविद्यालय से दूरस्थ माध्यम से बीएससी कोर्स किया है, मेरा माइग्रेशन लेटर कहीं खो गया है। अगर किसी व्यक्ति को मिलता है, तो कृपया उचित नंबर पर संपर्क करें।

हरविंद कुमार
मोबाइल नंबर 905856 8206

त्रिवार्षिक चुनाव सूचना

प्रभात सभा एवं प्रभात सभा द्वारा संचालित गांधी बालिका इंटर कॉलेज चरथावल के आगामी त्रिवार्षिक (2026-29) चुनाव निम्न कार्यक्रमानुसार सम्पन्न होंगे।

—: चुनाव कार्यक्रम :—

क्र.सं.	विवरण	दिन	दिनांक	समय
1.	मतदाता सूची का प्रकाशन (सभा कक्ष के पट पर चस्पा होगी)	शुक्रवार	23.10.26	प्रातः 11 बजे
2.	मतदाता सूची के सम्बन्ध में आपत्तियां/निराकरण	शुक्रवार	23.10.26	सायं 2.00 से 5.00 बजे तक
3.	नामांकन पत्र स्वीकार किये जायेंगे	शनिवार	24.10.26	प्रातः 10.00 से 1.00 बजे तक
4.	नामांकन पत्र वापस लिये जा सकेंगे	शनिवार	24.10.26	दोपहर 1.00 से 2.00 बजे तक
5.	नामांकन पत्रों की जाँच व आपत्ति	शनिवार	24.10.26	दोपहर 3.00 से 4.00 बजे तक
6.	प्रत्याशी सूची का प्रकाशन व चुनाव चिन्ह आवंटन	शनिवार	24.10.26	सायं 4.00 बजे के बाद
7.	चुनाव गुप्त मतदान द्वारा (यदि आवश्यक हुआ)	बुधवार	28.10.26	प्रातः 9.00 से 3.00 बजे तक
8.	मतगणना व परिणाम	बुधवार	28.10.26	मतदान उपरान्त

चुनाव स्थल - सभागार गांधी इंटर कॉलेज, चरथावल

चुनाव अधिकारी
श्री रविन्द्र जी
प्रवक्ता
डॉ. दीन दयाल उपाध्याय
राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज
कासमपुर खोला, मुजफ्फरनगर

चुनाव पर्यवेक्षक
श्री विकास जी
प्रधानाचार्य, पी.एमश्री.
राजकीय इंटर कॉलेज
गढी शेखावतपुर, मुजफ्फरनगर



रॉयल बुलेटिन

मुजफ्फरनगर समाचार

गुरूवार 22 अक्टूबर 2026 पृष्ठ 3



रोहन राठी हत्याकांड: किसानों के आक्रोश से घिरा एसएसपी कार्यालय, घंटों गूंजे नारे

भाकियू टिकैत ने पुलिस कार्रवाई पर उठाए सवाल, शिव चौक पर पुलिस प्रशासन हाय-हाय और रोहन राठी अमर रहे के नारों से गूंजा शहर

मुजफ्फरनगर। रोहन राठी हत्याकांड में पुलिस के खुलासे से असंतुष्ट परिजनों और ग्रामीणों के समर्थन में बुधवार को भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए। किसानों ने एसएसपी कार्यालय का घेराव कर धरना-प्रदर्शन किया और मामले की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की मांग उठाई। प्रदर्शन के दौरान शिव चौक पर भी पुलिस प्रशासन के खिलाफ जोरदार नारेबाजी हुई। ह्यपुलिस प्रशासन हाय-हायह्ल और ह्यरोहन राठी अमर रहेह्ल के नारों से माहौल गूंज उठा। किसानों के प्रदर्शन के कारण शहर के प्रमुख मार्गों पर यातायात प्रभावित हुआ और लोगों को जाम की समस्या का सामना करना पड़ा। बाद में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय और अन्य अधिकारियों ने मृतक के परिजनों से वार्ता की। पुलिस अधिकारियों की ओर से त्वरित एवं निष्पक्ष कार्रवाई का आश्वासन दिए जाने के बाद धरना समाप्त करा दिया गया।

एसएसपी कार्यालय पर जुटे किसान, पुलिस के खिलाफ की नारेबाजी

रोहन राठी हत्याकांड को लेकर बुधवार को बड़ी संख्या में भाकियू टिकैत के कार्यकर्ता और पदाधिकारी एसएसपी कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने धरना देकर पुलिस की जांच और हत्याकांड के खुलासे पर सवाल उठाए। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि मृतक के परिजन पुलिस की कार्रवाई से संतुष्ट नहीं हैं और मामले की पूरी सच्चाई सामने आनी चाहिए। किसानों ने सीबीआई जांच की मांग करते हुए कहा कि परिवार की शंकाओं का समाधान किए बिना उन्हें न्याय का भरोसा नहीं मिल सकता।

आंदोलन के दौरान किसानों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर अपना आक्रोश जताया। परिजनों और ग्रामीणों की मांगों को समर्थन देते हुए भाकियू टिकैत के कार्यकर्ताओं ने मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई।

शिव चौक पर गूंजे ह्यपुलिस प्रशासन



हाय-हायह्ल के नारे

एसएसपी कार्यालय पर प्रदर्शन के साथ शिव चौक पर भी किसानों और समर्थकों ने जोरदार नारेबाजी की। यहां ह्यपुलिस प्रशासन हाय-हायह्ल और ह्यरोहन राठी अमर रहेह्ल के नारों के बीच हत्याकांड की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई गई। प्रदर्शन के चलते शहर के प्रमुख मार्गों पर वाहनों का दबाव बढ़ गया और कई स्थानों पर जाम की स्थिति बनी। इससे राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

एसएसपी ने परिजनों से की वार्ता, आश्वासन पर समाप्त हुआ धरना

पुलिस प्रशासन की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, 21 अक्टूबर 2026 को रोहन राठी हत्याकांड की जांच के संबंध में मृतक के परिजनों ने मुजफ्फरनगर पुलिस कार्यालय परिसर में धरना-प्रदर्शन किया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय और अन्य अधिकारियों ने परिजनों से वार्ता की। अधिकारियों ने उन्हें मामले में त्वरित एवं निष्पक्ष कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद धरना समाप्त करा दिया गया। पुलिस अधीक्षक नगर अमृत जैन ने भी प्रकरण के संबंध में जानकारी दी। पुलिस प्रशासन की ओर से परिजनों को दिए गए आश्वासन के बाद धरना तो समाप्त हो गया, लेकिन मामले की सीबीआई जांच की मांग और पुलिस के खुलासे को लेकर परिवार की असंतुष्टि के बीच आगे की कार्रवाई महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

24 सितंबर को खेत में मिला था 18 वर्षीय रोहन का शव

पुरकाजी थाना क्षेत्र के गांव हरैटी निवासी ग्राम प्रधान विवेक राठी के 18 वर्षीय बेटे रोहन राठी का शव 24 सितंबर को सलेमपुर मार्ग के पास एक खेत में मिला था। बताया गया था कि रोहन 23 सितंबर की शाम अपने एक दोस्त की मोटरसाइकिल लेकर भोपा थाना क्षेत्र के गांव नन्हेड़ा में जन्मदिन की पार्टी में शामिल होने गया था। अगले दिन उसका शव मिलने की सूचना से परिवार में कोहराम मच गया था।

छह साल की मासूम से दुष्कर्म करने वाले चाचा को आजीवन कारावास, 69 हजार रुपये जुर्माना

खतौली क्षेत्र के मामले में विशेष पॉक्सो अदालत का फैसला, माता-पिता की गैरमौजूदगी में बच्ची को बहलाकर घेर में ले गया था दोषी

मुजफ्फरनगर। छह साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म के मामले में न्यायालय ने दोषी चाचा को आजीवन सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर 69 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। खतौली क्षेत्र के इस मामले में अदालत ने अपराध की गंभीरता को रेखांकित करते हुए स्पष्ट किया कि किसी बच्ची के साथ दुष्कर्म केवल उसके शरीर के विरुद्ध अपराध नहीं, बल्कि मानवता और समाज की आत्मा पर किया गया प्रहार है। दोषी के पैर से दिव्यांग होने के तथ्य को भी अदालत ने अपराध के लिए क्षमायोग्य आधार नहीं माना। फैसले में अपराध की प्रकृति, दोषी की पृष्ठभूमि और समाज पर पड़ने वाले प्रभाव के बीच संतुलन बनाकर दंड निर्धारित करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता विक्रांत राठी और विनय अरोरा के अनुसार, मामला 10 नवंबर 2024 को दर्ज कराए गए मुकदमे से संबंधित है। पीड़ित बच्ची के पिता ने पुलिस को शिकायत देकर बताया था कि वह और उनकी पत्नी काम पर गए हुए थे। घर पर उनकी छह साल की बेटी मौजूद थी। इसी दौरान परिवार का चचेरा भाई बच्ची को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। आरोप था कि उसने बच्ची के साथ दुष्कर्म किया और शोर मचाने पर उसके साथ मारपीट कर मौके से फरार हो गया। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, घटना के समय बच्ची के माता-पिता घर पर नहीं थे। इसी का फायदा उठाकर परिवार का चचेरा भाई बच्ची को बहलाकर अपने घेर में ले गया। वहां उसने बच्ची के साथ दुष्कर्म किया। बच्ची के शोर मचाने पर उसके साथ मारपीट किए जाने का भी आरोप लगाया गया था। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया। बच्ची के पिता की शिकायत पर पुलिस ने 10 नवंबर 2024 को मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू की थी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया। इसके बाद विवेचना पूरी कर मामले को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। प्रकरण की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने घटना से संबंधित साक्ष्य और गवाहों को अदालत के सामने पेश किया।

सात गवाहों की गवाही और चिकित्सकीय साक्ष्य बने अहम आधार

मामले की सुनवाई अपर जिला एवं सत्र न्यायालय की विशेष न्यायाधीश पॉक्सो अदालत में न्यायाधीश मंजुला भालोटिया के समक्ष हुई। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता विक्रांत राठी और विनय अरोरा ने अभियोजन पक्ष की ओर से पैरवी की।

सुनवाई के दौरान अभियोजन ने सात गवाहों के बयान दर्ज कराए। इसके अलावा चिकित्सकीय परीक्षण रिपोर्ट और बच्ची की आयु निर्धारित करने से संबंधित प्रमाण-पत्र भी न्यायालय में प्रस्तुत किए गए।

अभियोजन पक्ष ने इन साक्ष्यों के आधार पर आरोपी के विरुद्ध आरोपों को साबित करने का प्रयास किया। अभियोजन की ओर से पेश किए गए साक्ष्यों और गवाहों के बयानों पर विचार करने के बाद न्यायालय ने आरोपी को दोषी ठहराया। सोमवार को सुनाए गए फैसले में अदालत ने उसे आजीवन सश्रम कारावास की सजा सुनाई और जुर्माना भी लगाया।

चिकित्सक डॉ. पंकज जैन का फर्जी वीडियो बनाकर शक्ति वर्धक तेल का प्रचार, मुकदमा दर्ज

इंस्टाग्राम पर प्ले मोर हर्ब्स नाम के खाते से प्रसारित किया गया विज्ञापन, चिकित्सक की छवि खराब करने और लोगों को गुमराह करने का आरोप, बिना अनुमति फोटो का इस्तेमाल कर आर्थिक लाभ कमाने की कोशिश

मुजफ्फरनगर। सोशल मीडिया पर फर्जी विज्ञापनों के जरिए लोगों को गुमराह करने और प्रतिष्ठित व्यक्तियों की छवि का दुरुपयोग करने का मामला सामने आया है। भोपा रोड स्थित इवान अस्पताल में कंसल्टेंट के रूप में सेवाएं दे रहे चिकित्सक डॉ. पंकज जैन का कथित रूप से कूटरचित वीडियो तैयार कर इंस्टाग्राम पर प्रसारित करने के मामले में नई मंडी कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि चिकित्सक की अनुमति के बिना उनकी तस्वीर और पहचान का इस्तेमाल करते हुए उन्हें एक शक्ति वर्धक उत्पाद का प्रचार करते हुए दिखाया गया। चिकित्सक ने इसे धोखाधड़ी, भ्रामक प्रचार और अपनी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने का प्रयास बताते हुए पुलिस से कानूनी कार्रवाई की मांग की है। स्क्रॉल करते समय सामने आया विज्ञापन पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार, डॉ. पंकज जैन इवान अस्पताल, भोपा रोड पर कंसल्टेंट के रूप में कार्यरत हैं और उनका इंस्टाग्राम पर भी खाता है। कुछ दिन पहले वह इंस्टाग्राम चला रहे थे। इसी दौरान सोशल मीडिया पर सामग्री देखते समय अचानक उनके सामने एक वीडियो विज्ञापन आया। विज्ञापन में डॉ. पंकज जैन को बोलते हुए दिखाया गया था। वीडियो में उन्हें ह्यप्ले मोर अमेरिकन ऑयलह्ल नामक उत्पाद का प्रचार करते हुए उसकी विशेषताएं और उपयोग बताते तथा लोगों को इसका इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित करते हुए प्रदर्शित किया गया था। डॉ. जैन के मुताबिक, विज्ञापन देखकर वह हैरान रह गए, क्योंकि उन्होंने न तो ऐसा कोई विज्ञापन तैयार कराया था और न ही किसी व्यक्ति या संस्था को अपनी तस्वीर अथवा पहचान का इस्तेमाल कर इस तरह का प्रचार करने की अनुमति दी थी। प्ले मोर हर्ब्स नाम के खाते से पोस्ट करने का आरोप

शिकायत में बताया गया है कि संबंधित वीडियो विज्ञापन इंस्टाग्राम पर ह्यप्ले मोर हर्ब्सह्ल नाम के खाते से पोस्ट किया गया। चिकित्सक ने आरोप लगाया कि खाते का संचालन करने वाले व्यक्ति ने उनकी अनुमति के बिना उनकी तस्वीर का इस्तेमाल किया और तकनीक के दुरुपयोग से ऐसा वीडियो तैयार किया, जिससे यह प्रतीत होता है कि वह स्वयं उत्पाद का प्रचार कर रहे हैं। डॉ. जैन का कहना है कि इस तरह का विज्ञापन तैयार करने के पीछे लोगों को भ्रमित करके आर्थिक लाभ कमाने का उद्देश्य हो सकता है। उन्होंने आशंका जताई कि विज्ञापन देखकर लोग उत्पाद को चिकित्सक की वास्तविक अनुशंसा समझ सकते हैं, जबकि उन्होंने ऐसा कोई प्रचार नहीं किया है। सम्मानित चिकित्सक की छवि को नुकसान पहुंचाने का आरोप

डॉ. पंकज जैन ने अपनी शिकायत में कहा कि समाज में उनकी पहचान एक सम्मानित चिकित्सक के रूप में है। ऐसे में उनकी तस्वीर और पहचान का इस्तेमाल कर किसी शक्ति वर्धक उत्पाद का प्रचार करना उनकी सामाजिक और पेशेवर प्रतिष्ठा को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि संबंधित इंस्टाग्राम खाते के संचालक ने अपने अन्य अज्ञात साथियों के साथ मिलकर कथित रूप से भ्रामक और कूटरचित विज्ञापन तैयार किया। इस विज्ञापन के माध्यम से लोगों को गुमराह करने के साथ ही उनकी सार्वजनिक छवि को नुकसान पहुंचाया गया है। चिकित्सक ने मामले में शामिल लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है। पुलिस को दिए विज्ञापन और इंस्टाग्राम खाते के लिंक

शिकायतकर्ता ने पुलिस को कथित विज्ञापन और उसे प्रसारित करने वाले इंस्टाग्राम खाते के लिंक भी उपलब्ध कराए हैं, ताकि संबंधित सामग्री और खाते की जांच की जा सके। शिकायत में विज्ञापन के लिए इस्तेमाल की गई तकनीक, तस्वीर के स्रोत और संबंधित लोगों की भूमिका की जांच किए जाने की मांग की गई है। इस मामले में पुलिस के समक्ष यह जांच करना महत्वपूर्ण होगा कि वीडियो किसने तैयार किया, उसमें चिकित्सक की तस्वीर या पहचान का इस्तेमाल किस तरीके से किया गया और विज्ञापन के प्रसारण के पीछे किन लोगों की भूमिका है। डॉ. पंकज जैन की तहरीर के आधार पर थाना नई मंडी में मुकदमा दर्ज किया गया है। शिकायत में ह्यह्यप्ले मोर हर्ब्सह्ल नाम के इंस्टाग्राम खाते के संचालक और उसके साथ शामिल अज्ञात लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है। मामले में संबंधित डिजिटल सामग्री और उपलब्ध लिंक के आधार पर जांच के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मेडिकल कॉलेज की एमबीबीएस छात्रा शगुन सैनी की मौत का रहस्य बरकरार, पोस्टमार्टम में हैंगिंग की पुष्टि

बेगराजपुर गर्ल्स हॉस्टल के कमरे में मिला था 24 वर्षीय छात्रा का शव, अंदर से बंद था कमरे का दरवाजा

मुजफ्फरनगर। बेगराजपुर स्थित मुजफ्फरनगर मेडिकल कॉलेज के गर्ल्स हॉस्टल में एमबीबीएस चतुर्थ वर्ष की छात्रा शगुन सैनी की मौत के मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आने के बाद मौत के कारण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी मिली है। मंसूरपुर थाना प्रभारी के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण हैंगिंग यानी फांसी पर लटकना बताया गया है। हरियाणा के कैथल की रहने वाली 24 वर्षीय छात्रा का शव 19 अक्टूबर को हॉस्टल स्थित उसके कमरे में मिला था। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस और फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की थी। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद छात्रा के माता-पिता शव अपने साथ लेकर कैथल लौट गए। छात्रा की मौत के मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत के कारण के संबंध में जानकारी मिली है, लेकिन घटना से पहले की परिस्थितियों और इसके पीछे की वजह को लेकर स्थिति अभी स्पष्ट नहीं है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए



थे। मामले में पुलिस की शुरूआती कार्रवाई और जांच के बीच हॉस्टल में छात्रा का शव मिलने की घटना से मेडिकल कॉलेज परिसर में हलचल मच गई थी। 19 अक्टूबर को रात के समय छात्रा के कमरे का दरवाजा अंदर से बंद मिला था। दरवाजा नहीं खुलने पर जब अंदर देखने का प्रयास किया गया तो छात्रा का शव पंखे से लटका दिखाई दिया। इसके बाद कॉलेज प्रशासन और सुरक्षाकर्मियों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर मंसूरपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने कमरे का दरवाजा खुलवाकर अंदर प्रवेश किया और स्थिति का जायजा लिया। इसके बाद शव को नीचे उतरवाकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की गई। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और कमरे में मौजूद परिस्थितियों को जांच के दायरे में लिया। घटना की सूचना मिलने के बाद कॉलेज परिसर में छात्र-छात्राओं और कर्मचारियों के बीच भी हलचल रही। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए घटनास्थल से संबंधित साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया शुरू की। छात्रा की मौत की सूचना पर पुलिस ने केवल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने तक कार्रवाई सीमित नहीं रखी, बल्कि घटनास्थल की जांच के लिए फील्ड यूनिट और फोरेंसिक टीम को भी बुलाया। टीम ने कमरे का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए, ताकि घटना से जुड़ी परिस्थितियों को समझने में मदद मिल सके। पुलिस के उच्चाधिकारियों ने भी मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया था। एसपी सिटी अमृत जैन ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया था कि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की और फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य संकलित किए।

बिजली के तार चोरी करने वाले गिरोह का पदार्फाश, मेरठ के चार समेत पांच आरोपी गिरफ्तार

जानसठ पुलिस ने 7 बंडल चोरी के विद्युत तार, तीन तमंचे, तीन कारतूस, कटर और ईको कार बरामद की; खेड़ा चौगावा मकसूदाबाद के जंगल में हुई चोरी का खुलासा, कई आरोपियों का आपराधिक इतिहास भी आया सामने

मुजफ्फरनगर। जिले में विद्युत लाइनों से तार चोरी करने वाले गिरोह के खिलाफ जानसठ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए विद्युत तार के सात बंडल, तीन अवैध तमंचे, तीन जिंदा कारतूस, तार काटने वाला कटर और वारदात में इस्तेमाल की गई ईको कार बरामद की है। गिरफ्तार आरोपियों में चार मेरठ जिले के दौराला क्षेत्र के गांव रूहासा के निवासी हैं, जबकि पांचवां आरोपी मुजफ्फरनगर के खतौली क्षेत्र का मूल निवासी है। पुलिस ने 29/30 सितंबर की रात खेड़ा चौगावा मकसूदाबाद के जंगल में एलटी विद्युत लाइन के तार चोरी करने की घटना का खुलासा करने का दावा किया है। गिरफ्तार आरोपियों में कई के खिलाफ पहले से भी आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। एसएसपी सूरज कुमार राय के निर्देश पर विद्युत तार चोरी की घटनाओं में शामिल आरोपियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई



की गई। एसपी ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक के निर्देशन, क्षेत्राधिकारी जानसठ ऋषिका सिंह के पर्यवेक्षण और थाना प्रभारी विनोद कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बुधवार, 21 अक्टूबर को खतौली-जानसठ मार्ग पर बसायच और भलवा के बीच कच्चे रास्ते से पांचों आरोपियों को गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार, 29/30 सितंबर 2026 की रात जानसठ थाना क्षेत्र के ग्राम खेड़ा चौगावा मकसूदाबाद के जंगल में अज्ञात चोरों ने एलटी विद्युत लाइन के तार काटकर चोरी कर लिए थे। इस मामले में थाना जानसठ पर मुकदमा संख्या 142/2026 विद्युत अधिनियम की धारा 135 के तहत दर्ज किया गया था। घटना के खुलासे और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एसएसपी के निर्देश पर पुलिस टीम गठित की गई थी। जांच और कार्रवाई के बाद पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए चोरी के तार बरामद किए। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ और बरामदगी के संबंध में आगे की विधिक कार्रवाई कर रही है। गिरफ्तार आरोपियों में चार मेरठ और एक मुजफ्फरनगर का निवासी

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सद्दाम पुत्र इस्लाम, गौरव पुत्र धर्मवीर और सुमित पुत्र जगपाल के रूप में हुई है। तीनों ग्राम रूहासा, थाना दौराला, जिला मेरठ के निवासी हैं।चौथे आरोपी वकील पुत्र अहसान का मूल पता भी ग्राम रूहासा, थाना दौराला, जिला मेरठ है। वह वर्तमान में ग्राम अखलाकपुर, थाना जानसठ, मुजफ्फरनगर में रह रहा था। पांचवें आरोपी फरमान पुत्र इस्लामुद्दीन का मूल निवास मुजफ्फरनगर के खतौली कस्बे का मोहल्ला नई आबादी बताया गया है। पुलिस के अनुसार, वह वर्तमान में मुस्तफाबाद, दिल्ली में रह रहा था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए एलटी विद्युत लाइन के तार के सात बंडल बरामद किए हैं। इसके अलावा .315 बोर के तीन अवैध तमंचे, तीन जिंदा कारतूस और तार काटने वाला एक कटर भी मिला है। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल की गई ईको कार संख्या यूपी-15-ईडी-8486 को भी बरामद किया है।

बुढ़ाना पुलिस ने किया अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़, देहरादून के दो शातिर गिरफ्तार, थार, ब्रेजा और स्विफ्ट बरामद

नोएडा और चंडीगढ़ क्षेत्र से चोरी की गई थीं गाड़ियां, चेसिस नंबर बदलकर और फर्जी नंबर प्लेट लगाकर बेचते थे आरोपी, बुढ़ाना पुलिस की कार्रवाई से कई राज्यों में फैले नेटवर्क का खुलासा

मुजफ्फरनगर। बुढ़ाना पुलिस ने अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का पदार्फाश करते हुए उत्तराखंड के देहरादून निवासी दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे और उनकी निशानदेही पर चोरी की तीन कारें बरामद की हैं, जिनमें महिंद्रा थार, मारुति सुजुकी ब्रेजा और मारुति सुजुकी स्विफ्ट शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपी अपने साथियों के साथ मिलकर अलग-अलग राज्यों से चारपहिया वाहन चोरी करते थे। इसके बाद वाहनों के चेसिस नंबर मिटाकर या बदलकर उन पर फर्जी नंबर अंकित करते और नकली नंबर प्लेट लगाकर दूसरे स्थानों पर बेच देते थे। बरामद वाहनों में ब्रेजा नोएडा और महिंद्रा थार चंडीगढ़ क्षेत्र के जीरकपुर से चोरी की गई थी। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों और चोरी के वाहनों की खरीद-फरोख्त से जुड़े लोगों के बारे में जानकारी जुटा रही है। बुधवार को पुलिस लाइन में पत्रकारों से वार्ता करते हुए क्षेत्राधिकारी बुढ़ाना गजेन्द्र पाल सिंह ने कार्रवाई की जानकारी दी। उन्होंने



बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के पर्यवेक्षण में वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत बुढ़ाना पुलिस ने यह सफलता हासिल की है। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी बुढ़ाना गजेन्द्र पाल सिंह और थाना प्रभारी सुभाष अत्री के नेतृत्व में की गई। पुलिस के अनुसार, 20 अक्टूबर 2026 को बुढ़ाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि चोरी की गाड़ियों के साथ दो संदिग्ध योगपुरा रोड पर बंद पड़े बस अड्डे के पीछे खड़े हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और बताए गए स्थान की घेराबंदी कर दबिश दी। पुलिस ने मौके से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ और आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की तीन कारें बरामद की गईं। पुलिस का कहना है कि आरोपी इन गाड़ियों को बेचने के उद्देश्य से वहां लाए थे। वे अपने अन्य साथियों के माध्यम से ग्राहकों के आने का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान पुलिस ने कार्रवाई कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की जांच में सामने आया कि आरोपी चोरी के वाहनों की पहचान छिपाने के लिए सुनियोजित तरीके से काम करते थे। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे अपने अन्य साथियों के साथ विभिन्न राज्यों से चारपहिया वाहन चोरी करते थे। इसके बाद वाहनों के चेसिस नंबर मिटाकर उनकी जगह फर्जी नंबर अंकित कर देते थे। वाहनों पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर उनकी वास्तविक पहचान छिपाई जाती थी और फिर उन्हें अलग-अलग स्थानों पर बेचने की कोशिश की जाती थी। इस तरीके से चोरी की गाड़ियों को सामान्य वाहन के रूप में पेश करने का प्रयास किया जाता था। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि गिरोह ने अब तक कितने वाहन चोरी किए और फर्जी पहचान के जरिए कितनी गाड़ियों को बेचने में सफलता हासिल की। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि चोरी के वाहनों के चेसिस नंबर बदलने और फर्जी नंबर प्लेट तैयार करने में अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, बरामद तीन कारों में महिंद्रा थार, मारुति सुजुकी ब्रेजा और मारुति सुजुकी स्विफ्ट शामिल हैं। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि ब्रेजा कार नोएडा और महिंद्रा थार चंडीगढ़ क्षेत्र के जीरकपुर से चोरी की गई थी। तीसरी कार स्विफ्ट के संबंध में भी पुलिस आवश्यक जांच कर रही है।

कचरे से स्वच्छ ऊर्जा बनाने की तकनीक को मिलेगा विस्तार, मुजफ्फरनगर से हुई बड़ी पहल

फिनलैंड की आर्किप्लग और भारतीय उज्जाला बायो एनर्जी सॉल्यूशंस ने मिलाया हाथ, एडवांस ड्राई तकनीक से बायो-सीएनजी उत्पादन को नई दिशा देने की तैयारी

मुजफ्फरनगर। स्वच्छ ऊर्जा की बढ़ती जरूरतों और पर्यावरण संरक्षण की चुनौतियों के बीच जैविक कचरे को उपयोगी ऊर्जा में बदलने की दिशा में मुजफ्फरनगर से एक महत्वपूर्ण पहल सामने आई है। बायो-सीएनजी क्षेत्र में आधुनिक तकनीक के विस्तार के उद्देश्य से आर्किप्लग उज्जाला बायो एनर्जी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड की शुरूआत की गई है। फिनलैंड की आर्किप्लग और भारत की उज्जाला बायो एनर्जी सॉल्यूशंस के सहयोग से स्थापित इस कंपनी का लक्ष्य एडवांस ड्राई तकनीक के माध्यम से बायो-सीएनजी यानी संपीड़ित जैव गैस के उत्पादन को बढ़ावा देना और देश में उन्नत जैव-ऊर्जा परियोजनाओं का विस्तार करना है।

बुधवार को भोपा रोड स्थित पलासा होटल एंड रिसॉर्ट में कंपनी के पदाधिकारियों ने पत्रकारों से वार्ता कर नई कंपनी की स्थापना, तकनीकी



विशेषताओं और भविष्य की योजनाओं की जानकारी साझा की। इस दौरान जैविक कच्चे माल के बेहतर उपयोग, पानी की खपत कम करने वाली तकनीक और विभिन्न प्रकार की जैविक सामग्रियों से स्वच्छ ईंधन तैयार करने की संभावनाओं पर चर्चा की गई। कंपनी ने भारत में आधुनिक जैव-ऊर्जा तकनीक के उपयोग को व्यापक बनाने और हरित ऊर्जा उत्पादन को प्रोत्साहित करने की प्रतिबद्धता जताई।

फिनलैंड और भारत के तकनीकी सहयोग से आगे बढ़ेगा बायो-सीएनजी क्षेत्र

कार्यक्रम में किरीट प्रजापति ने बताया कि यह पहल फिनलैंड की आर्किप्लग और भारत की उज्जाला बायो एनर्जी सॉल्यूशंस के सहयोग से आगे बढ़ाई जा रही है। इसका मुख्य उद्देश्य एडवांस ड्राई तकनीक के माध्यम से बायो-सीएनजी उत्पादन को प्रोत्साहित करना और भारत में इस क्षेत्र से जुड़ी परियोजनाओं का विस्तार करना है। उन्होंने कहा कि उन्नत जैव-ऊर्जा तकनीक भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। जैविक संसाधनों का बेहतर उपयोग करके स्वच्छ ईंधन के उत्पादन की संभावनाओं को बढ़ाया जा सकता है। नई कंपनी के माध्यम से इसी तकनीक को भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप आगे बढ़ाने और अधिक परियोजनाओं के विकास की दिशा में काम किया जाएगा।

डॉ. आलोक अग्रवाल ने बताया कि ऊर्जा के पारंपरिक स्रोतों पर निर्भरता कम करने के प्रयासों के बीच जैविक कचरे से ईंधन तैयार करने वाली तकनीक का महत्व लगातार बढ़ रहा है। कृषि अवशेषों, खाद्य अपशिष्ट और अन्य उपयुक्त जैविक सामग्रियों का इस्तेमाल करके ऊर्जा उत्पादन की संभावनाएं विकसित की जा सकती हैं। उन्होंने बायो-सीएनजी क्षेत्र के विकास के लिए एडवांस्ड मल्टी-फीड तकनीक की आवश्यकता पर जोर दिया।

अवैध पटाखों का बड़ा जखीरा पकड़ा, 22 लाख रुपये के 507 किलो पटाखों के साथ एक गिरफ्तार

नई मंडी की मुनीम कॉलोनी में मकान के भूतल पर रखा था पटाखों का भंडार, मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने मारा छापा, विस्फोटक अधिनियम समेत संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। दीपावली से पहले मुजफ्फरनगर में अवैध पटाखों के भंडारण और बिक्री के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। नई मंडी थाना पुलिस ने मुनीम कॉलोनी में छापा मारकर एक मकान के भूतल से विभिन्न कंपनियों के करीब 507 किलोग्राम पटाखे बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, बरामद पटाखों की अनुमानित कीमत करीब 22 लाख रुपये है। इस मामले में दक्षिणी भोपा रोड निवासी पराग सिंघल को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और विस्फोटक अधिनियम की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, जनपद में अवैध रूप से पटाखों के भंडारण और बिक्री पर रोक लगाने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देश पर अभियान



चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक नगर अमृत जैन के निर्देशन, क्षेत्राधिकारी नई मंडी राजू कुमार साव के पर्यवेक्षण और थाना प्रभारी निरीक्षक आनंद देव मिश्र के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई।

मुखबिर की सूचना पर मकान में छापा

पुलिस की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, 20 अक्टूबर 2026 को थाना नई मंडी पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि मुनीम कॉलोनी में ठाकुर द्वारा मंदिर के पास स्थित एक मकान में पटाखे बिक्री के लिए रखे गए हैं। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की और बताए गए स्थान पर पहुंचकर मकान के भूतल की तलाशी ली। तलाशी के दौरान पुलिस को वहां अलग-अलग मार्का के पटाखों का बड़ा भंडार मिला। पुलिस ने कुल 507 किलोग्राम पटाखे बरामद कर अपने कब्जे में ले लिए। इनकी अनुमानित कीमत करीब 22 लाख रुपये बताई गई है। बरामदगी के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और मामले में अभियोग पंजीकृत किया। दीपावली के मद्देनजर पटाखों की मांग बढ़ने के साथ ही इनके भंडारण और बिक्री को लेकर सुरक्षा के सवाल भी महत्वपूर्ण हो जाते हैं। पटाखों का बड़ी मात्रा में भंडारण आग लगने या विस्फोट जैसी घटना की स्थिति में आसपास के लोगों और संपत्ति के लिए खतरा पैदा कर सकता है। इसी वजह से पटाखों के भंडारण और बिक्री के लिए निर्धारित नियमों तथा आवश्यक अनुमति का पालन करना जरूरी है। नई मंडी क्षेत्र में एक मकान के भूतल से इतनी बड़ी मात्रा में पटाखे मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस की ओर से जारी प्रेस नोट में बरामद पटाखों की मात्रा और अनुमानित कीमत का उल्लेख किया गया है। हालांकि, पटाखे कहां से लाए गए थे, उनकी बिक्री कहां की जानी थी और भंडारण के लिए कोई वैध अनुमति थी या नहीं, इन बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है।

पराग सिंघल के खिलाफ मुकदमा दर्ज

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी की पहचान पराग सिंघल पुत्र अमित सिंघल, निवासी दक्षिणी भोपा रोड, थाना नई मंडी, मुजफ्फरनगर के रूप में की है।

संपादकीय

सड़क पर सावधानी से ही टलेंगे हादसे

सड़क खाली थी। ट्रैफिक सामान्य था। फोन स्क्रीन पर सिर्फ एक नोटिफिकेशन चमका। ड्राइवर ने सोचा बस एक सेकेंड में देख लेता हूं। उसका अंगूठा स्क्रीन तक पहुंचा। पलभर को नजर सामने से हटी। ठीक उसी समय सामने चल रही गाड़ी ने अचानक ब्रेक लगाया। ब्रेक पेडल दबाने और उससे पहले जरूरी फैसला लेने के बीच जो कुछ सेकेंड का फासला रहा, बस उन्हीं पलों में नरेश की जिंदगी की दिशा बदल गई। एक घंटे बाद जब उसे होश आया, वह ट्रॉमा सेंटर में था।

सड़क हादसे अकसर किसी बहुत बड़ी गलती से नहीं होते, कई बार इनकी वजह बस एक सेकेंड को सामने से ध्यान हटना भर होता है। कभी बज रहे मोबाइल फोन को उठाने की वजह से, कभी मैसेज पढ़ने के लालच से या कभी नोटिफिकेशन देखने की उत्सुकता के चलते, बड़ा से बड़ा एक्सीडेंट हो जाता है। असली समस्या उस क्षण हमारा ध्यान सड़क से हट जाना है। वाहन चलाते समय मोबाइल की तरफ ध्यान देनेभर की कोशिश कई बार जानलेवा होती है। हालांकि भारत में आज कितने ट्रॉमा सेंटर हैं, उसकी कोई राष्ट्रीय सूची उपलब्ध नहीं है। लेकिन जहां तक नेशनल प्रोग्राम फॉर प्रिवेंशन एंड मैनेजमेंट ऑफ ट्रॉमा एंड बर्न इंजरीज के तहत दिसंबर 2024 में 163 ट्रॉमा सेंटर चल रहे थे, जबकि 2026 के अंत तक इन्हें बढ़ाकर 196 किये जाने का लक्ष्य है।

ट्रॉमा सेंटर कोई अलग अस्पताल नहीं होता, इसकी स्थापना के पीछे मूल अवधारणा 'घायल व्यक्ति को शुरुआत से लेकर ऑपरेशन, विशेषज्ञ उपचार और रिहैबिलिटेशन' तक एक संगठित और लगातार चलने वाली ट्रॉमा केयर उपलब्ध कराना है। साल 2019-20 में हेल्थ मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम (एचएमआईएस) के आंकड़ों के मुताबिक लगभग 97.9 लाख लोगों का ट्रॉमा रजिस्ट्रेशन हुआ था। हालांकि यह सभी ट्रॉमा सेंटरों के मरीज नहीं बल्कि रिपोर्ट किये गये मामले थे। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि हर साल कितने बड़े पैमाने पर दुर्घटनाओं के शिकार लोग ट्रॉमा सेंटर पहुंचते हैं।

ट्रॉमा का मतलब केवल सड़क दुर्घटनाओं के शिकार लोगों को मेडिकल सुविधाएं उपलब्ध करानाभर नहीं है। बल्कि कार्यस्थलों में होने वाली दुर्घटनाओं, आग के शिकार लोगों तथा हिंसा आदि में शिकार लोगों को तुरंत इलाज उपलब्ध कराना है। स्वास्थ्य मंत्रालय की मानें तो देश में हर साल 10 फीसदी से ज्यादा मौतें लोगों के दुर्घटनाओं के शिकार होने से होती हैं। इनमें सबसे ज्यादा होने वाली सड़क दुर्घटनाएं हैं। सिर्फ फोन उठाना ही नहीं, गाड़ी चलाते समय अचानक झपकी आ जाना, अचानक आगे चल रही गाड़ी रुक जाना या गलत दिशा में मुड़ जाना आदि सड़क दुर्घटनाओं के अनेक कारण होते हैं।

सौ करोड़ से अधिक लोगों तक सामाजिक सुरक्षा फिर भी करोड़ों श्रमिकों के लिए कवच अधूरा

'गिग और प्लेटफार्म अर्थव्यवस्था' ने रोजगार के नए अवसर जरूर पैदा किए हैं, लेकिन यहां भी स्थायी आय, स्वास्थ्य बीमा, दुर्घटना सुरक्षा और पेंशन का ढांचा अभी कमजोर है। ठेका और आउटसोर्सिंग की बढ़ती प्रवृत्ति ने नौकरी की स्थिरता को और प्रभावित किया है। भारत सामाजिक सुरक्षा पर सकल घरेलू उत्पाद का करीब पांच फीसद खर्च करता है, जबकि वैश्विक औसत इससे कहीं अधिक है। सीमित सार्वजनिक व्यय का असर योजनाओं की पहुंच और गुणवत्ता दोनों पर पड़ता है। बढ़ती जीवन प्रत्याशा के बीच वरिष्ठ नागरिकों की आर्थिक निर्भरता भी बढ़ रही है। डिजिटल विभाजन, दस्तावेजी जटिलता और विभागों के बीच समन्वय की कमी के कारण ई-श्रम जैसे पोर्टल के बावजूद अनेक पात्र लोग योजनाओं से पूरी तरह नहीं जुड़ पा रहे हैं। इस परिदृश्य में संगठित क्षेत्र के लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन की वेतन सीमा बढ़ाना महत्त्वपूर्ण कदम है। 17 सितंबर 2026 से अनिवार्य सामाजिक सुरक्षा के लिए मासिक वेतन सीमा 15,000 से बढ़ाकर 25,000 रुपए किए जाने से बड़ी संख्या में नए कर्मचारी ईपीएफओ के दायरे में आएंगे। सितंबर 2014 के बाद यह सीमा में पहला बड़ा संशोधन है। दरअसल, कई राज्यों में कुशल और अर्धकुशल श्रमिकों का वेतन पहले ही 15,000 रुपए से ऊपर पहुंच चुका था।

(जयंतीलाल भंडारी)

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आइएलओ) की 2026 की रिपोर्ट के अनुसार भारत में सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़कर सौ करोड़ से अधिक नागरिकों तक पहुंच गया है और उन्हें किसी न किसी रूप में इसका लाभ मिल रहा है, लेकिन आम आदमी और असंगठित क्षेत्र के विशाल श्रमबल के लिए यह कवच अभी पर्याप्त मजबूत नहीं है। सामाजिक सुरक्षा का अर्थ केवल किसी योजना में पंजीकरण नहीं, बल्कि बीमारी, बेरोजगारी, वृद्धावस्था, दुर्घटना और आय में अचानक आई कमी के समय सम्मानजनक जीवन की गारंटी भी है। इस कसौटी पर भारत को अभी लंबी दूरी तय करनी है।

देश में सार्वजनिक स्वास्थ्य पर खर्च सकल घरेलू उत्पाद का करीब 1.9 फीसद है। नतीजतन, गंभीर बीमारी का इलाज परिवारों की बचत पर भारी पड़ता है और कई बार उन्हें कर्ज लेना पड़ता है। वृद्धावस्था और विधवा पेंशन जैसी नकद सहायता की राशि भी बढ़ती महंगाई के मुकाबले अपर्याप्त है। दूसरी ओर, श्रमबल का बड़ा हिस्सा असंगठित क्षेत्र में है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण 2025 के मुताबिक, देश में करीब 61.6 करोड़ का श्रमबल है, जिसमें लगभग 87 फीसद हिस्सा असंगठित क्षेत्र से जुड़ा है। दैनिक वेतनभोगी, निर्माण श्रमिक, घरेलू कामगार, रेहड़ी-पटरी वाले और छोटे कारोबार से जुड़े लोगों के सामने रोजगार की अनिश्चितता के साथ पेंशन, भविष्य निधि और बीमा जैसी दीर्घकालिक सुरक्षा का अभाव है।ऽऽ

'गिग और प्लेटफार्म अर्थव्यवस्था' ने रोजगार के नए अवसर जरूर पैदा किए हैं, लेकिन यहां भी स्थायी आय, स्वास्थ्य बीमा, दुर्घटना सुरक्षा और पेंशन का ढांचा अभी कमजोर है। ठेका और आउटसोर्सिंग की बढ़ती प्रवृत्ति ने नौकरी की स्थिरता को और प्रभावित किया है। भारत सामाजिक सुरक्षा पर सकल घरेलू उत्पाद का करीब पांच फीसद खर्च करता है, जबकि वैश्विक औसत इससे कहीं अधिक है। सीमित सार्वजनिक व्यय का असर योजनाओं की पहुंच और गुणवत्ता दोनों पर पड़ता है। बढ़ती जीवन प्रत्याशा के बीच वरिष्ठ नागरिकों की आर्थिक निर्भरता भी बढ़ रही है। डिजिटल विभाजन, दस्तावेजी जटिलता और विभागों के बीच समन्वय की कमी के कारण ई-श्रम जैसे पोर्टल के बावजूद अनेक पात्र लोग योजनाओं से पूरी तरह नहीं जुड़ पा रहे हैं।

इस परिदृश्य में संगठित क्षेत्र के लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन की वेतन सीमा बढ़ाना महत्त्वपूर्ण कदम है। 17 सितंबर 2026 से अनिवार्य सामाजिक सुरक्षा के लिए मासिक वेतन सीमा 15,000 से बढ़ाकर 25,000 रुपए किए जाने से बड़ी संख्या में नए कर्मचारी ईपीएफओ के दायरे में आएंगे। सितंबर 2014 के बाद यह सीमा में पहला बड़ा संशोधन है। दरअसल, कई राज्यों में कुशल और अर्धकुशल श्रमिकों का वेतन पहले ही 15,000 रुपए से ऊपर पहुंच चुका था। ऐसे में पुरानी सीमा के कारण अनेक कर्मचारी औपचारिक सामाजिक सुरक्षा से बाहर रह जाते थे।



नई सीमा से करीब 51 लाख नए कर्मचारियों के अनिवार्य ईपीएफओ के दायरे में आने की उम्मीद है। इसका लाभ केवल भविष्य निधि में बचत तक सीमित नहीं है। कर्मचारी का अंशदान, नियोक्ता का योगदान और पेंशन तथा बीमा से जुड़े प्रावधान मिलकर एक व्यापक सुरक्षा तंत्र बनाते हैं। ईपीएफ में नियमित योगदान से सेवानिवृत्ति के लिए चक्रवृद्धि ब्याज वाला कोष तैयार होता है। कर्मचारी पेंशन योजना के तहत मिलने वाला लाभ वृद्धावस्था में आय का आधार बन सकता है, जबकि कर्मचारी जमा-संबद्ध बीमा योजना परिवार को कर्मचारी की असामयिक मृत्यु की स्थिति में आर्थिक सहारा देती है।

हालांकि, इस बदलाव के कुछ तात्कालिक असर भी हैं। पंद्रह हजार से पच्चीस हजार रुपए के वेतन वर्ग में आने वाले कर्मचारियों की हाथ में मिलने वाली आय पीएफ कटौती बढ़ने से कुछ कम हो सकती है। दूसरी ओर, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों तथा कपड़ा, खुदरा और लॉजिस्टिक्स जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों पर नियोक्ताओं का खर्च बढ़ेगा। सरकार पर भी पेंशन संबंधी दायित्व बढ़ सकते हैं। फिर भी श्रमिकों की आर्थिक सुरक्षा मजबूत होने और घरेलू बचत में वृद्धि से इसके व्यापक आर्थिक लाभ हो सकते हैं। ईपीएफओ के बढ़े हुए कोष का निवेश सरकारी प्रतिभूतियों और विकास से जुड़े साधनों में होने से अर्थव्यवस्था को दीर्घकालिक पूंजी भी मिलती है।

इसके अलावा, अटल पेंशन योजना, पीएम-किसान, पीएम-पोषण और 70 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों के लिए आयुष्मान वय वंदना योजना जैसी पहल भी सुरक्षा कवच को विस्तार देती हैं। मगर योजनाओं की संख्या बढ़ाना ही पर्याप्त नहीं। असली चुनौती यह है कि जरूरतमंद व्यक्ति तक सही समय पर सही लाभ पहुंचे। इसके लिए ई-श्रम पोर्टल को सामाजिक सुरक्षा की एकीकृत खिड़की बनाना उपयोगी होगा, जहां पेंशन, बीमा और स्वास्थ्य जैसी योजनाओं की जानकारी तथा आवेदन की सुविधा एक जगह मिले। संयुक्त सेवा केंद्र और पंचायतों के जरिए आसान पंजीकरण की व्यवस्था होनी चाहिए। स्थानीय भाषाओं में प्रचार, श्रव्य-दृश्य सामग्री और जनजागरूकता अभियान चलाने होंगे। कागजी कार्रवाई न्यूनतम कर सीधे लाभ अंतरण को प्रभावी बनाना होगा। प्रवासी श्रमिकों के लिए ऐसी सामाजिक सुरक्षा जरूरी है, जो राज्य बदलने पर भी बाधित न हो।

यह भी जरूरी है कि सामाजिक सुरक्षा नीतियों में महिलाओं, वृद्धों, दिव्यांगों और मौसमी श्रमिकों की अलग जरूरतों को समझा जाए। महिला श्रमिकों के लिए मातृत्व लाभ, सुरक्षित कार्यस्थल और आय सुरक्षा के प्रावधान मजबूत हों। निर्माण श्रमिकों के कल्याण कोषों का उपयोग पारदर्शी बनाया जाए और पंजीकरण तथा लाभ लेने की प्रक्रिया सरल हो। छोटे शहरों और गांवों में बैंकिंग, इंटरनेट और पहचान संबंधी अड़चनों को दूर किए बिना डिजिटल व्यवस्था पूरी तरह कारगर नहीं हो सकती। सामाजिक सुरक्षा के आंकड़ों का नियमित सामाजिक अंकेक्षण भी होना चाहिए, ताकि यह पता चले कि योजनाओं का लाभ वास्तव में किस वर्ग तक पहुंच रहा है और कौन अब भी छूट गया है। यही असली परीक्षा है।

असंगठित श्रमिकों के लिए योगदान आधारित पेंशन, स्वास्थ्य बीमा और दुर्घटना सुरक्षा का लचीला स्वरूप बनाना समय की जरूरत है। नीति आयोग ने भी गिग अर्थव्यवस्था के विस्तार के बीच सामाजिक सुरक्षा के नए ढांचे की आवश्यकता रेखांकित की है। अगस्त 2021 में शुरू ई-श्रम पोर्टल पर अगस्त 2026 तक 31.89 करोड़ से अधिक श्रमिक पंजीकृत हो चुके हैं। अब प्राथमिकता पंजीकरण से आगे बढ़कर वास्तविक लाभ पहुंचाने की होनी चाहिए।

विकसित भारत का लक्ष्य केवल ऊंची जीडीपी या बड़े निवेश से हासिल नहीं होगा। उसकी असली कसौटी यह होगी कि बीमारी, दुर्घटना, बेरोजगारी और वृद्धावस्था जैसी परिस्थितियों में कोई नागरिक आर्थिक असुरक्षा के कारण सम्मानजनक जीवन से वंचित न हो। इसलिए संगठित क्षेत्र के सुधारों के साथ असंगठित और गिग श्रमिकों तक सामाजिक सुरक्षा संहिता का प्रभावी क्रियान्वयन जरूरी है। निजी क्षेत्र की पेंशन योजनाओं को आकर्षक बनाना, सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यय बढ़ाना और सामाजिक पेंशन को महंगाई से जोड़ना भी उतना ही आवश्यक है। सामाजिक सुरक्षा खर्च को बोझ नहीं, उत्पादक निवेश मानना होगा। तभी विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेगा।

'बचपन की पगडंडी पर खिला गुलमेंहदी का फूल'

देवेन्द्र नागपाल

कुछ फूल सिर्फ फूल नहीं होते वे अपने भीतर हमारा पूरा बचपन सँजोए रखते हैं। गुलमेंहदी भी मेरे लिए ऐसा ही एक फूल है जिसे देखते ही मन झाबुआ के उन पुराने दिनों में लौट जाता है जब खुशियों के लिए न बहुत कुछ चाहिए था, न बहुत दूर जाना पड़ता था।झाबुआ का सरकारी क्वार्टर... घर के बाहर थोड़ी-सी खुली जगह और दरवाजे के दोनों ओर बनी छोटी-छोटी क्यारियाँ। कोई फेंसिंग नहीं, कोई साज-सज्जा नहीं बस ईंटें लगाकर पापा ने क्यारियाँ बना दी थीं। पहली ही क्यारी में गुलमेंहदी का एक पौधा लगा था। खूब घना, हरा-भरा, शाखाओं से भरा हुआ। और उसकी शाखाओं पर खिलते थे ढेरों गुलाबी फूल जो आते-जाते हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच लेते थे।

उन दिनों यह भी कम आश्चर्य की बात नहीं थी कि घर के बाहर खिले इतने सुंदर फूलों को कोई तोड़ता नहीं था। वे अपनी जगह खिले रहते और अपनी पूरी सुंदरता बिखेरते रहते।जब भी फुर्सत मिलती मैं पापा की आरामकुर्सी उठाकर वहीं बैठ जाती। लेकिन सच कहूँ तो मेरी दिलचस्पी फूलों से कहीं ज्यादा उस जादू में थी जो उनके मुरझाने के बाद शुरू होता था।फूल झर जाते तो उनकी जगह बीज बनने लगते। बीजों के चारों ओर एक मखमली-सा खोल बनता जो धीरे-धीरे बड़ा होता जाता। फिर एक दिन वह अपनी पूरी तैयारी के साथ पक जाता। बस उसे हल्के से छूने भर की देर होती और वह फटाक से फट पड़ता! उसका आकार कुछ इल्लड़ जैसा हो जाता और बीज फर्र से नीचे बिखर जाते।

मेरे लिए यह किसी अजूबे से कम नहीं था। प्रकृति का अपना छोटा-सा जादू!

मैं कॉलोनी के बच्चों को बुला-बुलाकर यह चमत्कार दिखाती। फिर सबको उस खोल को छूकर फोड़ने में ऐसा मजा आने लगा कि पूछिए मत! मम्मी बार-बार डांट लगाती 'अरे, क्यों तोड़ रहे हो सब? अगले बरस बोने के लिए बीज इकट्ठे करने हैं!'

लेकिन बच्चों की टोली भला कहाँ मानने वाली थी! उस उम्र में अगले बरस की चिंता से कहीं ज्यादा रोमांचक था अपनी आँखों के सामने बीजों को इस तरह बिखरते देखना।

फिर वक्त अपनी रफ्तार से आगे बढ़ता गया। घर छूटा, हॉस्टल आया, नौकरी आई, फिर अपनी गृहस्थी। अपने घर में बगीचा बनाया। तरह-तरह के पौधे लगाए, नए-नए फूलों से नाता जोड़ा। लेकिन इस सबके बीच बचपन का वह गुलमेंहदी का पौधा जाने कहाँ खो गया। न किसी नर्सरी में दिखा न कहीं और नजर आया। जैसे बचपन के साथ ही वह भी कहीं पीछे छूट गया हो।

फिर करीब एक बरस पहले एक यात्रा के दौरान कहीं रास्ते में एक छोटे-से मंदिर के पास रुकना हुआ। मंदिर में गुलमेंहदी का पौधा देखा तो मन कैसा खिल उठा बता नहीं सकती! जैसे बरसों बाद कोई बिछड़ा हुआ अपना मिल गया हो।

मैं देर तक उसे निहारती रही। फूल देखे, पत्तियाँ देखीं और फिर मेरी निगाह ढूँढ़ने लगी उन बीजों के खोल को। शायद कहीं कोई पक गया हो, शायद आज फिर वही बचपन वाला जादू देखने को मिल जाए! लेकिन सारे खोल अभी कच्चे थे।

मंदिर के पुजारी की पत्नी मुझे देर से देख रही थीं। आखिर पूछ ही बैठीं, 'इसके बीज चाहिए क्या?'

मेरे मुँह से तुरंत निकला- 'हाँ!'

वे घर के भीतर गईं और एक प्लास्टिक की थैली में कुछ बीज लाकर मेरे हाथों में रख दिए। मैंने उन्हें बड़े जतन से अपने पर्स में रख लिया। फिर रोजमर्रा की आपाधापी में भूल गई कि मेरे पर्स में बचपन की एक छोटी-सी सौगात रखी है।

दो-चार महीने बाद जब वे बीज नजर आए तो पर्स से निकालकर अलमारी में रख दिए। मन में था कि किसी दिन गमले में डाल दूँगी। लेकिन वह 'किसी दिन' आता ही नहीं था। आलस और टालमटोल के बीच बीज वहीं पड़े रहे।

इस बार दिवाली की सफाई करते हुए अचानक वे फिर हाथ लग गए। सोचा बीजों को एक बरस होने को आया है। अब तक तो शायद इनकी उम्र ही निकल गई होगी। फिर भी जाने क्या सोचकर यूँ ही एक गमले की मिट्टी में डाल दिए और फिर उन्हें देखना तक भूल गई।

कोई दस दिन बाद अचानक निगाह उस गमले पर पड़ी। अरे! यह क्या? मिट्टी में तो नन्हे-नन्हे, अनजाने-से पौधे भर आए थे। मैंने पास जाकर देखा और फिर मन जैसे खुशी से उछल पड़ा। अरे, ये तो गुलमेंहदी है!

एक बरस तक अलमारी में पड़े रहे बीज अंकुरित होने का अपना धर्म नहीं भूले थे। उन्हें बस थोड़ी-सी मिट्टी मिली और वे जाग उठे। लगा समय ने जिसे मुझसे छीन लिया था, उसी ने उसे एक दिन लौटाने का रास्ता भी बना दिया।

फिर तो उन नन्हे पौधों की देखभाल में कोई कोताही नहीं बरती। रोज उन्हें देखना, उनकी बढ़त पर नजर रखना, पत्तियों को फैलते देखना और मन ही मन फूलों के आने का इंतजार करना मेरे जीवन का हिस्सा बन गया। बचपन की एक अधूरी कहानी फिर से लिखी जा रही थी।

इन दिनों मेरे गुलमेंहदी के पौधे फूलों से भर रहे हैं। सुर्ख लाल, मखमली पंखुड़ियों वाले फूल! ऐसा रंग कि बस देखते रहिए। उनकी सुंदरता को शब्दों में बाँधना मुश्किल है। और सच तो यह है कि इन फूलों को देखते हुए मैं सिर्फ इन्हें नहीं देखती। इनके पीछे झाबुआ का वह सरकारी क्वार्टर है, ईंटों से बनी वे छोटी-सी क्यारियाँ हैं, पापा की आरामकुर्सी है, मम्मी की डाँट है और बच्चों की वह टोली है जो एक मखमली खोल के फटने का इंतजार किया करती थी।कितनी अजीब बात है न! जीवन में कितने ही फूल खिलते हैं, कितने ही बगीचे बनते हैं, कितने ही नए पौधे हमारे अपने हो जाते हैं। लेकिन मन के किसी कोने में कुछ फूल हमेशा वैसे ही खिले रहते हैं जैसे हमने उन्हें पहली बार देखा था। और कभी-कभी बरसों बाद वही फूल किसी अनजान मंदिर के आँगन में मिल जाते हैं। कोई अनजान-सी स्त्री मुट्ठी भर बीज हमारे हाथों में रख देती है। हम उन्हें भूल जाते हैं लेकिन वे हमें नहीं भूलते। वे मिट्टी में पड़ने का इंतजार करते हैं।

अपनेपन से संजोए रिश्ते ही हैं खुशहाल परिवार की बुनियाद

हमारे देश में रिश्तों का एक विशेष सांस्कृतिक मूल्य है। यहां परिवार और समुदाय को व्यक्तिगत जीवन से अधिक महत्व दिया जाता है। 'मैं' से अधिक 'हम' की भावना समाज को जोड़कर रखती है। यही कारण है कि भारतीय संस्कृति में बड़े-बुजुर्गों का सम्मान, पारिवारिक संबंधों की मर्यादा और पड़ोसियों से अपनापन सामाजिक ताने-बाने को मजबूत बनाए रखते हैं। आधुनिक जीवनशैली, व्यस्तता और व्यक्तिगत स्वार्थ ने रिश्तों को अक्सर पीछे धकेल दिया है। आज बहुत से लोग अपने कैरियर, आर्थिक प्रगति और व्यक्तिगत लक्ष्यों में इतने व्यस्त हैं कि परिवार और दोस्तों के लिए समय निकालना कठिन हो गया है।

संदीप कुमार

रिश्तों को तवज्जो देना सामाजिक जीवन की मूलभूत सच्चाई है। इंसान एक सामाजिक प्राणी है, और उसकी संपूर्णता तभी संभव है जब वह अपने पारिवारिक, सामाजिक और मानवीय रिश्तों को समझे, संजोए और उनका सम्मान करे। इस कथन का गहरा अर्थ यह है, कि समाज में व्यक्ति की पहचान केवल उसके कार्यों, पद या धन से नहीं, बल्कि उसके व्यवहार और संबंधों से निर्धारित होती है।

हमारे देश में रिश्तों का एक विशेष सांस्कृतिक मूल्य है। यहां परिवार और समुदाय को व्यक्तिगत जीवन से अधिक महत्व दिया जाता है। 'मैं' से अधिक 'हम' की भावना समाज को जोड़कर रखती है। यही कारण है कि भारतीय संस्कृति में बड़े-बुजुर्गों का सम्मान, पारिवारिक संबंधों की मर्यादा और पड़ोसियों से अपनापन सामाजिक ताने-बाने को मजबूत बनाए रखते हैं। आधुनिक जीवनशैली, व्यस्तता और व्यक्तिगत स्वार्थ ने रिश्तों को अक्सर पीछे धकेल दिया है। आज बहुत से लोग अपने कैरियर, आर्थिक प्रगति और व्यक्तिगत लक्ष्यों में इतने व्यस्त हैं कि परिवार और दोस्तों के लिए समय निकालना कठिन हो गया है। इससे धीरे-धीरे संवाद की कमी, गलतफहमियां और भावनात्मक दूरी बढ़ती जा रही है।

जब मनुष्य जन्म लेता है, तब से ही वह रिश्तों के जाल में प्रवेश कर जाता है। मां-बाप, भाई-बहन, गुरु, मित्र, पड़ोसी, सहकर्मी आदि। इन सभी से उसका व्यवहार और जुड़ाव उसकी सामाजिक स्थिति को तय करता है। यदि व्यक्ति अपने रिश्तों को महत्व नहीं देता, तो धीरे-धीरे वह अकेला पड़ने लगता है। समाज में उसकी कोई भावनात्मक स्वीकार्यता नहीं रह जाती। इसलिए कहा गया है कि सामाजिक जीवन की नींव आपसी संबंधों पर टिकी होती है, जिनसे समाज में सामंजस्य और सह-अस्तित्व की भावना बनी रहती है।

रिश्ते केवल जन्म से नहीं बनते, उन्हें बनाए रखने के लिए परस्पर समझ, संवेदना और संवाद की आवश्यकता होती है। रिश्तों को निभाने की कला में तीन मुख्य तत्व होते हैं। पहला है संवाद जो सच्चे रिश्ते खुले और ईमानदार संवाद पर टिके होते हैं। बात न करने या मनमुटाव को दबाने से दूरियां बढ़ती हैं। दूसरा है संवेदनशीलता जिसमें दूसरों की भावनाओं का सम्मान करने से रिश्ते गहरे होते हैं। छोटी-छोटी तकलीफों को समझना और समय पर सहानुभूति दिखाना रिश्तों की मजबूती का चिन्ह है। तीसरा है 'विश्वास और त्याग' यानी हर संबंध में थोड़ा-बहुत त्याग और विश्वास जरूरी होता है। स्वार्थ से ऊपर उठकर जब व्यक्ति दूसरों की भलाई सोचता है, तभी उसका रिश्ता दीर्घकाल तक स्वस्थ बना रहता है।



रिश्तों को नजरअंदाज करने का परिणाम केवल व्यक्तिगत नहीं रहता, बल्कि यह पूरे समाज पर असर डालता है। जैसे-जैसे पारिवारिक मूल्य कमजोर होते हैं, समाज में असंवेदनशीलता, तनाव और एकाकीपन बढ़ता है। बुजुर्गों की उपेक्षा, तलाक या पारिवारिक विवाद जैसी समस्याएं इसी असंतुलन की उपज हैं। अतः समाज को स्वस्थ बनाए रखने के लिए जरूरी है कि प्रत्येक व्यक्ति अपने रिश्तों के प्रति सजग रहे और उन्हें निभाने की जिम्मेदारी समझे।

समाज में व्यक्ति की स्वीकृति उसके व्यवहार से निर्धारित होती है। जो व्यक्ति दूसरों की परवाह नहीं करता, केवल स्वयं के हित के लिए जीता है, वह सामाजिक दृष्टि से 'अलग-थलग' पड़ जाता है। समाज ऐसे लोगों को स्वीकार नहीं करता जो केवल लाभ और स्वार्थ के आधार पर संबंध बनाएं। समाज में बने रहने का अर्थ है कि व्यक्ति दूसरों के साथ भावनात्मक और नैतिक रूप से जुड़ा रहे। यह जुड़ाव केवल औपचारिक न होकर वास्तविक होना चाहिए। दूसरों के सुख-दुख में सहभागी होना, साझा जिम्मेदारियों को निभाना और परस्पर सम्मान रखना सामाजिकता की असली पहचान है। जब हम रिश्तों को महत्व देते हैं, तो उनसे केवल प्रेम ही नहीं, बल्कि एक नैतिक शक्ति भी प्राप्त होती है, जो हमें अपनों और समाज दोनों से जोड़कर रखती है। रिश्ते मनुष्य के मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के लिए आधारशिला की तरह होते हैं। एक प्रेमपूर्ण परिवार और अच्छे मित्र तनाव को कम करते हैं, मनोबल बढ़ाते हैं और व्यक्ति को जीवन की कठिनाइयों से जूझने की शक्ति प्रदान करते हैं। यही कारण है कि जिन लोगों के सामाजिक संबंध अच्छे होते हैं, वे अधिक संतुलित, खुश और आत्मविश्वासी होते हैं। दूसरी ओर, जो लोग रिश्ते निभाने में असफल होते हैं, वे धीरे-धीरे समाज से कटने लगते हैं। यह मानसिक एकाकीपन उन्हें भीतर से कमजोर बना देता है। इसलिए रिश्तों को निभाना केवल सामाजिक कर्तव्य नहीं, बल्कि आत्मिक आवश्यकता भी है।

'रिश्तों को तवज्जो दीजिए, तभी आप समाज में बने रहेंगे' यह कथन यथार्थ जीवन का सार है। यह हमें याद दिलाता है कि व्यक्ति की पहचान केवल स्वयं से नहीं, बल्कि उसके संबंधों से बनती है। रिश्तों को सम्मान देने का अर्थ है प्रेम, सहयोग, और समझ का वातावरण बनाना। जब हर व्यक्ति इस जिम्मेदारी को समझेगा, तो परिवार मजबूत होंगे, समाज में सद्भाव बढ़ेगा और मनुष्यत्व सुरक्षित रहेगा।

जनता की समस्याओं के समाधान को लेकर पूर्व मंत्री सुरेश राणा ने थानाभवन फार्म हाउस पर सुनीं समस्याएं

पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष ने आमजन से किया सीधा संवाद, समस्याओं के त्वरित और प्रभावी निस्तारण पर दिया जोर

थानाभवन । जनता की समस्याओं को सुनना और उनके समाधान के लिए प्रभावी पहल करना जनसेवा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसी उद्देश्य के तहत थानाभवन स्थित फार्म हाउस पर पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्री सुरेश राणा ने जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र से पहुंचे लोगों की समस्याएं सुनीं। कार्यक्रम में विभिन्न गांवों और कस्बों से आए लोगों ने अपनी शिकायतें एवं समस्याएं उनके समक्ष रखीं।

जनता दर्शन के दौरान लोगों ने विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं को उठाते हुए उनके समाधान की मांग की। श्री सुरेश राणा ने प्रत्येक व्यक्ति की बात को गंभीरता से सुना और समस्याओं की प्रकृति को समझते हुए उनके निस्तारण के लिए आवश्यक पहल करने पर जोर दिया। इस दौरान आमजन को अपनी बात रखने का अवसर मिला और



लोगों ने सीधे संवाद के माध्यम से अपनी समस्याओं से अवगत कराया।

जनसमस्याओं का समाधान ही जनसेवा की असली कसौटी

जनता दर्शन जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से जनप्रतिनिधियों और आमजन के बीच सीधा संवाद स्थापित होता है। इससे लोगों की समस्याओं को नजदीक से समझने और उनके समाधान की दिशा में आवश्यक कदम उठाने में मदद मिलती है। श्री सुरेश राणा ने जनसमस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उनके समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जनसेवा का उद्देश्य केवल लोगों की समस्याएं सुनना नहीं, बल्कि उनके समाधान के लिए गंभीरता से प्रयास करना भी है। आमजन की अपेक्षाओं पर खरा उतरना और उनकी समस्याओं के निस्तारण के लिए निरंतर प्रयास करना आवश्यक है।

आमजन से संवाद, समस्याओं के समाधान की पहल

थानाभवन स्थित फार्म हाउस पर आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम जनसंपर्क और जनसमस्याओं की सुनवाई का माध्यम बना। कार्यक्रम के जरिए क्षेत्रवासियों को अपनी बात रखने का अवसर मिला। जनता दर्शन के माध्यम से लोगों की समस्याओं को समझने और संबंधित विषयों पर आवश्यक पहल करने की दिशा में प्रयास किया गया।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेश राणा का यह कार्यक्रम क्षेत्र में जनसंपर्क और जनसंवाद की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा। जनता दर्शन का मूल उद्देश्य आमजन की आवाज सुनना, उनकी समस्याओं को प्राथमिकता देना और समाधान की दिशा में प्रभावी प्रयास करना रहा।

पांच साल से बस स्टैंड पर जलभराव, गंदे पानी के बीच से गुजरने को मजबूर ग्रामीण

हसनपुर लुहारी में जल निकासी की समस्या से जनजीवन प्रभावित, स्कूली बच्चों से लेकर दुकानदारों तक की बढ़ी परेशानी; शिकायतों के बावजूद समाधान

थानाभवन। क्षेत्र के गांव हसनपुर लुहारी के मुख्य बस स्टैंड पर पिछले करीब पांच साल से जलभराव की समस्या बनी हुई है। बस स्टैंड चौक पर जमा गंदा पानी ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। राहगीरों, स्कूली बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों और दुकानदारों को रोजाना इस समस्या से जूझना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों ने समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में प्रभावी कदम नहीं उठाए हैं। करीब 30 हजार की आबादी वाले गांव हसनपुर लुहारी के मुख्य बस स्टैंड के पास लगभग 15 बीघा का तालाब स्थित है। ग्रामीणों के मुताबिक तालाब के बड़े हिस्से पर अवैध कब्जा होने के कारण जल निकासी की समस्या गंभीर बनी हुई है। वहीं, तालाब के शेष हिस्से की भी कई वर्षों से सफाई नहीं कराई गई है। इसके अलावा पानी की निकासी के लिए उचित नाले की



व्यवस्था नहीं होने से बारिश और आसपास का पानी बस स्टैंड चौक पर जमा हो जाता है। धीरे-धीरे यही जलभराव अब ग्रामीणों के लिए बड़ी समस्या बन गया है। बस स्टैंड पर जलभराव के कारण सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों को उठानी पड़ रही है। स्कूल आने-जाने के दौरान बच्चों को गंदे पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ता है। दोपहिया वाहन चालकों के फिसलकर चोटिल होने का खतरा बना रहता है। वहीं, महिलाओं और बुजुर्गों को भी आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। जलभराव के कारण कभी भी कोई दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है।

दुकानदारों का कारोबार भी प्रभावित

बस स्टैंड पर जमा गंदे पानी और आसपास फैली गंदगी का असर स्थानीय व्यापार पर भी पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, जलभराव के चलते ग्राहक दुकानों तक पहुंचने से कतराते हैं, जिससे दुकानदारों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। लंबे समय से जमा पानी के कारण मच्छरों के पनपने और संक्रामक बीमारियां फैलने की आशंका भी बनी हुई है। इसके बावजूद समस्या का समाधान नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी है। ग्रामीण अजय, दीपक, रवि आदि ने संबंधित विभाग से गांव के तालाब की सफाई कराने, तालाब पर हुए कथित अवैध कब्जों की जांच कराकर नियमानुसार कार्रवाई करने तथा जल निकासी के लिए नाले का निर्माण कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है।

अधिकारियों ने नहीं उठाया फोन

इस संबंध में ग्राम सचिव ललित कुमार और एडीओ पंचायत दिनेश कुमार से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन दोनों अधिकारियों ने फोन नहीं उठाया।

सिविल बार संघ में डॉ. अमित कुमार जैन का जोरदार स्वागत, अधिवक्ताओं ने समर्थन का लिया संकल्प

मेरठ खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से विधान परिषद प्रत्याशी डॉ. अमित कुमार जैन ने अधिवक्ताओं से किया जनसंपर्क, प्रत्येक चैंबर में पहुंचकर मांगा समर्थन

मुजफ्फरनगर। मेरठ खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से विधान परिषद सदस्य के प्रत्याशी डॉ. अमित कुमार जैन बुधवार को मुजफ्फरनगर स्थित सिविल बार संघ पहुंचे। यहां उन्होंने अधिवक्ताओं से मुलाकात कर अपने पक्ष में समर्थन और मत देने की अपील की। इस दौरान सिविल बार संघ के पदाधिकारियों एवं वरिष्ठ अधिवक्ताओं सहित सैकड़ों अधिवक्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। डॉ. जैन ने बार संघ के विभिन्न चैंबरों में जाकर अधिवक्ताओं से व्यक्तिगत संपर्क किया और आगामी विधान परिषद चुनाव में सहयोग करने का अनुरोध किया।

इसके पश्चात सिविल बार संघ के सभागार में अधिवक्ताओं की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित वक्ताओं ने डॉ. अमित कुमार जैन के व्यक्तित्व एवं कार्यशैली पर अपने विचार रखते हुए उन्हें युवा, ऊर्जावान, ईमानदार और कर्मठ प्रत्याशी बताया। बैठक में



अधिवक्ताओं के बीच चुनाव को लेकर चर्चा हुई तथा डॉ. अमित कुमार जैन के समर्थन में अपनी बात रखी गई।

बैठक में सर्वसम्मति से उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रत्याशी डॉ. अमित कुमार जैन को समर्थन, सहयोग एवं मत देने का संकल्प लिया गया। इस दौरान अधिवक्ताओं ने उनके पक्ष में एकजुटता प्रदर्शित करते हुए चुनाव में सहयोग का भरोसा दिलाया।

डॉ. अमित कुमार जैन ने सिविल बार संघ के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने अधिवक्ताओं को आश्वस्त किया कि वह उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहेंगे तथा उनके सहयोग और विश्वास को हमेशा महत्व देंगे।

इस अवसर पर सिविल बार संघ के अध्यक्ष सुगंध जैन एडवोकेट, महासचिव सतेंद्र पाल एडवोकेट, वरिष्ठ अधिवक्ता तेग बहादुर सैनी, सुनील गर्ग, देवेंद्र कौशिक, रोहित त्यागी, पूर्व अध्यक्ष मनोज शर्मा, सुधीर गुप्ता, पूर्व महासचिव राजसिंह रावत, राधेश्याम गर्ग, संजीव गर्ग, पूर्व अध्यक्ष सुनील मित्तल, पूर्व अध्यक्ष अनिल दीक्षित, सुखदेव मित्तल, संजय शर्मा, रामवीर सिंह पूर्व प्रधान सहित सैकड़ों अधिवक्ता मौजूद रहे।

रसीदगढ़ में बदमाशों की वारदात से पीड़ित परिवार से मिले राज्यमंत्री जसवंत सैनी

महिला के कानों से कुंडल खींचने और युवक पर रॉड से हमला करने के मामले में पुलिस अधिकारियों से ली जानकारी, जल्द खुलासे के दिए निर्देश

थानाभवन। क्षेत्र के गांव रसीदगढ़ में घर में घुसकर महिला के कानों से कुंडल खींचने और युवक के सिर पर लोहे की रॉड से हमला कर घायल करने की घटना को लेकर बुधवार को प्रदेश के संसदीय कार्य एवं औद्योगिक विकास राज्यमंत्री जसवंत सैनी पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे। राज्यमंत्री ने अपने रिश्तेदार योगेश सैनी के घर पहुंचकर परिजनों से वारदात की जानकारी ली और घटना पर चिंता जताते हुए पुलिस अधिकारियों को जल्द से जल्द मामले का खुलासा करने के निर्देश दिए।

राज्यमंत्री जसवंत सैनी के गांव रसीदगढ़ पहुंचने की सूचना पर शामली के एएसपी सुमित शुक्ला, थानाभवन क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी निरीक्षक बिजेंद्र सिंह रावत और एसओजी प्रभारी राहुल सिसोदिया पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे।



पुलिस अधिकारियों ने पीड़ित परिवार से बातचीत कर घटना के संबंध में जानकारी जुटाई। इस दौरान एएसपी सुमित शुक्ला ने राज्यमंत्री और पीड़ित परिजनों को आश्वस्त किया कि घटना के खुलासे के लिए पुलिस गंभीरता से प्रयास कर रही है और जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

मध्यरात्रि में घर में घुसे थे बदमाश

जानकारी के अनुसार, 18 और 19 अक्टूबर की मध्यरात्रि गांव रसीदगढ़ में अज्ञात बदमाश एक घर में घुस गए थे। घर में सो रही महिला खुशी के कानों से बदमाशों ने कुंडल खींच लिए, जिससे उनका एक कान फट गया और वह घायल हो गईं। घटना के दौरान शोर मचाने पर बदमाशों ने गोली मारने की धमकी दी और मौके से फरार हो गए।

आरोप है कि फरार होने से पहले बदमाशों ने योगेश सैनी के सिर पर लोहे की रॉड से वार कर उन्हें घायल कर दिया। अचानक हुई इस वारदात से परिवार में दहशत फैल गई। घटना की जानकारी मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच-पड़ताल की।

पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शुरू की जांच

घटना के संबंध में योगेश सैनी की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी थी। बुधवार को राज्यमंत्री जसवंत सैनी ने अपने रिश्ते में मामा के लड़के योगेश सैनी और अन्य परिजनों से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से मामले में अब तक की गई कार्रवाई के बारे में भी जानकारी प्राप्त की और जल्द खुलासे पर जोर दिया।

थाना पुलिस और एसओजी टीम कर रही जांच

शामली के एएसपी सुमित शुक्ला ने बताया कि घटना के खुलासे के लिए थाना स्तर की पुलिस और एसओजी टीम को लगाया गया है। पुलिस विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पुलिस जल्द ही घटना का खुलासा करने का प्रयास करेगी।

राज्यमंत्री के दौरे के बाद पुलिस की जांच और कार्रवाई पर पीड़ित परिवार की उम्मीदें टिकी हैं। ग्रामीणों को भी उम्मीद है कि पुलिस जल्द आरोपियों तक पहुंचेगी और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

वैश्य सभा मुजफ्फरनगर ने पूर्व राज्यमंत्री महेश बंसल का किया स्वागत एवं अभिनंदन

एसडी मार्केट में महाराजा अग्रसेन की आरती कर लिया आशीर्वाद, समाज में एकता, भाईचारे और सहयोग की भावना मजबूत करने पर दिया जोर

मुजफ्फरनगर। वैश्य सभा मुजफ्फरनगर की ओर से एसडी मार्केट में उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्यमंत्री महेश बंसल का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में वैश्य सभा के अध्यक्ष प्रमोद मित्तल ने महेश बंसल का स्वागत करते हुए उनका सम्मान किया। इस अवसर पर समाज के गणमान्य लोगों की उपस्थिति में सौहार्दपूर्ण वातावरण में कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान पूर्व राज्यमंत्री महेश बंसल ने अपने आराध्य एवं पूर्वज महाराजा अग्रसेन महाराज की आरती कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने महाराजा अग्रसेन के आदर्शों और सिद्धांतों को स्मरण करते हुए समाज के लोगों से उनके बताए मार्ग पर चलने का



आह्वान किया। उन्होंने समाज में एकता, आपसी भाईचारे और सहयोग की भावना को मजबूत बनाने के महत्व पर बल दिया।

महेश बंसल ने महाराजा अग्रसेन के आदर्शों को सामाजिक समरसता और परस्पर सहयोग की प्रेरणा का स्रोत बताते हुए कहा कि समाज की मजबूती के लिए आपसी एकजुटता और सकारात्मक सोच आवश्यक है। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने भी सामाजिक एकता और संगठन की मजबूती के महत्व पर अपने विचार रखे।

इस अवसर पर वैश्य सभा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील तायल, महामंत्री विश्वदीप बिट्टू, कोषाध्यक्ष संजीव गोयल, योगेश भगत, तरुण मित्तल, शिवकुमार सिंघल, मित्तरसैन बिजली वाले, अशोक गर्ग, श्यामजी और सुरेश गोयल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

मस्तगढ़ में पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेश राणा ने किया अमर द्वार और सीसी रोड का लोकार्पण

राज्य वित्त योजना के तहत सड़क और नाली निर्माण से ग्रामीणों को मिलेगी राहत, जलभराव और कीचड़ की समस्या से निजात मिलने की उम्मीद

थानाभवन। क्षेत्र के विकास कार्यों को आगे बढ़ाते हुए भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेश राणा ने बुधवार को गांव मस्तगढ़ का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने गांव में नवनिर्मित अमर द्वार का विधि-विधान के साथ लोकार्पण कर उसे जनता को समर्पित किया। इसके साथ ही उन्होंने क्षेत्र पंचायत थानाभवन की ओर से राज्य वित्त योजना के अंतर्गत निर्मित सीसी सड़क और नाली निर्माण कार्य का भी लोकार्पण किया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों में उत्साह दिखाई दिया।

अमर द्वार बनेगा गांव की पहचान

गांव मस्तगढ़ में नवनिर्मित अमर द्वार के लोकार्पण के अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेश राणा ने इसे गांव के गौरव और आकर्षण से जुड़ा महत्वपूर्ण निर्माण बताया। ग्रामीणों को उम्मीद है कि यह द्वार गांव की पहचान को और मजबूत करेगा तथा गांव के प्रवेश मार्ग की सुंदरता में भी वृद्धि करेगा।

सीसी सड़क और नाली निर्माण से मिलेगी राहत

पूर्व मंत्री सुरेश राणा ने क्षेत्र पंचायत थानाभवन द्वारा राज्य वित्त योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 में स्वीकृत मुख्य संपर्क मार्ग पर सीसी सड़क एवं नाली निर्माण कार्य का भी लोकार्पण किया। सड़क और नाली का निर्माण होने से ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। वहीं, जल निकासी की व्यवस्था



बेहतर होने से सड़क पर पानी जमा होने और कीचड़ की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क और नाली जैसी बुनियादी सुविधाओं का सीधा संबंध आमजन की दैनिक जिंदगी से है। पक्की सड़क बनने से लोगों को आवागमन में सहूलियत मिलेगी, जबकि नाली निर्माण से पानी की निकासी में मदद मिलेगी। ग्रामीणों ने इन विकास कार्यों को गांव की जरूरतों से जुड़ा महत्वपूर्ण कदम बताया। ग्रामीणों ने जताया आभार कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि दीपक कोरी, थानाभवन गन्ना समिति के चेयरमैन राजेश राणा, ग्राम प्रधान नरेश त्यागी, जिला पंचायत सदस्य मोनू राणा, अश्वनी त्यागी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। ग्रामीणों ने अमर द्वार, सीसी सड़क और नाली निर्माण कार्य के लिए पूर्व मंत्री सुरेश राणा तथा क्षेत्र पंचायत का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान गांव के विकास और ग्रामीणों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने से जुड़े कार्यों को लेकर चर्चा रही। सड़क और नाली निर्माण पूरा होने से ग्रामीणों को दैनिक आवागमन में सुविधा मिलने तथा जलभराव की समस्या कम होने की उम्मीद है।

रंग संसार

पवन सिंह-खेसारी के गानों से परे है बिहार का ये लोकगीत, जट-जटिन डांस से है नाता; पति-पत्नी की तकरार करता है बयां

नई दिल्ली। बिहार के गाने सिर्फ पवन सिंह और खेसारी लाल यादव के गानों तक सीमित नहीं हैं। यहां पर कई लोकगीत भी



गाए जाते हैं, जो यहां की संस्कृति को दिखाते हैं। ऐसा ही एक लोकगीत है टिकवा जब जब मंगइली रे जटवा। ये लोकगीत बिहार के मशहूर लोक नृत्य जट-जटिन से जुड़ा है। इस नृत्य के जरिए पति-पत्नी के बीच के रिश्ते, उनकी नोक-झोंक और गरीबी के संघर्ष को दिखाया जाता है। इसी नृत्य के साथ ये खास गीत गाया जाता है। ये गीत इस नृत्य की जान माना जाता है। आइए जानें इस गीत में क्या कहा गया है और इस जट-जटिन गीत की खासियत क्या है। क्या कहता है ये गीत? ये गीत जट-जटिन नृत्य में पति-पत्नी के बीच की बातचीत को दिखाने के लिए गाया जाता है। इस गीत में पत्नी अपने पति से शिकायत करती है और पति उन शिकायतों का जवाब देता है। इस गीत में जटवा पति को कहा जा रहा है और जटिन पत्नी को। जटिन शिकायत करती है कि उसने बार-बार मांग टीके लाने के लिए कहा, लेकिन जट उसके लिए टीका नहीं लाया। उसकी बाली उम्र बिना मांग टीके के ली निकल गई, लेकिन जट ने उसकी ख्वाहिश पूरी नहीं की। इस शिकायत के जवाब में जट कहता है कि उसने टीका लाकर दिया तो था, फिर जटिन ने उसे पहना क्यों नहीं। उसने क्यों अपनी बाली उम्र के मायके की याद में बिता दिया और उसके दिए गए मांग टीके के पहना तक नहीं। इसके बाद जटिन इसी तरह बाकी दूसरे गहने, जैसे- नथिया, कंगन और पायल न लाने की शिकायत करती है। वह कहती है कि उसके बार-बार मांग करने के बाद भी जट उसके लिए ये गहने लेकर नहीं आया। जट इन शिकायतों के जवाब में हर बार यही कहता कि मैंने तो गहने लाकर दिए हैं, लेकिन जटिन ने कभी उन गहनों को पहना नहीं। इस गीत में पति-पत्नी के बीच की मीठी नोक-झोंक को बयां किया जाता है, जिसमें प्रेम के साथ-साथ उलाहना भी सुनने को मिलता है। पत्नी अपने पति से शिकायत करती है और पति उसकी शिकायतों का जवाब बहुत ही मीठे अंदाज में देता है।

राज कपाट

क्या और गिरेंगे हिंदुस्तान जिंक के शेयर? वेदांता समूह के स्टॉक पर MOFSL ने दी रेटिंग



नई दिल्ली। हिंदुस्तान जिंक के शेयरों ने द2 रिजल्ट के बाद बुधवार को 4 फीसदी की तेजी दिखाई लेकिन बाद में ढाई फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए। वेदांता ग्रुप की इस कंपनी ने अपने तिमाही मुनाफे में दोगुने से भी ज्यादा की बढ़ोतरी दर्ज की है। कंपनी को हायर मेटल प्राइस से काफी फायदा मिला है। साथ ही, उत्पादन बढ़ने और उप-उत्पादों से बेहतर कमाई होने के चलते कंपनी ने अपने सालाना जिंक उत्पादन लागत के अनुमान को भी कम कर दिया है। कंपनी ने दूसरी तिमाही के नतीजे 19 अक्टूबर को जारी किए थे। हिंदुस्तान जिंक के शेयरों में गिरावट और दूसरी तिमाही के नतीजों के बाद घरेलू ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल ने कंपनी के शेयरों पर अपनी राय और टारगेट प्राइस दिए हैं। ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओस्वाल ने हिंदुस्तान जिंक के लिए 'न्यूट्रल' रेटिंग बरकरार रखी है और इसके शेयर के लिए 600 रुपये का टारगेट तय किया है। ब्रोकरेज ने बताया कि कंपनी ने दूसरी तिमाही में मजबूत कमाई दर्ज की है। इसकी मुख्य वजह धातुओं की अनुकूल कीमतें, बेहतर ग्रेड/वॉल्यूम और बाय-प्रोडक्ट से मिलने वाला अधिक रेवेन्यू (NSR) रहा, जिससे उत्पादन लागत (CoP) को कम रखने में मदद मिली। इसके अलावा, इसमें कहा गया है कि कंपनी उत्पादन बढ़ाने, परिचालन दक्षता में सुधार करने और लागत पर सख्त नियंत्रण बनाए रखने पर ध्यान देना जारी रखेगी, जिससे मार्जिन को बनाए रखने में मदद मिलनी चाहिए। ब्रोकरेज ने कहा कि हाल ही में कंपनी की ओर से घोषित एक्सपेंशन प्लान हिंदुस्तान जिंक के उस लॉन्ग टर्म टारगेट के अनुरूप हैं, जिसमें कंपनी अपनी मौजूदा क्षमता को दोगुना करना और भविष्य की कमाई की संभावनाओं को बेहतर बनाना चाहती है।

दैनिक राशिफल गुरूवार 22 अक्टूबर 2026

मेष – लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ।

वृष – आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

मिथुन : अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेगी। प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। मेहमानों का आगमन होगा।

कर्क – अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी।

सिंह– अपने काम को प्राथमिकता से करें। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। अपने काम पर पैनी नजर रखे। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा।

कन्या – समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। दिमाग में निर्मूल तर्क पैदा होंगे। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ नरम रहेगा।

तुला – जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढडे़ में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन के लेन-देन में सतर्क रहें।

वृश्चिक – परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान है अतः वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें।

धनु – स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे।

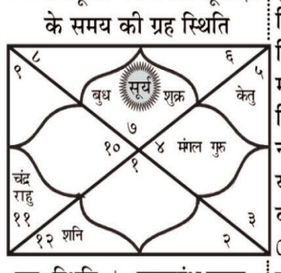
मकर – धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें।

कुंभ – सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं।

मीन – उत्साह में वृद्धि होगी। आलस्य का त्याग करें। नये आय के स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी।

दैनिक पंचांग

22 अक्टूबर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	तुला	05.40 बजे से
चंद्र	कुंभ में	वृश्चिक	07.59 ब.से
मंगल	कर्क में	धनु	10.15 बजे से
बुध	तुला में	मकर	12.20 बजे से
गुरु	कर्क में	कुंभ	14.06 बजे से
शुक्र	तुला में	मीन	15.39 बजे से
शनि	मीन में	मेष	17.10 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	18.50 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	20.48 बजे से
		कर्क	23.02 बजे से
		सिंह	01.18 बजे से
		कन्या	03.30 बजे से

राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक

गुरुवार 2026 वर्ष का 295 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास आश्विन **पक्ष** शुक्ल
तिथि एकादशी 14.49 बजे को समाप्त।
नक्षत्र शतभिषा 20.49 बजे को समाप्त।
योग वृद्धि 23.40 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 14.49 बजे तदनन्तर बव 02.49 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 11.3 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 10° 59'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872870
जूलियन दिन 2461335.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना जमादि उलावल **तारीख** 10
विशेष पापांकुशा एकादशी, पद्मनाभ द्वादशी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एसएसपी सूरज कुमार राय ने पुष्पचक्र अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

देशभर में एक साल के दौरान 154 पुलिसकर्मियों ने कर्तव्य निभाते हुए दी शहादत, उत्तर प्रदेश पुलिस के छह जवान भी शहीद,

मुजफ्फरनगर। कर्तव्य की राह पर चलते हुए देश और समाज की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले पुलिसकर्मियों को बुधवार को पुलिस स्मृति दिवस पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। रिजर्व पुलिस लाइन स्थित शहीद स्मारक पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के नेतृत्व में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने पुष्पचक्र एवं श्रद्धा सुमन अर्पित कर वीर शहीदों के अदम्य साहस, शौर्य और कर्तव्यनिष्ठा को नमन किया। इस अवसर पर शहीद पुलिसकर्मियों के बलिदान को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने और नागरिकों की सुरक्षा के लिए पूरी निष्ठा से कर्तव्यों का निर्वहन करने का संकल्प लिया गया। पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर देशभर में उन पुलिसकर्मियों को याद किया जाता है, जिन्होंने कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराधों पर अंकुश लगाने और नागरिकों की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। पुलिस विभाग के अनुसार, एक सितंबर 2025 से 31 अगस्त 2026 तक देशभर में 154 पुलिसकर्मी कर्तव्य निर्वहन के दौरान शहीद हुए। इनमें उत्तर प्रदेश पुलिस के छह जवान भी शामिल हैं।

एसएसपी सहित अधिकारियों ने शहीद स्मारक पर अर्पित किए पुष्पचक्र

रिजर्व पुलिस लाइन, मुजफ्फरनगर स्थित शहीद स्मारक पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में एसएसपी सूरज कुमार राय, एसपी सिटी अमृत जैन, एसपी ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक, एसपी अपराध इंदु सिद्धार्थ और एसपी यातायात अतुल कुमार सहित पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। सहायक पुलिस अधीक्षक एवं नगर क्षेत्राधिकारी सिद्धार्थ मिश्रा, समस्त क्षेत्राधिकारी, प्रतिसार निरीक्षक तथा अन्य पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।



सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने पुष्पचक्र एवं श्रद्धा सुमन अर्पित कर देश की सुरक्षा और जनसेवा में अपने प्राणों का बलिदान देने वाले पुलिसकर्मियों को याद किया। कार्यक्रम के दौरान शहीदों के अदम्य साहस, त्याग और कर्तव्य के प्रति समर्पण को पुलिस बल के प्रत्येक सदस्य के लिए प्रेरणास्रोत बताया गया।

154 पुलिसकर्मियों की शहादत को किया याद, यूपी के छह जवान शामिल

पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर बताया गया कि एक सितंबर 2025 से 31 अगस्त 2026 के बीच देशभर में 154 पुलिसकर्मियों ने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। इनमें उत्तर प्रदेश पुलिस के छह पुलिसकर्मी भी शामिल हैं, जिन्होंने अपने दायित्वों का पालन करते हुए वीरगति प्राप्त की। शहीद पुलिसकर्मियों का बलिदान इस बात का प्रतीक है कि पुलिसकर्मी विषम परिस्थितियों में भी नागरिकों की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए तत्पर रहते हैं। ड्यूटी के दौरान उन्हें अपराधियों से मुकाबले, आपात स्थितियों और अन्य जोखिमों का सामना करना पड़ता है। कई बार इन चुनौतियों का सामना करते हुए पुलिसकर्मी अपने प्राण तक न्योछावर कर देते हैं।

21 अक्टूबर 1959 की घटना से जुड़ा है पुलिस स्मृति दिवस

पुलिस स्मृति दिवस का इतिहास 21 अक्टूबर 1959 की उस घटना से जुड़ा है, जब लद्दाख के हॉट स्प्रिंग्स क्षेत्र में चीनी सैनिकों के साथ मुठभेड़ के दौरान केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 10 जवान शहीद हो गए थे। इन जवानों के सर्वोच्च बलिदान की स्मृति में प्रत्येक वर्ष 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस मनाया जाता है।

किसी ने एक पैर खोया, किसी के तीन पैर ही सहारा मुजफ्फरनगर में कबूतर और कुत्ते की अनोखी कहानी

पुलिस कंट्रोल रूम के सामने मनपसंद कार सर्विस पर बार-बार पहुंचते हैं दोनों बेजुबान जीव

मुजफ्फरनगर। जिंदगी की राह में मुश्किलें आएं तो आगे बढ़ना आसान नहीं होता, लेकिन शहर में दो बेजुबान जीव ऐसे हैं, जिनकी रोजमर्रा की जिंदगी लोगों को एक अलग नजरिए से सोचने पर मजबूर कर रही है। एक कबूतर, जो केवल एक पैर के सहारे अपना जीवन जी रहा है, और दूसरा कुत्ता, जो तीन पैरों के सहारे चलकर अपनी जरूरतें पूरी करता है। दोनों की शारीरिक स्थिति अलग है, लेकिन एक समान बात है– मुश्किलों के बावजूद जिंदगी का सिलसिला थमा नहीं है। शहर में पुलिस कंट्रोल रूम के सामने स्थित मनपसंद कार सर्विस पर इन दिनों इन दोनों का अक्सर आना-जाना लगा रहता है। दुकान पर मौजूद लोग इन्हें आते-जाते देखते हैं। कभी कबूतर वहां कुछ देर ठहरता है तो कभी कुत्ता अपने अंदाज में आसपास घूमता नजर आता है। दोनों का बार-बार एक ही जगह पहुंचना लोगों के लिए कौतूहल का विषय बन गया है। मनपसंद कार सर्विस के दुकानदार इमरान



अब्बासी बताते हैं कि कबूतर और कुत्ता काफी समय से दुकान पर आते रहते हैं। वे कुछ देर यहां रुकते हैं और फिर अपने रास्ते चले जाते हैं। किसी ने उन्हें नियमित रूप से आने के लिए बुलाया नहीं, फिर भी उनका बार-बार यहां पहुंचना अब आसपास के लोगों की नजरों में आ गया है। दुकान पर काम करने वाले और वहां आने वाले लोग इन दोनों जीवों को देखते हैं तो उनके मन में कई सवाल उठते हैं। आखिर वे इसी जगह क्यों आते हैं? क्या यहां उन्हें भोजन, सुरक्षा या सुकून मिलता है, या फिर यह केवल उनकी आदत बन गई है? इसकी कोई निश्चित वजह सामने नहीं आई है। लेकिन उनका लगातार दिखाई देना इस साधारण-सी जगह को एक अलग पहचान जरूर दे रहा है।

शरीर की कमी के बावजूद जारी है संघर्ष

कबूतर के एक पैर से जीवन बिताने और कुत्ते के तीन पैरों के सहारे चलने का दृश्य सहज ही ध्यान खींचता है। आमतौर पर इंसान और जानवर अपनी शारीरिक क्षमता के अनुसार जीवन जीते हैं, लेकिन जब कोई अंग काम न करे या उपलब्ध न हो, तो रोजमर्रा के काम भी चुनौती बन जाते हैं। इसके बावजूद कबूतर अपनी गतिविधियां जारी रखता है और कुत्ता भी अपने तरीके से इधर-उधर घूमता रहता है। दोनों की स्थिति देखकर यह समझ आता है कि जीव-जगत में परिस्थितियों के अनुरूप ढलने की क्षमता कितनी महत्वपूर्ण है।

संत रविदास बेगमपुरा सनातन संदेश यात्रा का शिव चौक पर गौरव स्वरूप ने किया स्वागत

हरिद्वार से काशी जा रही यात्रा में शामिल महामंडलेश्वर संत संदीप स्वामी रविदासाचार्य का गौरव स्वरूप ने किया अभिनंदन

मुजफ्फरनगर। संत शिरोमणि गुरु रविदास की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में निकाली जा रही संत रविदास बेगमपुरा सनातन संदेश यात्रा के मुजफ्फरनगर पहुंचने पर शिव चौक पर भव्य स्वागत किया गया। वरिष्ठ भाजपा नेता गौरव स्वरूप के नेतृत्व में शहर के गणमान्य नागरिकों और व्यापारियों ने यात्रा का स्वागत करते हुए महामंडलेश्वर संत संदीप स्वामी रविदासाचार्य का फूल-मालाओं से अभिनंदन किया। इस दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता गौरव स्वरूप द्वारा संत रविदास के विचारों, सनातन संस्कृति और सामाजिक समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया गया।

हरिद्वार से काशी तक निकाली जा रही यह यात्रा 18 अक्टूबर 2026 को प्रारंभ हुई थी। गुरु संत रविदास विश्व महापीठ के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर संत स्वामी संदीप खत्री रविदासाचार्य के नेतृत्व में यात्रा विभिन्न स्थानों से होते हुए आगे बढ़ रही है। मुजफ्फरनगर में स्वागत के दौरान श्रद्धालुओं और व्यापारिक संगठनों से जुड़े लोगों ने संतों का अभिनंदन किया।



इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता गौरव स्वरूप ने कहा कि संत रविदास ने अपने विचारों और वाणी के माध्यम से समाज को समानता, भाईचारे और आपसी सद्भाव का मार्ग दिखाया। उनका संदेश आज भी समाज के लिए प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि संत रविदास का ह्यमन चंगा तो कठौती में गंगा का विचार मन की पवित्रता और सच्ची आस्था का महत्व बताता है। उनकी शिक्षाएं समाज में व्याप्त भेदभाव को दूर करने और लोगों को एकता के सूत्र में बांधने की प्रेरणा देती हैं।

गौरव स्वरूप ने कहा कि संत रविदास की 650वीं जयंती के अवसर पर आयोजित बेगमपुरा सनातन संदेश यात्रा धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक समरसता का भी संदेश दे रही है। उन्होंने संत संदीप स्वामी रविदासाचार्य के मुजफ्फरनगर आगमन को सौभाग्य बताते हुए कहा कि संतों के विचारों से समाज को सकारात्मक दिशा मिलती है। उन्होंने सनातन संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने धर्म और संस्कृति के संरक्षण के साथ सामाजिक एकता को मजबूत बनाने का संदेश देते हुए कहा कि संतों की वाणी और उनके आदर्श समाज को सही दिशा दिखाते हैं। संत रविदास की शिक्षाएं सभी लोगों को समानता, सद्भाव और मानवता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं।

यात्रा का नेतृत्व कर रहे महामंडलेश्वर संत संदीप स्वामी रविदासाचार्य ने अपने आशीर्वचन में कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में हरिद्वार से बनारस तक सनातन संदेश यात्रा निकाली जा रही है।

एमएलसी चुनाव को लेकर मुजफ्फरनगर में प्रशासन अलर्ट, 23 अक्टूबर को होगा मतदान, माइक्रो आब्जर्वरों को डीएम ने दिए निष्पक्षता के निर्देश

22 अक्टूबर को सुबह 10 बजे विकास भवन से मतदान केंद्रों के लिए रवाना होंगी पोलिंग पार्टियां, मतदान शुरू होने से एक घंटा पहले केंद्र पर पहुंचना होगा माइक्रो आब्जर्वरों को

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के मेरठ खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के द्विवार्षिक चुनाव को निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। बुधवार को जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में निर्वाचन कार्यों में लगाए गए माइक्रो आब्जर्वरों (सूक्ष्म प्रेक्षकों) को प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान अधिकारियों को निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का पालन करने, मतदान प्रक्रिया पर नजर रखने और निर्धारित चेकलिस्ट को सही तरीके से भरने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने बताया कि सभी मतदान पार्टियां 22 अक्टूबर 2026 को पूर्वाह्न 10 बजे विकास भवन से अपने निर्धारित मतदान स्थलों के लिए रवाना होंगी। इसके बाद 23



अक्टूबर को मतदान संपन्न कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने में माइक्रो आब्जर्वरों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसलिए सभी प्रेक्षक अपने दायित्वों को पूरी गंभीरता, सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ निभाएं। जिलाधिकारी ने कहा कि निर्वाचन कार्य में लगाए गए सभी माइक्रो आब्जर्वर आयोग की ओर से जारी दिशा-निर्देशों को अच्छी तरह समझ लें। उन्हें जो जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं, उनका निर्वहन पूरी निष्पक्षता से किया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही या शिथिलता नहीं होनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि माइक्रो आब्जर्वरों को उपलब्ध कराई गई चेकलिस्ट को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार सही तरीके से भरा जाए। मतदान के दौरान होने वाली महत्वपूर्ण गतिविधियों पर नजर रखी जाए और आवश्यक बिंदुओं को निर्धारित प्रपत्र में नियमित रूप से दर्ज किया जाए, ताकि निर्वाचन प्रक्रिया की निगरानी प्रभावी ढंग से हो सके। जिलाधिकारी ने कहा कि माइक्रो आब्जर्वरों को मतदान शुरू होने से कम से कम एक घंटा पहले अपने निर्धारित मतदान केंद्र पर पहुंचना होगा। यदि किसी अपरिहार्य कारण से मतदान दिवस की सुबह समय पर पहुंचना संभव न हो, तो उन्हें मतदान से एक दिन पहले शाम को ही मतदान केंद्र पर पहुंच जाना चाहिए। मतदान केंद्र पर पहुंचने के बाद माइक्रो आब्जर्वर वहां की तैयारियों का आकलन करेंगे। मतदान दिवस के दौरान महत्वपूर्ण बिंदुओं और गतिविधियों को पूर्व मुद्रित प्रपत्र पर नियमित रूप से दर्ज करना होगा। इससे मतदान प्रक्रिया की निगरानी और निर्वाचन संबंधी निदेशों के अनुपालन का आकलन किया जा सकेगा। प्रशिक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि माइक्रो आब्जर्वरों का काम मतदान प्रक्रिया की निगरानी करना है। वे किसी भी परिस्थिति में पीठासीन अधिकारी या मतदान अधिकारी के रूप में कार्य नहीं करेंगे। उनकी जिम्मेदारी यह देखना है कि मतदान स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न हो रहा है या नहीं। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग के निदेशों का पालन करते हुए सभी माइक्रो आब्जर्वर अपनी भूमिका की सीमाओं को समझें और मतदान केंद्र पर होने वाली गतिविधियों का निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार निरीक्षण करें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी देश दीपक सिंह ने माइक्रो आब्जर्वरों को विस्तार से प्रशिक्षण दिया।

पीईटी परीक्षा में नकल और लापरवाही पर होगी कड़ी कार्रवाई, डीएम उमेश मिश्रा ने दिए सख्त निर्देश

मुजफ्फरनगर में 25 और 30 अक्टूबर तथा 1 नवंबर को तीन दिन होगी प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा, छह पालियों में कराई जाएगी परीक्षा; केंद्रों पर पुलिस बल, सीसीटीवी कैमरे और सघन तलाशी अनिवार्य

मुजफ्फरनगर। प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा (पीईटी)-2026 को निष्पक्ष, पारदर्शी, नकलविहीन और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने जिला पंचायत सभागार में सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापकों और कार्यदायी संस्था के अधिकारियों के साथ बैठक कर परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि परीक्षा की शुचिता से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा और ड्यूटी में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, सीसीटीवी कैमरों की क्रियाशीलता, परीक्षार्थियों की सघन तलाशी और आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में पूर्व में भी कई परीक्षाएं शांतिपूर्ण और निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराई गई हैं। इसी तरह प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा-2026 को भी पूरी जिम्मेदारी



और सतर्कता के साथ संपन्न कराया जाए। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा शुरू होने से पहले सभी तैयारियां पूरी कर ली जाएं और परीक्षा के दिन निर्धारित समय से पहले अपने-अपने केंद्रों पर पहुंचकर जिम्मेदारियों का निर्वहन करें। जिलाधिकारी ने बताया कि प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा-2026 का आयोजन 25 अक्टूबर, 30 अक्टूबर और 1 नवंबर 2026 को किया जाएगा। प्रत्येक परीक्षा तिथि पर दो पालियों में परीक्षा होगी। दोनों पालियों का समय निर्धारित किया गया है। परीक्षा का कार्यक्रम इस प्रकार रहेगा: - 25 अक्टूबर 2026, रविवार: प्रथम पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और द्वितीय पाली दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक। - 30 अक्टूबर 2026, शुक्रवार: प्रथम पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और द्वितीय पाली दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक। - 1 नवंबर 2026, रविवार: प्रथम पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और द्वितीय पाली दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक। इस प्रकार तीनों तिथियों पर कुल छह पालियों में परीक्षा आयोजित की जाएगी। प्रशासन ने परीक्षा से जुड़े सभी अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से व्यवस्थाएं पूरी करने के निर्देश दिए

व्यापारियों की सुरक्षा को लेकर पुलिस अलर्ट, एसपी क्राइम ने की बैठक, सीसीटीवी, चौकीदार और नकदी की सुरक्षा पर जोर

रिजर्व पुलिस लाइन में व्यापार मंडल के पदाधिकारियों के साथ हुई गोष्ठी, साइबर ठगी से बचाव के बताए तरीके, नकदी ले जाने से पहले पुलिस को सूचना देने की अपील

मुजफ्फरनगर। जिले में व्यापारियों की सुरक्षा मजबूत करने और बाजारों में आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने व्यापार मंडल के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बुधवार को रिजर्व पुलिस लाइन के सभागार में पुलिस अधीक्षक अपराध इंदु सिद्धार्थ की अध्यक्षता में आयोजित व्यापारी सुरक्षा गोष्ठी में व्यापारियों की समस्याएं सुनी गईं। बाजारों में सीसीटीवी कैमरे लगाने, रात्रि में रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था करने, सामूहिक रूप से सुरक्षा गार्ड रखने और नकदी के सुरक्षित परिवहन सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। इसके साथ ही व्यापारियों को बढ़ते साइबर अपराधों और ऑनलाइन ठगी से बचाव के उपाय भी बताए गए। 21 अक्टूबर को आयोजित इस गोष्ठी में व्यापार मंडल के पदाधिकारियों के अलावा नगर क्षेत्र के विभिन्न थानों के प्रभारी और उपनिरीक्षक, अग्निशमन विभाग के मुख्य अग्निशमन अधिकारी अनुराग कुमार, लोक निर्माण विभाग, विद्युत विभाग तथा यातायात पुलिस के अधिकारी भी मौजूद रहे। बैठक का उद्देश्य व्यापारियों और पुलिस के बीच समन्वय स्थापित कर सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाना और समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना रहा।

दुकानों पर लगाएं उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे

एसपी क्राइम इंदु सिद्धार्थ ने व्यापारियों से कहा कि पुलिस बाजारों में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार गश्त और चेकिंग कर रही है, लेकिन व्यापारियों को भी अपने प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहना जरूरी है। उन्होंने दुकानों, शोरूम और अन्य व्यावसायिक



प्रतिष्ठानों पर उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे लगाने की अपील की। उन्होंने कहा कि कैमरे केवल लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी दिशा भी ऐसी होनी चाहिए कि दुकान के प्रवेश द्वार, आसपास के रास्ते और महत्वपूर्ण स्थान स्पष्ट रूप से दिखाई दें। बाजारों में व्यापारियों को आपसी समन्वय से मुख्य मार्गों पर अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाने चाहिए, ताकि किसी संदिग्ध गतिविधि या आपराधिक घटना की स्थिति में पुलिस को जांच में मदद मिल सके।

रात में रोशनी और सामूहिक चौकीदार की व्यवस्था पर जोर

बैठक में बाजारों की रात्रिकालीन सुरक्षा को लेकर भी चर्चा हुई। एसपी क्राइम ने व्यापारियों को प्रतिष्ठानों और बाजारों में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अंधेरे वाले स्थानों पर रोशनी की व्यवस्था मजबूत की जाए, ताकि संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा सके।

इसके साथ ही व्यापारियों को बाजार स्तर पर सामूहिक रूप से सुरक्षा गार्ड या चौकीदार की व्यवस्था करने के लिए प्रेरित किया गया। उन्होंने कहा कि व्यापारियों के बीच बेहतर तालमेल और सतर्कता से चोरी सहित अन्य आपराधिक घटनाओं की आशंका कम करने में मदद मिल सकती है।

नकदी ले जाने से पहले पुलिस को दें सूचना

व्यापारियों की सुरक्षा के मद्देनजर नकदी के परिवहन को लेकर भी विशेष दिशा-निर्देश दिए गए। एसपी क्राइम ने अपील की कि बड़ी मात्रा में नकदी एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने से पहले स्थानीय पुलिस को सूचना दें।

मुजफ्फरनगर में पूर्ति निरीक्षक आशीष श्रीवास्तव की तैनाती को लेकर विवाद, राशन डीलरों ने सदर तहसील में नियुक्ति का किया विरोध

भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों की निष्पक्ष जांच की मांग, 100 से अधिक राशन विक्रेताओं ने सामूहिक इस्तीफे की दी चेतावनी

मुजफ्फरनगर। जनपद में पूर्ति विभाग के एक अधिकारी की तैनाती को लेकर विवाद सामने आया है। तहसील खतौली क्षेत्र में नवनियुक्त पूर्ति निरीक्षक आशीष श्रीवास्तव को तहसील सदर क्षेत्र में तैनात नहीं किए जाने की मांग को लेकर उचित दर विक्रेताओं ने जिला पूर्ति अधिकारी को शिकायती प्रार्थना पत्र सौंपा है। शिकायतकर्ताओं ने अधिकारी पर भ्रष्टाचार और राशन वितरण से जुड़े मामलों में अनियमितताओं के गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि उनके विरुद्ध जिला और मंडल स्तर पर जांच लंबित है। ऐसे में उन्हें तहसील सदर क्षेत्र में तैनात किया जाना जांच की निष्पक्षता को प्रभावित कर सकता है।

शिकायत पत्र में उचित दर विक्रेताओं ने आरोप लगाया है कि आशीष श्रीवास्तव की पूर्व में तहसील सदर और नगर क्षेत्र स्थित एरिया ऑफिस में तैनाती के दौरान राशन विक्रेताओं को परेशान किया जाता था। आरोप है कि दुकानों की जांच के नाम पर विक्रेताओं पर दबाव बनाया जाता था और उनसे कथित तौर पर हर महीने तीन से चार हजार रुपये की मांग की जाती थी। शिकायतकर्ताओं ने यह भी आरोप लगाया है कि आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/7 के तहत



एफआईआर दर्ज कराने और दुकान निरस्त कराने की धमकी देकर कथित रूप से 50 हजार से एक लाख रुपये तक की रिश्वत मांगी जाती थी। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और संबंधित अधिकारी का पक्ष शिकायत पत्र में उपलब्ध नहीं है।

शिकायतकर्ताओं के अनुसार, अधिकारी के विरुद्ध पहले भी जिला प्रशासन और उच्च अधिकारियों के समक्ष शिकायतें प्रस्तुत की गई थीं। प्रार्थना पत्र में दावा किया गया है कि कुछ उचित दर विक्रेताओं ने सक्षम अधिकारियों के समक्ष शपथ पत्र सहित अपने बयान भी दर्ज कराए हैं। शिकायत पत्र के मुताबिक, इन मामलों की जांच सहारनपुर मंडल के संयुक्त आयुक्त खाद्य के समक्ष चल रही है।

शिकायत में आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों और गर्भवती महिलाओं को वितरित किए जाने वाले खाद्यान्न को लेकर भी आरोप लगाए गए हैं। विक्रेताओं का कहना है कि संबंधित खाद्यान्न की आपूर्ति में कथित रूप से एक या दो बोरी कम लेने के लिए दबाव बनाया जाता था और ऐसा नहीं करने पर परिणाम भुगतने की धमकी दी जाती थी। शिकायतकर्ताओं ने इस संबंध में भी निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग की है। शिकायत पत्र में उल्लेख किया गया है कि पूर्व में सामने आई शिकायतों के बाद जिलाधिकारी के अनुमोदन से आशीष श्रीवास्तव का स्थानांतरण तहसील सदर से खतौली क्षेत्र में किया गया था। इसके बाद शिकायतकर्ताओं के अनुसार उनका स्थानांतरण नगर क्षेत्र और एरिया ऑफिस में हो गया। वहां तैनाती के दौरान भी उचित दर विक्रेताओं ने मुख्यमंत्री सहित उच्च अधिकारियों को शिकायतें भेजीं। प्रार्थना पत्र में दावा किया गया है कि इसके बाद उन्हें नगर क्षेत्र और एरिया ऑफिस से हटाकर जिला मुख्यालय से संबद्ध किया गया था।

मिशन शक्ति अभियान: भोपा थाने की कमान बालिकाओं के हाथ, एक दिन के लिए बनीं थाना प्रभारी

महिला सुरक्षा और अधिकारों के प्रति किया जागरूक, पुलिस की कार्यप्रणाली समझी; 1090, 112, 1098 और 181 हेल्पलाइन की दी गई जानकारी

मुजफ्फरनगर। महिलाओं और बालिकाओं में सुरक्षा की भावना मजबूत करने तथा उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बनाने के उद्देश्य से मिशन शक्ति अभियान फेज-6.0 के अंतर्गत भोपा थाने में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को एक दिन के लिए थाना प्रभारी और मिशन शक्ति प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई। इस पहल के माध्यम से बालिकाओं को पुलिस की कार्यप्रणाली समझाने के साथ महिला सशक्तिकरण, कानून-व्यवस्था और अपराधों की रोकथाम के प्रति जागरूक किया गया। थाना भोपा पुलिस की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में बालिकाओं को बताया गया कि पुलिस किस प्रकार कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराधों पर अंकुश लगाने और महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कार्य करती है। उन्हें जिम्मेदारी, अनुशासन और सामाजिक जागरूकता के महत्व से भी परिचित कराया गया। पुलिस की कार्यप्रणाली को करीब से समझा

कार्यक्रम के दौरान एक दिन के लिए थाना प्रभारी और मिशन शक्ति प्रभारी नियुक्त की गईं बालिकाओं को थाने की कार्यप्रणाली तथा पुलिस की विभिन्न जिम्मेदारियों के बारे में जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि किसी शिकायत या परेशानी की स्थिति में पुलिस से किस प्रकार संपर्क किया जा सकता है और समय पर सूचना देना क्यों जरूरी है। बालिकाओं को कानून-व्यवस्था बनाए रखने, महिलाओं की सुरक्षा और अपराधों की रोकथाम में पुलिस की भूमिका से अवगत कराया गया।



इस पहल का उद्देश्य बालिकाओं में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ उन्हें यह समझाना था कि वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहकर समाज में सकारात्मक बदलाव की भागीदार बन सकती हैं।

छेड़छाड़ और घरेलू हिंसा के खिलाफ जागरूकता

जागरूकता कार्यक्रम में महिलाओं और बालिकाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों, घरेलू हिंसा, छेड़छाड़ तथा साइबर अपराधों से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। बालिकाओं को किसी भी प्रकार के उत्पीड़न या परेशानी को छिपाने के बजाय परिजनों, भरोसेमंद लोगों अथवा पुलिस को इसकी जानकारी देने के लिए प्रेरित किया गया। उन्हें बताया गया कि किसी भी गलत व्यवहार को नजरअंदाज करने के बजाय समय रहते सहायता लेना जरूरी है। साथ ही साइबर अपराधों के प्रति सतर्क रहने, अनजान लोगों के साथ निजी जानकारी साझा नहीं करने और इंटरनेट का सुरक्षित तरीके से इस्तेमाल करने के बारे में भी जागरूक किया गया।

जरूरत पड़ने पर इन हेल्पलाइन नंबरों पर करें संपर्क

कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं को महिला सुरक्षा और आपातकालीन सहायता के लिए विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। पुलिस ने बताया कि किसी भी परेशानी या उत्पीड़न की स्थिति में इन सेवाओं के माध्यम से सहायता प्राप्त की जा सकती है जिसमें 1090: महिला पावर लाइन, 112: आपातकालीन पुलिस सहायता, 1098: चाइल्ड हेल्पलाइन, 181: महिला हेल्पलाइन है। बालिकाओं को प्रेरित किया गया कि वे किसी भी प्रकार की समस्या होने पर भय या संकोच किए बिना सहायता मांगें और अपने अधिकारों के प्रति सजग रहें।

सड़क निर्माण पर पूर्व प्रधान के आरोपों के बाद विधायक मिथलेश पाल बोलीं— विधायक निधि से नहीं, लोक निर्माण विभाग करा रहा निर्माण

कासमपुर खोला से संभलहेड़ा पंचमुखी महादेव मंदिर तक सड़क में घटिया सामग्री लगाने का पूर्व प्रधान कपिल कुमार ने लगाया था आरोप, विधायक ने काम रुकवाकर डीपीआर के अनुसार निर्माण कराने के दिए निर्देश

मुजफ्फरनगर। मीरापुर क्षेत्र में कासमपुर खोला से संभलहेड़ा स्थित प्रसिद्ध पंचमुखी महादेव मंदिर तक बनाई जा रही सड़क के निर्माण को लेकर उठे सवालों के बीच विधायक मिथलेश पाल ने अपना पक्ष स्पष्ट किया है। पूर्व प्रधान कपिल कुमार ने सड़क निर्माण में कथित अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए इसे विधायक निधि से बनवाया जा रहा कार्य बताया था। अब विधायक मिथलेश पाल ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर स्पष्ट किया है कि संबंधित सड़क का निर्माण विधायक निधि से नहीं, बल्कि उनके प्रस्ताव पर लोक निर्माण विभाग (प्रांतीय खंड), मुजफ्फरनगर द्वारा कराया जा रहा है। करीब 3.5 किलोमीटर लंबे इस मार्ग के निर्माण में घटिया सामग्री इस्तेमाल किए जाने के आरोप सामने आए थे। पूर्व प्रधान कपिल कुमार ने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठाए थे। उनका आरोप था कि सड़क निर्माण में निर्धारित मानकों की अनदेखी करते हुए पत्थरों के साथ मिट्टी और रजवाहे से निकाली गई पांग यानी गाद का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने निर्माण कार्य में गड़बड़ी की आशंका जताते हुए कार्रवाई की मांग की थी।

विधायक मिथलेश पाल ने 21 अक्टूबर को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि उन्हें भी सड़क निर्माण में घटिया सामग्री इस्तेमाल किए जाने की सूचना मिली थी। इसके बाद उन्होंने ग्रामीणों से निर्माण कार्य रुकवाने के लिए कहा। स्वास्थ्य खराब होने के कारण वह स्वयं मौके पर नहीं पहुंच सकीं, जिसके बाद उनके प्रतिनिधि अमरनाथ सिंह ने निर्माण में इस्तेमाल की जा रही प्रारंभिक सामग्री का निरीक्षण किया। विधायक के अनुसार, निरीक्षण में प्रथम दृष्टया घटिया सामग्री के इस्तेमाल की बात सामने आई।



इसके बाद उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता को संबंधित मार्ग पर निर्माण कार्य रोककर निर्धारित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) के अनुसार काम कराने के निर्देश दिए।

विधायक निधि से निर्माण होने की बात का किया खंडन

विधायक मिथलेश पाल ने अपने स्पष्टीकरण में विशेष रूप से कहा कि सड़क का निर्माण विधायक निधि से नहीं कराया जा रहा है। यह मार्ग उनके प्रस्ताव पर लोक निर्माण विभाग (प्रांतीय खंड), मुजफ्फरनगर बनवा रहा है। इस तरह उन्होंने सड़क निर्माण को लेकर पूर्व प्रधान द्वारा उठाए गए सवालों के बीच योजना और निर्माण कराने वाले विभाग की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

2.31 करोड़ की लागत और निर्माण में देरी का भी मुद्दा

ग्रामीणों के अनुसार, करीब 2.31 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली इस सड़क को पूरा करने की समयसीमा अप्रैल 2026 निर्धारित थी, लेकिन निर्माण कार्य अब तक पूरा नहीं हुआ है। ग्रामीणों ने निर्माण में देरी और गुणवत्ता को लेकर नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि सड़क का निर्माण निर्धारित मानकों के अनुरूप कराया जाना चाहिए, ताकि मार्ग लंबे समय तक टिकाऊ रहे। अब इस मामले में लोक निर्माण विभाग की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है। विभागीय स्तर पर निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की जांच और डीपीआर के अनुसार काम सुनिश्चित किए जाने के बाद ही आरोपों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

मुजफ्फरनगर में नशेड़ी कार चालक ने बाइक सवारों को रौंदा:बाइक सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल, अस्पताल में भर्ती

राहगीरों ने घायलों को पहुंचाया अस्पताल, पुलिस के कब्जे में कार व चालक

मुजफ़्फ़रनगर। थाना नगर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत मुजफ़्फ़रनगर-सहारनपुर स्टेट हाइवे-59 पर रोहाना टोल प्लाजा के समीप एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। यहाँ एक नशे में धुत कार चालक ने तेजी व लापरवाही से वाहन चलाते हुए बाइक सवार दो लोगों को जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

अनियंत्रित अर्टिगा कार ने मारी जोरदार टक्कर

घटनाक्रम के अनुसार, अनुज त्यागी नामक व्यक्ति अपनी अर्टिगा कार में सवार होकर मुजफ़्फ़रनगर से सहारनपुर की ओर जा रहा था। जैसे ही उसकी कार स्टेट हाईवे-59 स्थित रोहाना टोल प्लाजा के पास पहुँची, तभी चालक के प्रभाव (नशे) में होने के कारण कार अचानक अनियंत्रित हो गई। अनियंत्रित कार ने सामने से आ रही मोटरसाइकिल में जोरदार



टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवार दोनों लोग सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से चोटिल हो गए। राहगीरों की तत्परता से घायलों को पहुँचाया गया अस्पताल हादसे के वक्त मौके से गुजर रहे स्थानीय राहगीर कपिल कुमार ने बिना समय गंवाए घटना की जानकारी यूपी डायल-112 और स्थानीय पुलिस को दी। सूचना मिलते ही डायल-112 और नगर कोतवाली पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुँची। पुलिस ने राहगीरों की मदद से लहूलुहान अवस्था में पड़े दोनों घायलों को तत्काल एम्बुलेंस के माध्यम से उपचार हेतु जिला अस्पताल भिजवाया, जहाँ उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।

कार चालक हिरासत में, वाहन पुलिस कब्जे में

दुर्घटना के बाद मौके पर मौजूद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अर्टिगा कार को अपने कब्जे में ले लिया है। इसके साथ ही आरोपी कार चालक अनुज त्यागी को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस मामले की जाँच कर कानूनी कार्रवाई में जुट गई है।

मुजफ्फरनगर में शराब की दुकानों पर आबकारी विभाग का छापा-जैसा सघन निरीक्षण, ओवररेटिंग पकड़ने के लिए कराई गई गुप्त खरीदारी

पीओएस मशीन से शत-प्रतिशत बिक्री, स्टॉक रजिस्टर से मिलान और क्यूआर कोड की जांच; जिलाधिकारी और एसएसपी के निर्देशन में आबकारी अधिकारियों ने परखी दुकानों की व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरे चालू रखने के निर्देश

मुजफ्फरनगर। जिले में शराब की दुकानों पर निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत वसूलने, स्टॉक में गड़बड़ी और बिक्री में अनियमितताओं पर अंकुश लगाने के लिए आबकारी विभाग ने सघन निरीक्षण अभियान चलाया। जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिला आबकारी अधिकारी के साथ आबकारी निरीक्षकों ने विभिन्न मदिरा दुकानों की जांच कर बिक्री व्यवस्था, उपलब्ध स्टॉक और सुरक्षा इंतजामों को परखा। निरीक्षण के दौरान पीओएस मशीन से शत-प्रतिशत बिक्री सुनिश्चित करने, स्टॉक रजिस्टर का वास्तविक स्टॉक से मिलान करने और शराब निर्धारित मूल्य पर ही बेचे जाने की जांच के लिए गुप्त रूप से खरीदारी भी कराई गई। इसके अलावा दुकानों पर रखी बोतलों के क्यूआर कोड की विभागीय ऐप से जांच की गई और सीसीटीवी कैमरों को लगातार चालू रखने के निर्देश दिए गए।

निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली रोकने के लिए गुप्त खरीदारी

आबकारी विभाग की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, शासन स्तर से मिले निदेर्शों के क्रम में जिले में मदिरा दुकानों की जांच की गई। इस दौरान यह सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया कि ग्राहकों से शराब की निर्धारित कीमत से अधिक रकम न वसूली जाए। इसके लिए दुकानों पर गुप्त रूप से खरीदारी कराई गई, ताकि वास्तविक बिक्री प्रक्रिया और ग्राहकों से लिए जा रहे मूल्य की जानकारी प्राप्त की जा सके। इस व्यवस्था का उद्देश्य ओवररेटिंग की शिकायतों की जांच करना और निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली की स्थिति में कार्रवाई का आधार तैयार करना है।

पीओएस मशीन से ही करनी होगी शत-प्रतिशत बिक्री

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने दुकानों पर पीओएस मशीन के माध्यम से शराब की शत-प्रतिशत बिक्री सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बिक्री प्रक्रिया को व्यवस्थित रखने और प्रत्येक लेन-देन का रिकॉर्ड बनाए रखने के लिए यह व्यवस्था महत्वपूर्ण है। अधिकारियों ने दुकानदारों को निर्देशित किया कि बिक्री में निर्धारित प्रक्रिया का पालन किया जाए और किसी भी स्थिति में रिकॉर्ड से बाहर बिक्री न हो। पीओएस मशीन के रिकॉर्ड के माध्यम से बिक्री का विवरण जांचने में भी मदद मिलती है।



स्टॉक रजिस्टर और वास्तविक स्टॉक का किया मिलान

आबकारी निरीक्षकों ने दुकानों पर उपलब्ध शराब के स्टॉक का स्टॉक रजिस्टर में दर्ज विवरण से भौतिक सत्यापन किया। इसका उद्देश्य यह पता लगाना था कि रिकॉर्ड में दर्ज मात्रा और दुकान में वास्तव में उपलब्ध शराब के स्टॉक में कोई अंतर तो नहीं है। स्टॉक में गड़बड़ी या अभिलेखों में अनियमितता मिलने की स्थिति में विभागीय नियमों के अनुसार कार्रवाई की जा सकती है। इसी वजह से निरीक्षण के दौरान स्टॉक का मिलान अभियान का प्रमुख हिस्सा रहा।

बोतलों के क्यूआर कोड की भी जांच

दुकानों में रखे स्टॉक से अधिकारियों ने कुछ बोतलों का चयन कर उन पर लगे क्यूआर कोड को विभागीय ऐप के माध्यम से जांचा। इस प्रक्रिया के जरिए बोतलों पर उपलब्ध जानकारी का सत्यापन किया गया। क्यूआर कोड की जांच का उद्देश्य उत्पाद से संबंधित विवरण को परखना और शराब की बिक्री व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखना है। विभाग ने दुकानों पर उपलब्ध मदिरा की जांच के साथ रिकॉर्ड और पहचान संबंधी विवरणों पर भी ध्यान दिया।

सीसीटीवी कैमरे लगातार चालू रखने के निर्देश

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मदिरा दुकानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों को निरंतर क्रियाशील रखने के निर्देश दिए। कैमरों के चालू रहने से दुकानों की गतिविधियों पर निगरानी रखने और जरूरत पड़ने पर संबंधित घटनाओं की जांच करने में मदद मिलती है। आबकारी विभाग ने दुकानदारों को निदेर्शों का पालन करने और बिक्री से लेकर स्टॉक के रखरखाव तक सभी व्यवस्थाएं नियमानुसार संचालित करने को कहा।

जन शिकायत ऐप के जरिए कर सकते हैं शिकायत

जिला प्रशासन ने आम लोगों से भी अपील की है कि यदि किसी मदिरा दुकान पर निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली, बिक्री में अनियमितता या अन्य गड़बड़ी दिखाई देती है तो इसकी शिकायत संबंधित विभाग तक पहुंचाएं। इसके लिए जन शिकायत ऐप डाउनलोड करने का लिंक भी साझा किया गया है। आबकारी विभाग की इस कार्रवाई का उद्देश्य शराब की दुकानों पर निर्धारित मूल्य पर बिक्री सुनिश्चित करना, स्टॉक में पारदर्शिता बनाए रखना और नियमों का पालन कराना है। विभागीय निरीक्षण और शिकायतों के आधार पर अनियमितताओं की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है।

ऑल इंडिया बीएसएनएल डीओटी पेंशनर्स एसोसिएशन ने धूमधाम से मनाया 18वां स्थापना दिवस

पटेल नगर टेलीफोन एक्सचेंज परिसर में हुआ आयोजन, पेंशनर्स की समस्याओं और सुविधाओं पर हुई चर्चा

मुजफ्फरनगर। ऑल इंडिया बीएसएनएल डीओटी पेंशनर्स एसोसिएशन की ओर से पटेल नगर टेलीफोन एक्सचेंज परिसर में संगठन का 18वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बीएसएनएल पेंशनर्स ने भाग लिया। समारोह की शुरूआत ध्वजारोहण के साथ हुई। परिमंडल अध्यक्ष मोहम्मद इस्त्राइल, यूसी शर्मा और आरयू सिंह ने ध्वजारोहण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एनपी निगम ने की।

समारोह में विशिष्ट आमंत्रित अतिथि के रूप में संचार निगम पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन उत्तर प्रदेश पश्चिम के परिमंडलीय सचिव रामबीर सिंह उपस्थित रहे। उन्होंने पेंशनर्स साथियों को संबोधित करते हुए संगठन की मजबूती के लिए एकजुट रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पेंशनर्स के हितों और समस्याओं के समाधान के लिए आपसी सहयोग एवं संगठनात्मक एकता महत्वपूर्ण है।

कार्यक्रम के दौरान जिला सचिव आरयू सिंह, मोहम्मद इस्त्राइल और एसके त्यागी



ने संगठन की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने पेंशन रिवीजन, सीजीएचएस कार्ड तथा एमआरएस कार्ड से संबंधित सुविधाओं एवं समस्याओं पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने पेंशनर्स को उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी साझा करते हुए उनके हितों से जुड़े विषयों पर चर्चा की।

दिवंगत साथियों को दी श्रद्धांजलि

कार्यक्रम के दौरान पिछले कुछ महीनों में दिवंगत हुए संगठन के साथियों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस भावपूर्ण क्षण में उपस्थित पेंशनर्स ने दिवंगत साथियों को याद किया।

अंत में जिला सचिव आरयू सिंह ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों और अतिथियों का हृदय से आभार व्यक्त किया। इसके पश्चात सूक्ष्म जलपान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

इस अवसर पर आरयू सिंह, रामबीर सिंह, मोहम्मद इस्त्राइल, जनार्दन शर्मा, ओमकार शर्मा, देवेंद्र वर्मा, राजबीर सिंह, सत्यप्रकाश, जय किशन, एनपी निगम, रामशरण, रामबली, राधेश्याम सैनी, बोधराज, रमाकांत, मदनलाल, वीके शुक्ला, सतीश कुमार, मंजू शर्मा, डीएम शर्मा, आरपी शर्मा, वीके सैनी, रामावतार, नीरज शर्मा, देवेंद्र, आरडी रावत, रवींद्र कुकरेजा, अर्जुन पांडे, ऋषिपाल सहित बड़ी संख्या में पेंशनर्स उपस्थित रहे।

खतौली में भव्य कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ: 27 अक्टूबर तक बहेगी भक्ति की धारा

प्राचीन शिव मंदिर से प्रारंभ हुई कलश यात्रा में शामिल हुई सैकड़ों महिलाएं

खतौली (मुजफ़्फरनगर)। नगर में बुधवार को श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उल्लासपूर्ण वातावरण में भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। गन्ना समिति स्थित प्राचीन शिव मंदिर से प्रारंभ हुई इस भव्य कलश यात्रा में सैकड़ों महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। पीतांबरी और लाल वस्त्रों में सुसज्जित होकर सिर पर मंगल कलश धारण किए महिलाओं की उपस्थिति से संपूर्ण मार्ग भक्ति के रंगों में सराबोर हो गया। यह कलश यात्रा नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होकर गुजरती हुई स्वामी पालाचार्य धाम, विष्णुपुरी पहुंचकर धर्मसभा में परिवर्तित हुई।



जयकारों से गुंजायमान हुआ नगर, भक्तिमय हुआ माहौल

कलश यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं और नगरवासियों में अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला। 'जय श्री राम' और 'हर-हर महादेव' के धार्मिक जयकारों से पूरा नगर गूंज उठा। इस आयोजन का मुख्य ध्येय श्रीमद्भागवत कथा के पावन माध्यम से जन-जन को धार्मिक संस्कारों, सदाचार और आध्यात्मिक जीवन के प्रति प्रेरित करना है।

भागवत कथा दिखाती है भक्ति का मार्गः व्यास जी

कथा व्यास पंडित प्रवीण तिवारी ने धर्मप्रेमी बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में पधारकर श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण करने और पुण्य लाभ अर्जित करने का आह्वान किया। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि श्रीमद्भागवत कथा मनुष्य को भक्ति, उच्च संस्कार और सदाचार के मार्ग पर चलने की अमर प्रेरणा देती है। ऐसे दिव्य आयोजनों से न केवल समाज में आध्यात्मिक चेतना जागृत होती है, बल्कि आपसी सद्भाव, भाईचारे और सामाजिक एकता को भी बल मिलता है।

27 अक्टूबर तक होगा धार्मिक अनुष्ठान

मुख्य आयोजक अनिल पुंडीर ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन 21 अक्टूबर से 27 अक्टूबर तक नियमित रूप से किया जाएगा। कथा का समय प्रतिदिन दोपहर 2:00 बजे से सायं 5:00 बजे तक निर्धारित किया गया है। उन्होंने क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं से कथा स्थल पर पहुंचकर अमृतमयी वाणी का पान करने की भावभरी अपील की।

नगर पालिका और गणमान्य नागरिकों का रहा विशेष सहयोग

धार्मिक अनुष्ठान के दौरान व्यवस्था बनाए रखने के लिए नगर पालिका के कर्मचारियों ने सफाई व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा। कार्यक्रम को सुचारू एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने में आयोजकों और स्थानीय सहयोगियों की प्रमुख भूमिका रही। इस अवसर पर महावीर सिंह पुंडीर, यशपाल प्रधान, सतपाल सिंह, संजय चौहान, पंकज शर्मा, सुधीर पंडित, देवेंद्र बागड़ी, आशीष राणा, गौरी शंकर गौरी, दीपक धीमान, शोभाराम विश्वकर्मा, विपिन चौहान, अवनी तोमर, सतीश चौहान, सोनू बकुर एवं प्रमोद धीमान सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित रहे।

बुढ़ाना में गन्ना भुगतान व ब्याज को लेकर किसानों की महापंचायतः कोई नेता नहीं चाहता कि किसानों ब्याज मिले-वीएम सिंह

जाति की राजनीति छोड़े विपक्ष, किसान एकता बनाने पर दे जोर

बुढ़ाना (मुजफ़्फरनगर)। बुढ़ाना स्थित सहकारी गन्ना विकास समिति के परिसर में किसानों की एक विशाल पंचायत का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के तत्वावधान में आयोजित इस पंचायत में बकाया गन्ना भुगतान को ब्याज सहित दिलाने की पुरजोर मांग उठाई गई। पंचायत को संबोधित करते हुए संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सरदार वीएम सिंह ने राजनीतिक दलों और नेताओं पर तीखे प्रहार किए। उन्होंने कहा कि किसानों को किसी भी नेता या राजनीतिक दल पर अंधा विश्वास नहीं करना चाहिए, बल्कि अपने अधिकारों के लिए अपने पैरों पर खड़े होकर लड़ाई खुद लड़नी होगी।

ब्याज मिलने से बंद हो जाएगी नेताओं की दुकान सरदार वीएम सिंह ने किसानों को सचेत करते हुए कहा कि कोई भी नेता यह नहीं चाहता कि किसानों को गन्ने का ब्याज मिले, क्योंकि ऐसा होने पर उनकी सियासी दुकान बंद हो जाएगी। उन्होंने प्रदेश सरकार के दावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 114 में से 100 चीनी मिलों द्वारा 14 दिनों के भीतर भुगतान



करने की बात कह रहे हैं, जो कि धरातल पर सरासर झूठ है। उन्होंने याद दिलाया कि हाईकोर्ट ने 30 साल पुरानी कानूनी लड़ाई में किसानों को ब्याज दिलाने का आदेश दिया था, जिस पर सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की संविधान पीठ ने भी मोहर लगाई थी। इसके बावजूद आज तक किसानों को ब्याज का भुगतान नहीं मिला। वीएम सिंह ने मुख्य विपक्षी नेताओं पर सवाल खड़े करते हुए पूछा कि क्या कभी राहुल गांधी, अखिलेश यादव या जयंत चौधरी ने किसानों के इस ब्याज वाले मुद्दे को प्रमुखता से उठाया? उन्होंने कहा कि चौधरी चरण सिंह जैसे महान नेता ने किसानों के उत्थान के लिए ऐतिहासिक कार्य किए थे, लेकिन आज केवल उनके नाम पर जाट राजनीति चलाई जा रही है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे जाट, कुर्मी, यादव या किसी अन्य जाति में बंटने के बजाय केवल 'किसान' बनकर अपनी ताकत पहचानें। जाति-पाति की राजनीति को छोड़कर किसान एकता से ही अपने हक हासिल किए जा सकते हैं।

मिल मालिक और नेता किसानों को रखना चाहते हैं गरीब

वर्ष 1996 से जारी अदालती लड़ाई का उल्लेख करते हुए वीएम सिंह ने बताया कि 2009 में जब चीनी के दाम दोगुना हुए, तब गन्ने का रेट बढ़ाने की मांग को लेकर मायावती सरकार के दौरान दिल्ली और लखनऊ में ऐतिहासिक आंदोलन हुए थे। 2012 में हाईकोर्ट के आदेश के बाद ब्याज का रास्ता साफ हुआ, लेकिन राजनीतिक दलों ने या तो ब्याज माफ कर दिया या फिर इसे लागू ही नहीं होने दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि मिल मालिक और कुछ राजनेता किसानों को हमेशा गरीब बनाए रखना चाहते हैं। अगर कोई किसान पैंट-शर्ट पहनकर अच्छी गाड़ी या ट्रैक्टर में घूमता है, तो इन्हें दिक्कत होती है। इसलिए किसान गांव-गांव में अपने संगठन को मजबूत करें और अपनी लड़ाई खुद लड़ें। पंचायत के दौरान बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेश वर्मा एवं सचिव सुभाष राठी ने मौके पर पहुँचकर अधिवक्ताओं की ओर से किसानों की इस न्यायपूर्ण लड़ाई को पूर्ण समर्थन पत्र सौंपा। इस अवसर पर ठाकुर उधम सिंह, कपिल सिंह, जोगेंद्र, प्रशांत मलिक सहित भारी संख्या में किसान एवं संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

रोहन राठी हत्याकांड के निष्पक्ष खुलासे की मांग, भाकियू तोमर का पुरकाजी थाने पर धरना

ट्रैक्टरों के साथ थाने पहुंचे किसान, अवैध खनन, सट्टे और नशे के कारोबार पर रोक लगाने की उठाई मांग

मुजफ्फरनगर। पुरकाजी थाना क्षेत्र के गांव हरेंटी में हुए रोहन राठी हत्याकांड के निष्पक्ष खुलासे और क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं के समाधान की मांग को लेकर भारतीय किसान यूनियन तोमर ने बुधवार को पुरकाजी थाने पर धरना-प्रदर्शन किया। पुरकाजी ब्लॉक अध्यक्ष दिलशाद राणा के पूर्व में किए गए आह्वान पर बड़ी संख्या में किसान अपने ट्रैक्टरों के साथ थाना परिसर पहुंचे और पुलिस-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी मांगें उठाईं।

धरने को संबोधित करते हुए संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि गांव हरेंटी में रोहन राठी की हत्या के मामले में पुलिस द्वारा दो आरोपियों को जेल भेजा गया है, लेकिन मृतक के परिजन की ओर से संतुष्टि नहीं होने की बात सामने आई है। संगठन ने मांग की कि मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी और गहन जांच कराई जाए, ताकि घटना से जुड़े सभी तथ्यों का खुलासा हो सके और यदि अन्य लोग भी अपराध में शामिल पाए जाते हैं तो उनके खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई की जाए। वक्ताओं ने कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए पुलिस को मामले की गंभीरता से जांच करनी चाहिए।



अवैध खनन पर रोक लगाने की मांग

धरने के दौरान किसानों ने पुरकाजी क्षेत्र में कथित रूप से चल रहे अवैध खनन का मुद्दा भी उठाया। संगठन के पदाधिकारियों ने मांग की कि क्षेत्र में अवैध खनन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाए और इसमें संलिप्त लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए संबंधित विभागों को गंभीरता से कदम उठाने चाहिए।

सट्टे और नशे के कारोबार पर कार्रवाई की मांग

किसान नेताओं ने पुरकाजी कस्बे की चाय की दुकानों और अन्य स्थानों से कथित रूप से संचालित हो रहे सट्टे, खाईवाड़ी और नशे के अवैध कारोबार पर भी चिंता जताई। उन्होंने पुलिस प्रशासन से इन गतिविधियों पर अंकुश लगाने और क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सख्त कार्रवाई करने की मांग की।

ओवरलोड वाहनों से हादसों का खतरा

भाकियू तोमर के पुरकाजी ब्लॉक अध्यक्ष दिलशाद राणा ने कहा कि कस्बे के बीच से दिन-रात ओवरलोड वाहन गुजरते हैं, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। उन्होंने मांग की कि ओवरलोड वाहनों के संचालन पर प्रभावी रोक लगाई जाए और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाए, ताकि आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

सीएमओ डॉ. सुनील तेवतिया ने नगरीय स्वास्थ्य केंद्रों का किया निरीक्षण, बेहतर इलाज के निर्देश

भरतीया कॉलोनी से गांधी नगर, आदर्श कॉलोनी और सुजडू चुंगी तक स्वास्थ्य सेवाओं का लिया जायजा, दवाओं की उपलब्धता और साफ-सफाई पर दिया जोर

मुजफ्फरनगर। जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने और आमजन को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया ने बुधवार को विभिन्न नगरीय स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य केंद्रों पर उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं, साफ-सफाई, मरीजों को दिए जा रहे उपचार तथा स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। सीएमओ डॉ. सुनील तेवतिया ने नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भरतीया कॉलोनी तथा नगरीय आयुष्मान आरोग्य मंदिर गांधी नगर, आदर्श कॉलोनी और सुजडू चुंगी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वास्थ्य केंद्रों पर आने वाले



मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी ली और व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखने के निर्देश दिए।

समय पर उपचार और दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने स्वास्थ्य केंद्रों पर आने वाले मरीजों को समय से उपचार उपलब्ध कराने तथा आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मरीजों को इलाज के लिए अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े और उन्हें स्वास्थ्य केंद्रों पर ही जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाए।

उन्होंने शासन की ओर से संचालित विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने पर भी जोर दिया। सीएमओ ने कहा कि नगरीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को उनके नजदीक ही सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिकता है। इसके लिए सभी स्वास्थ्य इकाइयों पर व्यवस्थाओं का बेहतर संचालन जरूरी है।

साफ-सफाई और मरीजों के प्रति संवेदनशील व्यवहार पर जोर

निरीक्षण के दौरान डॉ. सुनील तेवतिया ने स्वास्थ्य केंद्रों में स्वच्छता बनाए रखने, चिकित्सा संबंधी व्यवस्थाओं को व्यवस्थित रखने और मरीजों के प्रति संवेदनशील व्यवहार करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों से कहा कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी के साथ करें और स्वास्थ्य केंद्र पर आने वाले प्रत्येक मरीज को सम्मानजनक व्यवहार के साथ गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास करें।

सीएमओ ने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। सभी अधिकारी और कर्मचारी आपसी समन्वय के साथ काम करते हुए मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराएं, ताकि आमजन का सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं पर विश्वास और मजबूत हो सके। स्वास्थ्य सेवाओं में निरंतर सुधार के निर्देश

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने स्वास्थ्य केंद्रों पर उपलब्ध सुविधाओं को बेहतर बनाए रखने और मरीजों को किसी भी प्रकार की असुविधा से बचाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप आमजन को सुलभ, सस्ती और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना विभाग की जिम्मेदारी है। इसके लिए स्वास्थ्य सेवाओं की नियमित निगरानी और व्यवस्थाओं में निरंतर सुधार आवश्यक है।

निरीक्षण के माध्यम से सीएमओ ने नगरीय स्वास्थ्य केंद्रों पर चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता, स्वच्छता और मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए।



इंटरव्यू के दौरान बहुत मायने रखती है आपकी बॉडी लैंग्वेज

कई बार इंटरव्यू अच्छा जाने के बाद भी आप सिलेक्शन से चूक जाते हैं। इस दौरान आपकी बॉडी लैंग्वेज बहुत मायने रखता है। आज हम आपको उन बॉडी लैग्वेज के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपको इंटरव्यू के दौरान बिलकुल भी नहीं करनी चाहिए।

जॉब के लिए इंटरव्यू के दौरान लोग बॉडी लैंग्वेज से जुड़ी कई गलतियां करते हैं। जिसके कारण इंटरव्यू अच्छा जाने के बाद भी उनका सिलेक्शन नहीं होता है। यहां हम आपको सही बॉडी लैंग्वेज के साथ इंटरव्यू क्रैक करने के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं। अच्छी जॉब की चाहत रखने वाले लोग काफी समय पहले से ही इंटरव्यू की तैयारियां शुरु कर देते हैं। इंटरव्यू से पहले लोग तमाम सवालों की तैयारियां भी करते हैं। इस दौरान लोग इंटरव्यू में अच्छा इंप्रेशन देने के लिए आटउफिट्स को लेकर भी कंफ्यूज हो जाते हैं। इन सारी तैयारियों के अलावा कुछ जरूरी बातें हैं जिनका आपको खास ध्यान रखना चाहिए।

ऐसे करें शुरूआत

इंटरव्यू में आपके उठने-बैठने का तरीका, हाव-भाव, आपके हाथ के एक्शन आदि के अलावा आपकी बॉडी लैंग्वेज पर भी खास ध्यान दिया जाता है। इंटरव्यू के लिए जाने के दौरान सामने वाले से हाथ मिलाने के दौरान इस बात का खास ध्यान रखे कि हाथ न तो बहुत हल्के से और न बहुत तेजी से मिलाएं। यदि आपके हाथ गीले हों तो उन्हें पोछकर साफ कर लें। वहीं इंटरव्यू के दौरान सामने वाले से आई कॉन्टैक्ट बनाकर रखें। वहीं हैंडशेक करने के दौरान गर्मजोशी से मिलें। आंखें झुकाकर या कहीं और देखते हुए हैंडशेक करने की गलती न करें।

स्ट्रेट होकर बैठें

इंटरव्यू के दौरान आपको स्ट्रेट होकर बैठना चाहिए। इसके अलावा अगर आप इंटरव्यू लेने वाले के सामने क्रास लेग करके बैठते हैं तो यह आपके इंप्रेशन को खराब कर सकता है। साथ ही यह सामने वाले पर्सन पर भी बुरा प्रभाव डालता है। इसलिए इंटरव्यू के दौरान इस तरह की गलती किए जाने से बचना चाहिए। बता दें कि स्ट्रेट पोस्चर यानि की एकदम सीधे होकर बैठने से आपका सामने वाले पर डिफेंसिव इंप्रेशन जाता है। ढीला-ढाला पोस्चर आपकी खराब बॉडी लैंग्वेज को दिखाता है।

क्रॉस आर्म्स

बॉडी लैंग्वेज से जुड़ी एक क्रॉस आर्म्स होती है। इंटरव्यू देते समय हाथों को सीधे अपनी थाई पर रखकर बैठें। इस दौरान न तो हाथों को क्रॉस करें और न ही हाथ जेब में डालें। अगर आप हाथ क्रॉस करके बैठते हैं तो यह आपके एरोगेंस को दिखाता है। जिससे इंटरव्यू में खराब इंप्रेशन पड़ता है। कई लोग टेबल के ऊपर हाथ रखकर बात करते हैं। ऐसा भी करने से बचना चाहिए। बता दें कि जब तक हाथ से कोई बहुत जरूरी बात न समझानी हो, तब तक हाथों को इधर-उधर न करें। इसके अलावा बार-बार अपने हाथों को बालों पर न फिराएं।

फेस टच

कई लोगों की बार-बार अपने चेहरे, बालों या कपड़ों को टच करने की आदत होती है। यदि आप किसी इंटरव्यू के दौरान भी ऐसी हरकत करतें है, तो यह सामने वाले को आपके खराब इंप्रेशन को दिखाता है। क्योंकि ये आदतें नेगेटिव बॉडी लैंग्वेज जेस्चर में आती हैं। इसलिए इंटरव्यू के दौरान भूलकर भी ऐसी गलती नहीं करनी चाहिए। आपकी बॉडी लैंग्वेज से जुड़ी इस तरह की कई गलतियां इंटरव्यू में असफल होने का कारण भी बन सकती हैं।



इलेक्ट्रानिक्स और कंप्यूटर दोनों में रूचि है तो करें बीटेक इन इलेक्ट्रिकल

जिन छात्रों को इलेक्ट्रानिक्स और कंप्यूटर दोनों में रूचि है। वह इंजीनियरिंग में अपना करियर बना सकते हैं। इसमें आपकी रुचि के हिसाब से कई कोर्स मिल जाएंगे। हालांकि इन कोर्सों में एडमिशन लेने से पहले छात्रों को प्रवेश परीक्षा देनी होती है।

इंटरमीडिएट की पढ़ाई करने के बाद छात्रों के सामने करियर को लेकर चिंता बढ़ जाती है। वहीं जो स्टूडेंट 12वीं के बाद इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं। उनके लिए इंजीनियरिंग में ढेरों स्पेशलाइजड कोर्स है। आपको बता दें कि इंजीनियरिंग में 2 प्रकार की बैचलर डिग्री होती है। जिनमें से एक बीई, बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग और दूसरा बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी यानी बीटेक है। वहीं जिन स्टूडेंट्स को इलेक्ट्रानिक्स और कंप्यूटर दोनों में रूचि है। उनके करियर के लिए इंजीनियरिंग का ऑप्शन सबसे बेस्ट है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बीटेक इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर इंजीनियरिंग कोर्स के बारे में पूरी जानकारी देंगे। इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर इंजीनियरिंग की एक ब्रांच इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर साइंस है। जिसके जरिए कंप्यूटर के हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर को विकसित करने का काम किया जाता है। इस सब्जेक्ट के जरिए दोनों विषयों को अलग-अलग किया गया है। ताकि जिस स्टूडेंट को जिस सब्जेक्ट में इंट्रेस्ट हो, वह उसमें अपना करियर बना सके। बता दें कि इस कोर्स को करने के बाद आप एक आकर्षक सैलरी पर नौकरी कर सकते हैं।

कॉलेज और फीस

- करुणा प्रौद्योगिकी और विज्ञान संस्थान तमिलनाडु - 7.24 लाख
- एसआरएम प्रौद्योगिकी संस्थान, तमिलनाडु - 10.1 लाख
- एसआरएम इंजीनियरिंग कॉलेज, तमिलनाडु - 10.1 लाख
- सरदार पटेल विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश - 2.02 लाख
- अमृता विश्व विद्यापीठम अमृतपुरी परिसर, केरल - 4 लाख
- रेवा विश्वविद्यालय, कर्नाटक - 9 लाख

कोर्स

बीटेक इन इलेक्ट्रिकल एंड कंप्यूटर इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रिकल एंड कंप्यूटर इंजीनियरिंग में बीटेक का कोर्स 4 साल का होता है। 12वीं पास स्टूडेंड संबंधित सब्जेक्ट में डिप्लोमा कर सकते हैं। हालांकि इस कोर्स में दाखिला लेने के लिए स्टूडेंट को परीक्षा देनी होती है। कोर्स को आसान बनाने के लिए इसे सेमेस्टर सिस्टम में लागू किया गया है। इस दौरान स्टूडेंट को कोर्स पढ़ाने के अलावा थ्योरी के साथ प्रैक्टिकल भी करवाया जाता है। कोर्स की पढ़ाई के दौरान उन्हें काफी कुछ सिखाया जाता है। जिससे कि छात्रों को करियर की शुरूआत में किसी तरह की दिक्कत न आए।

योग्यता

- इसके लिए स्टूडेंट का 12वीं पास होना जरूरी है।
- स्टूडेंट ने साइंस स्ट्रीम से पढ़ाई की हो।
- पीसीएम के मुख्य सब्जेक्टों के बारे में जानकारी होनी चाहिए।
- स्टूडेंट के कम से कम 50 प्रतिशत नंबर होने चाहिए।
- वहीं रिजर्व कैटेगिरी के पास 45 प्रतिशत अंक योग्यता
- स्टूडेंट की उम्र 17 से 23 साल के बीच होनी चाहिए।

एडमिशन

बीटेक में इलेक्ट्रिकल एंड कंप्यूटर इंजीनियरिंग डिग्री कोर्स करने के लिए स्टूडेंट को प्रवेश परीक्षा देनी होती है। इनमें से सबसे अहम प्रवेश परीक्षा जेईई मेंस और जेईई एडवांस है। वहीं अन्य संस्थान और राज्य अपने स्तर पर भी कई तरह की प्रवेश परीक्षा करवाते हैं। इन परीक्षाओं में पास होने के बाद ही स्टूडेंट इस कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं। एडमिशन एग्जाम के बाद सीट अलॉटमेंट के लिए काउंसलिंग और कुछ जगह इंटरव्यू का भी प्रोसेस होता है।

अन्य ऑप्शन

इलेक्ट्रिकल एंड कंप्यूटर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद आगे की भी पढ़ाई जारी रख सकते हैं। वहीं यह कोर्स पूरा होने के बाद आप एक पेशेवर के तौर पर अच्छी सैलरी पर भी काम कर सकते हैं। बता दें कि इस कोर्स के बाद छात्र सीनियर डेवलपर, स्पलाई चेन एग्जिक्यूटिव और मैनेजर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियर, कंप्यूटर इंजीनियर और रिजनल मैनेजर आदि के पदों पर काम कर सकते हैं। शुरूआती दौर में इस फील्ड में आप सालाना 2 से 7 लाख रुपए महीने कमा सकते है। वहीं एक्सपीरियंस के आधार पर आपकी सैलरी भी बढ़ती जाती है।





मास कम्यूनिकेशन डिग्री के लिए किसी विशेष स्ट्रीम से 12वीं पास होना जरूरी नहीं

कई छात्र टीवी, रेडियो और प्रिंट मीडिया में काम करने का सपना देखते हैं। इस सपने को मास कम्यूनिकेशन कोर्स के जरिए पूरा किया जा सकता है।

कई लोगों का मीडिया, टीवी और रेडियो में काम करने का सपना होता है। इस तरह की रुचि रखने वाले छात्र अक्सर मीडिया इंडस्ट्री में जुड़ने की इच्छा रखते हैं। जिसके चलते लाखों स्टूडेंट तेजी से बढ़ती मीडिया इंडस्ट्री का हिस्सा बनने के लिए मास कम्यूनिकेशन कोर्स में एडमिशन लेते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस कोर्स के बारे में पूरी जानकारी देने जा रहे हैं। 12वीं और अंडर ग्रेजुएट डिग्री करने वाले छात्र इस कोर्स को कर सकते हैं।

प्रोफेशनल डिग्री कोर्स

मास कम्यूनिकेशन का कोर्स प्रोफेशनल डिग्री है। इस कोर्स में एडमिशन लेने के लिए स्टूडेंट को किसी विशेष स्ट्रीम से 12वीं पास होना जरूरी नहीं होती है। आर्ट, साइंस और कॉमर्स से पढ़े छात्र भी मास कम्यूनिकेशन का कोर्स कर सकते हैं। इस कोर्स को पूरा करने के बाद आप कई विभिन्न पदों पर काम करने के योग्य हो जाते हैं। एक जर्नलिस्ट के तौर पर काम कर अपने सपने को पूरा कर सकते हैं।

बैचलर कोर्स की योग्यता

मास कम्यूनिकेशन में बैचलर कोर्स में एडमिशन लेने के लिए छात्रों का 12वीं पास होना जरूरी है। किसी भी स्ट्रीम का स्टूडेंट मास कम्यूनिकेशन का कोर्स कर सकता है। इस कोर्स में मेरिट और प्रवेश परीक्षा दोनों तरह से एडमिशन लिया जाता है। मेरिट के आधार पर एडमिशन के लिए स्टूडेंट को 12वीं में अच्छे नंबर लाने होते हैं। वहीं प्रवेश परीक्षा के जरिए स्टूडेंट्स को एग्जाम में अच्छा स्कोर करना होता है। हर संस्थान में एडमिशन के लिए अलग-अलग योग्यता होती है।

मास्टर कोर्स में प्रवेश की योग्यता

अगर आप पहले से ग्रेजुएशन पूरा कर चुके हैं तो मास मीडिया का कोर्स करने के लिए आप मास कम्यूनिकेशन में मास्टर की डिग्री कर सकते हैं। मास्टर्स कोर्स में एडमिशन लेने के लिए छात्रों को बैचलर में न्यूनतम 50% नंबर लाने होते हैं। इसके लिए आपको प्रवेश परीक्षा देनी होती है।



सप्लाई चैन मैनेजमेंट में बनाएं कॅरियर

सप्लाई चेन मैनेजमेंट के क्षेत्र में अपना कॅरियर बनाने से पहले आपको यह जानने की आवश्यकता है कि वास्तव में यह क्या है। सप्लाई चेन मैनेजमेंट में अपने स्रोत से ग्राहक तक माल और सेवाओं के फ्लो को मैनेज किया जाता है।

आज के समय में कॅरियर की अनेक राहें हमारे पास मौजूद हैं। ऐसे कई क्षेत्र हैं, जिनमें ग्रोथ की संभावना बहुत अधिक है। लेकिन पर्याप्त जानकारी ना होने के कारण यंगस्टर्स इन करियर ऑप्शन को चुनते ही नहीं है। ऐसा ही एक क्षेत्र है सप्लाई चैन मैनेजमेंट। किसी भी कंपनी को सक्सेसफुली चलाने के लिए सप्लाई चैन मैनेजमेंट की बेहद आवश्यकता होती है। यही कारण है कि इस पद पर नियुक्त लोगों को काफी अच्छी सैलरी मिलती है और उनके करियर की ग्रोथ भी काफी अच्छी होती है। सप्लाई चेन मैनेजमेंट के क्षेत्र में अपना करियर बनाने से पहले आपको यह जानने की आवश्यकता है कि वास्तव में यह क्या है। सप्लाई चेन मैनेजमेंट में अपने स्रोत से ग्राहक तक माल और सेवाओं के फ्लो को मैनेज किया जाता है। यह तैयार हुए प्रोडक्ट को शिपिंग के लास्ट स्टेज तक को स्मूद बनाने का मैनेजमेंट है। सप्लाई चेन मैनेजमेंट का मुख्य उद्देश्य बिना किसी समस्या के ग्राहकों तक प्रोडक्ट को पहुंचाने की प्रक्रिया को अधिक आसान बनाना है। जब इसे सही तरीके से किया जाता है, तो इससे मार्केट में बिजनेस को बढ़त हासिल करने में भी मदद मिलती है।

अब सवाल यह उठता है कि एक सप्लाई चेन मैनेजर का क्या काम होता है। दरअसल, एक सप्लाई चेन मैनेजर कच्चे माल की खरीद से लेकर उत्पादन तक कंपनी की सभी सप्लाई चेन के लिए जिम्मेदार होता है। ये वे पेशेवर होते हैं जो यह सुनिश्चित करते हैं कि उत्पाद समय पर पहुंचें और बिना डैमेज कच्चे माल का भंडारण किया जाए। उन्हें तैयार किया जाए और बिना किसी समस्या के ग्राहकों तक सही समय पर व आसानी से पहुंचाया जाए। सप्लाई चेन में मैन्युफैक्चरिंग से लेकर वेयरहाउस, पैकेजिंग, डिलीवरी जैसे कई छोटे-छोटे सेक्शन्स शामिल होते हैं। इन सभी को मैनेज करने की जिम्मेदारी सप्लाई चेन मैनेजर के कंधों पर होती है।

जॉब के क्या अवसर हैं

किसी भी प्रोडक्ट को तैयार करने में कई चरण होते हैं और यह सभी एक व्यक्ति द्वारा संभव नहीं है। इसलिए हर कंपनी में सप्लाई चेन मैनेजमेंट को कंप्लीट करने के लिए कई एक्सपर्ट्स की जरूरत होती है। ऐसे में इस क्षेत्र में जॉब ऑप्शन की कमी नहीं है। आप छोटे से लेकर बड़े ब्रांड तक में बतौर लॉजिस्टिक रिसोर्स प्लानर, मेंटेनेंस मैनेजर, क्वालिटी मैनेजर, प्रोडक्शन प्लानर, वेयरहाउस मैनेजर, आदि पदों पर जॉब की तलाश कर सकते हैं। चूंकि, उत्पादन व बिक्री का बाजार कभी बंद नहीं होने वाला है, इसलिए इस क्षेत्र में आपको अपने भविष्य को लेकर चिंतित होने की कोई आवश्यकता भी नहीं है।

सप्लाई चेन मैनेजर कितना कमा सकता है

एक सप्लाई चेन मैनेजर किसी भी कंपनी में बेहद ही महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। वह कच्चे माल की खरीद से लेकर प्रोडक्ट की क्वालिटी और फिर उसे अपने कस्टमर्स तक पहुंचाने में मुख्य भूमिका में होता है। एक तरह से उसकी भूमिका के कारण ही कंपनी की ग्रोथ पर गहरा असर पड़ता है। इसलिए उनकी सैलरी भी काफी अच्छी होती है। हालांकि, एक्सपीरियंस बढ़ने के साथ उनकी आमदनी भी बढ़ती जाती है। अपने करियर की शुरुआत में ही आप 40000-50000 रूपए तक आसानी से कमा सकते हैं। कुछ सालों के अनुभव के बाद सैलरी प्रतिमाह लाखों में होती है।

सप्लाई चैन मैनेजमेंट के लिए कोर्स

अगर आप सप्लाई चैन मैनेजमेंट के क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो आपको एमबीए इन लॉजिस्टिक एंड सप्लाई चैन मैनेजमेंट कोर्स करना चाहिए। इसके अलावा आप किसी अच्छे संस्थान से इससे जुड़ा कोर्स करके अपना करियर बना सकते हैं।

- स्कूल ऑफ बिजनेस, यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज, देहरादून
- आईआईएसडब्ल्यूबीएम कोलकाता - इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल वेलफेर एंड बिजनेस मैनेजमेंट इन कोलकाता
- डॉ. डीवाई पाटिल यूनिवर्सिटी (डीवाईपीयूएसएम), नवी मुंबई

दुकानों पर मिलने वाली मिठाइयां कितनी सुरक्षित? खाद्य सुरक्षा विभाग के छापे में खुली पोल, सच्चाई चौंकने वाली

नई दिल्ली, एजेंसी। त्योहार पर मिठाई खरीदने वाले लोग भरोसा करते हैं कि दुकानों पर बिकने वाली मिठाइयां सुरक्षित होंगी। लेकिन, मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में खाद्य सुरक्षा विभाग के छापों में दुकानों की सफाई और खाद्य सामग्री के सुरक्षित भंडारण में गंभीर लापरवाही मिली है।

कहीं मिठाइयों के भंडारण में कीड़े-मकोड़ों मिले, तो कहीं भारी गंदगी के साथ खुले कूड़ेदान, गंदे उपकरण, गंदे हाथों से बनाई जा रही मिठाई और कर्मचारियों के कपड़े रखे मिले। कुछ प्रतिष्ठानों पर पानी और खाद्य उत्पादों की जांच रिपोर्ट ही उपलब्ध नहीं थी।

आखिर क्यों नहीं हो रहा सुधार: ऐसे में प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि छापों-जांच नमूनों के बावजूद सुधार क्यों नहीं हो रहा। जवाब है, नियम तोड़ने वालों पर प्रभावी कार्रवाई का अभाव। बड़ी बात यह कि विभाग जब छापेमारी



की कार्रवाई करता है, तो उसका जोर-शोर से प्रचार करता भी है। लेकिन, उन्हीं मामलों में अंतिम कार्रवाई क्या हुई इसे वह उसी अंदाज में कभी सार्वजनिक नहीं करता, जबकि जांच के साथ मामलों के निपटारे, दोषियों पर कार्रवाई और लाइसेंस रद्द करने से जुड़े नतीजों की जानकारी प्राप्त करना जनता का अधिकार है।

छापों में खुली पोल, कई प्रतिष्ठानों से नमूने: ओखला फेज-दो स्थित एवरग्रीन स्वीट हाउस के भंडारण क्षेत्र में बहुतायत में कीड़े-मकोड़े घूमते मिले और कर्मचारी बिना दस्तानों और उचित सफाई के खाद्य सामग्री संभालते मिले। पानी व खाद्य सामाग्री की जांच रिपोर्ट भी मौके पर नहीं मिली। विभाग ने यहां से बूंदी दाना और खोया के नमूने लिए। कालीघटा स्वीट्स, भिकाराम चंदमल, अमन मिठाईवाला, ग्रोवर स्वीट कार्नर, मेठी फूड्स और सिंगला स्वीट्स समेत कई प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई, भंडारण और कीड़े-मकोड़ों से बचाव के इंतजामों में गंभीर कमियां मिलीं। कई स्थानों पर खाद्य सुरक्षा लाइसेंस प्रदर्शित नहीं था और पैकिंग व कर्मचारियों के प्रशिक्षण से जुड़े दस्तावेज भी अधूरे थे।

तीन साल में 9169 नमूने, 535 फेल

वर्ष 2022-23 से 2024-25 के दौरान दिल्ली में 9,169 खाद्य नमूनों की जांच हुई। इनमें 535 नमूने निर्धारित मानकों पर खरे नहीं उतरे। वर्ष 2022-23 में 3,133 नमूनों में 255, वर्ष 2023-24 में 3,412 में 150 और वर्ष 2024-25 में 2,624 में 130 नमूने गैर-अनुरूप पाए गए। लेकिन, दोषसिद्धि मात्र 38 मामलों में ही हो सकी और केवल दो लाइसेंस ही रद हुए।

4100 किलो खोया-पनीर नष्ट, घी के 19 नमूने असुरक्षित

सितंबर में 4100 किलो से अधिक नकली-मिलावटी खोया, पनीर-छेना नष्ट किया गया। मोरी गेट खोया मंडी के 30 नमूनों में 22, घी के 59 नमूनों में से 19 असुरक्षित और चार खराब मिले। इस मामले में दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री से सरकार का पक्ष जानने को फोन किया गया था, तो उन्होंने फोन नहीं उठाया। उन्हें संदेश भेजा गया तो उत्तर नहीं मिला।

संक्षिप्त समाचार

एमसीडी का बड़ा फैसला: 120 करोड़ का बजट पास, दिल्ली के इन 3 अस्पतालों में सस्ती होगी सीटी स्कैन-एमआरआई की जांच



नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के तीन प्रमुख अस्पतालों में सीटी स्कैन और एमआरआई जांच की दरें केंद्रीय सरकारी स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) की निर्धारित दरों से 20 प्रतिशत कम होंगी। एमसीडी की स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने इस परियोजना को मंजूरी दे दी है।

इसके तहत हिंदूराव अस्पताल, स्वामी दयानंद अस्पताल और राजन बाबू इंस्टीट्यूट ऑफ पल्मोनरी मेडिसिन एंड ट्यूबरकुलोसिस (आरबीटीबी) में अत्याधुनिक जांच सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

सत्या शर्मा ने कहा कि निगम का उद्देश्य आम नागरिकों, विशेषकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मरीजों को किफायती दरों पर आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है। इन अस्पतालों में सीटी स्कैन और एमआरआई सेवाओं का विस्तार होने से मरीजों को कम खर्च में आवश्यक जांच कराने की सुविधा मिलेगी।

120 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान

उन्होंने बताया कि सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) माडल के तहत लागू किया जाएगा। दस वर्ष की रियायत अवधि में इस पर लगभग 120 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। इसमें करीब 40 करोड़ रुपये मशीनों की स्थापना और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर पूंजीगत निवेश के रूप में खर्च होंगे, जबकि लगभग 80 करोड़ रुपये परिचालन खर्च के लिए निर्धारित हैं।

पूरी राशि अनुबंधित निजी एजेंसी वहन करेगी। एमसीडी की ओर से निर्धारित स्थान उपलब्ध कराए जाएंगे, जबकि उनका स्वामित्व निगम के पास ही रहेगा। स्थायी समिति अध्यक्षा ने बताया एमसीडी नागरिकों को बेहतर, आधुनिक और किफायती स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस परियोजना से मरीजों को कम कीमत पर आधुनिक जांच सुविधाएं मिलेंगी और निगम के स्वास्थ्य सेवा ढांचे को मजबूती मिलेगी।

दिल्ली में छठे मेयर चुनाव को मंजूरी, अप्रैल 2027 में चुना जाएगा; क्या वाही को फिर मौका मिलेगा



नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ष 2023 से शुरू हुए दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के पार्षदों के पांच वर्ष के कार्यकाल में पांच की बजाय छठे महापौर चुनाव को लेकर चल रही ऊहापोह खत्म हो गई है।

एमसीडी के विधि विभाग ने इसको लेकर निगम को हरी झंडी दे दी है। यानी अब अप्रैल 2027 में महापौर व उपमहापौर के चुनने की प्रक्रिया होगी। इसके बाद वार्ड समिति से लेकर स्थायी समिति और अन्य समितियों के चुनाव हो सकेंगे। साथ ही निगम के आम चुनाव अब दिसंबर 2027 से लेकर जनवरी 2028 के बीच होने की संभावना है। अप्रैल 2027 में होगा छठे महापौर का चुनाव दरअसल, अप्रैल 2026 में प्रवेश वाही के तौर पर पांचवें महापौर का चुनाव हो चुका है। निगम का कार्यकाल फरवरी 2028 तक है। ऐसे में पांच वर्षीय निगम के इस कार्यकाल में छठे महापौर के चुनाव को लेकर निगम सचिव कार्यालय में ऊहापोह की स्थिति में था।

क्योंकि निगम के सामने यह भी चुनौती थी कि वह छठे महापौर का चुनाव कराए या नहीं। क्योंकि पूर्व में अभी तक ऐसी स्थिति नहीं आई है कि पंचवर्षीय कार्यकाल में बिना किसी महापौर के इस्तीफे के छठे महापौर का चुनाव कराया जाए। इसलिए निगम ने विधि विभाग से इसको लेकर राय मांगी थी। सूत्रों ने इस बात की पुष्टि की है कि विधि विभाग ने अगले महापौर का चुनाव कराने और गैर आरक्षित श्रेणी से इसे कराने की हरी झंडी दे दी है।

इसके बाद अब निगम 2027 में महापौर और उपमहापौर का चुनाव करा सकेगा। कोई भी पार्षद चाहे महिला हो या फिर पुरुष या अनुसूचित जाति का हो, वह नामांकन कर सकेगा। पूर्वकालिक तीनों निगम के एकीकरण के बाद एमसीडी का आम चुनाव दिसंबर 2022 में हुआ था। इसमें आम आदमी पार्टी (आप) ने पूर्ण बहुमत प्राप्त करते हुए सरकार बनाई थी।

सीजेपी के सौरव दास और आशुतोष रांका को क्या मिलेगी बेल, कभी अपराधी को बना रहे जमानती तो कभी गलत दे रहे पेपर्स



नई दिल्ली, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के सह संयोजक सौरव दास और आशुतोष रांका बीते सात दिनों से जेल में कैद हैं। उनके संगठन की ओर से बार-बार यह दावा किया जा रहा है कि दिल्ली पुलिस की ओर से जान-बूझकर दोनों की जमानत में बाधा डाली जा रही है।

बुधवार दोपहर दोनों को मंदिर मार्ग स्थित स्पेशल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट की कोर्ट में पेश किया जाएगा। संगठन वाले पुरजोर प्रयास का दावा कर रहे हैं। हालांकि, अब तक की दो बार की जमानती प्रक्रिया की असफलता के सीजेपी वाले ही जिम्मेदार हैं।

सौरव और रांका को दोनों बार क्यों नहीं मिली जमानत : जानकारी के अनुसार, सीजेपी ने अब तक कुल चार जमानतियों को कोर्ट के सामने पेश किया है। मगर उन चारों में से दो तो पहले से ही अपराधी पाए गए थे, वहीं दो अन्य ने माना कि उन्हें दबाव देकर जमानत के लिए राजी कराया गया है। उनके दस्तावेज भी भ्रम पैदा करने वाले थे।

दो अपराधियों को ही बना दिया जमानती: बता दें कि बुधवार को सौरव और रांका की दो दिन की न्यायिक हिरासत की अवधि खत्म हो रही है। बुधवार दोपहर करीब दो बजे दोनों को मंदिर मार्ग स्थित स्पेशल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट की कोर्ट में पेश किया जाएगा। 13 अक्टूबर को जंतर मंतर पर घुसने पर ट्रेस पास की धारा में गिरफ्तार किए जाने पर दोनों के बांड में दो अपराधियों को ही जमानती बना दिया गया था।

सीजेपी के वकीलों को क्यों मांगनी पड़ी माफी: दरअसल, सौरव और रांका की जमानत के लिए जिन दो लोगों को 50/50 के निजी मुचलके पर जमानती बनाया गया था, उनके खिलाफ उत्तम नगर और अन्य थाने में दो दो मुकदमे दर्ज पाए गए। कोर्ट द्वारा दोनों के वकीलों से पूछने पर उन्होंने गलती मानी। इसके लिए सीजेपी नेताओं के वकीलों ने कोर्ट से माफी मांगी थी।

बांड में नहीं दी पूरी जानकारी: उसके बाद पांच दिन की जेल काटने पर जब दोनों को पेश किया गया तब भी, सीजेपी के वकीलों ने दो ऐसे जमानती पेश किए, जिनके आधार कार्ड और बांड पर लगाए गए फोटो से दोनों का मिलान ही नहीं हुआ। दोनों के मोबाइल नंबर भी बांड में नहीं लिखा गया।

जमानतियों ने मजिस्ट्रेट के सामने कुबूला सच: शक होने पर मजिस्ट्रेट ने जब सभी को कमरे से बाहर निकाल कर महिला और एक तीरथ नाम के जमानती को बारी-बारी से कोर्ट में बुलाकर पूछताछ की तब भी विरोधाभासी जानकारी मिली। कोर्ट ने जब सौरव दास और आशुतोष रांका के बारे में पूछा कि वे इनको कब से जानते हैं तो उन्होंने चार साल से जानने की बात बताई। इनके घर और पिता आदि के नाम और अन्य जानकारी पूछे जाने पर वे नहीं बता पाए। कोर्ट में उन्होंने साफ बोला कि नेताओं के दबाव में आकर वे इनकी जमानत के लिए तैयार हो गए हैं।

दिल्ली सरकार की नई योजना: युवाओं को बेकरी से मेकअप आर्टिस्ट तक की मिलेगी ट्रेनिंग; 1.15 करोड़ का टेंडर जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में कारीगरों को बेकरी, हेयर स्टाइलिंग और मेकअप का प्रशिक्षण दिल्ली सरकार देगी। दिल्ली खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड ने दिल्ली खादी कौशल विकास योजना के तहत कारीगरों को प्रशिक्षण देने के लिए 1.15 करोड़ रुपये का टेंडर जारी किया है। इसके तहत बेकरी, हेयर स्टाइलिस्ट और मेकअप आर्टिस्ट जैसे तीन क्षेत्रों में प्रशिक्षण देने वाली एजेंसियों का चयन किया जाएगा। इच्छुक एजेंसियां 10 नवंबर को दोपहर दो बजे तक ऑनलाइन बोली जमा कर सकेंगी।



विभिन्न पात्र संस्थाओं को आवेदन का अवसर: टेंडर में सोसायटी, एनजीओ, ट्रस्ट, साझेदारी फर्म, निजी और सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों, सरकारी संस्थानों, सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों, विश्वविद्यालयों तथा मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण संस्थानों सहित विभिन्न पात्र संस्थाओं को आवेदन करने का अवसर दिया गया है। संबंधित संस्थानों के पास निर्धारित क्षेत्र में प्रशिक्षण देने के लिए आवश्यक संबद्धता या मान्यता होनी चाहिए। निविदा दस्तावेज दिल्ली सरकार के ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल और दिल्ली खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आवंटन और भुगतान संबंधी प्रक्रिया: बोर्ड के अनुसार, चयनित एजेंसियों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर, प्रशिक्षण लक्ष्य का आवंटन और भुगतान संबंधी प्रक्रिया निर्धारित दस्तावेजों के अनुसार पूरी की जाएगी।

मुश्किल में सोशल मीडिया स्टार्स: कैसे वायरल होने की शोहरत इन्फ्लुएंसर्स को कानूनी पचड़ों में ले आई

नई दिल्ली, एजेंसी। आज की दुनिया में मोबाइल हर किसी की जरूरत बन गया है। इस मोबाइल ने कई लोगों को शोहरत के मुकाम तक पहुंचा दिया, तो कहीं किसी को शोहरत पाने के लिए गलत काम करने के रास्ते पर धकेल दिया। कुछ ऐसे ही यूट्यूबर्स की कहानी जो शोहरत के बाद कानून के चंगुल में फंस गए।

हाल के दिनों में दिल्ली, मुबंई, कोलकाता जैसे शहरों से कई ऐसे लोगों की गिरफ्तारियां सामने आई हैं जो एक तरह का ट्रेंड दिखाती हैं। कई ऐसे यूट्यूबर्स हैं जिन्होंने अपनी जिंदगी में काफी शोहरत और बुलंदियां सोशल मीडिया के जरिए हासिल कर लीं, मगर बाद में वो अपने किए गलत काम की वजह से कानून के जाल में फंस गए। इन नामों की लिस्ट काफी लंबी है आइए जानते हैं इनमें से कुछ की कहानी।

कहानी सलीम वास्तिक की- पहले क्राइम फिर बचने के लिए यूट्यूबर बना: सबसे पहले बात दिल्ली-एनसीआर के यूट्यूबर सलीम वास्तिक की। सीमेंट व्यवसायी का बेटा संदीप स्कूल जाते वक्त घर से तो निकला लेकिन स्कूल नहीं पहुंच पाया। रास्ते से लापता हो गया। हादसे के ठीक अगले दिन पिता को फिरौती के लिए कॉल आई। इस केस में 30 हजार की फिरौती की मांग की गई थी।

पुलिस को पड़ोसियों से मिली जानकारी के अनुसार सलीम खान पर शक हुआ। सलीम स्कूल में मार्शल आर्ट्स का इंस्ट्रक्टर था। पुलिस की सख्त पूछताछ में खान ने जुर्म कबूल कर लिया। मुस्तफाबाद से लड़के का शव बरामद हुआ। कोर्ट ने उसे और उसके साथी दोनों को उम्रकैद की सजा सुनाई। कोर्ट से जमानत पाने के बाद फुर्र हो गया और गाजियाबाद के लोनी में यूट्यूबर बन कर सलीम वास्तिक के नाम से अपना धंधा चलाने लगा। लंबे समय के बाद पुलिस की पकड़ में आने के बाद पूरे मामले का खुलासा हुआ।

टाइगर श्रॉफ फायरिंग केस में हथियार पहुंचाने वाली दो युवतियां भी गिरफ्तार, दिल्ली पुलिस के हत्थे चढ़े चार



नई दिल्ली, एजेंसी। अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर हुई फायरिंग से जुड़े मामले में शामिल चार आरोपितों को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गिरफ्तार किया है। चारों को अदालत में पेश कर मुंबई पुलिस को ट्रांजिट रिमांड पर सौंप दिया गया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम कुणाल ,रोहाना, सोनीपत, सुमित ,सोनीपत, राधा, नहवैया, सितापुर, यूपी और बबीता, आजमगढ़ है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक हाल ही में जेल से जमानत पर छूटे कुणाल की पहचान हरसाना गांव के एक दोस्त के जरिए अनिल पंडित से हुई थी, जिसके बाद दोनों एन्क्रिप्टेड एप के जरिए बात करने लगे थे। अनिल पंडित के निर्देश पर कुणाल ने सुमित के साथ मिलकर अमृतसर से एक पिस्टल और 20 कारतूस एकत्र किए थे। दो महीने पहले कुणाल की मुलाकात राधा से हुई। उसने अपनी गतिविधियों के बारे में बताकर उससे संबंध बनाए और उसे हथियार के साथ मुंबई जाने के लिए राजी किया। 15 अक्टूबर को कुणाल, राधा और बबीता को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन लेकर पहुंचा। पिस्टल राधा के बैग में थी।

दिल्ली में सीलमपुर थाने के सामने मर्डर, सिगरेट को लेकर विवाद में 20 साल के युवक पर चाकू से 11 वार; 6 आरोपी दबोचे

नईदिल्ली, एजेंसी। सीलमपुर थाने के सामने बने निगम के पार्क में मंगलवार रात सिगरेट पीने को लेकर हुए विवाद में 20 वर्षीय युवक की चाकू से ताबड़तोड़ वार कर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान नूर-ए-इलाही निवासी सुभान के रूप में हुई है। उसके शरीर पर चाकू के 11 निशान मिलने की बात सामने आई है।

पुलिस ने मामले में दो नाबालिग समेत छह लोगों को पकड़ा है। वारदात में इस्तेमाल चाकू और आरोपितों के घटना के समय पहने हुए कपड़े भी बरामद किए गए हैं। थाने के ठीक सामने बने पार्क में हुई इस वारदात से सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। पार्क में सुरक्षागार्ड की तैनाती भी नहीं है।

सिगरेट पीने को लेकर शुरू हुआ विवाद: सुभान अपने परिवार के साथ नूर-ए-इलाही में रहता था। वह सीलमपुर मार्केट में निगम के पार्क के पास स्थित कपड़े की दुकान पर कई वर्षों से नौकरी कर रहा था। मंगलवार रात करीब आठ बजे दुकान बंद करने के बाद



वह अपने दोस्त मोहसिन के साथ पार्क में बैठा था। इसी दौरान सिगरेट पीने को लेकर कुछ युवकों से उसका विवाद हो गया। आरोप है कि कहासुनी के बाद युवकों ने सुभान पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिए। हमले के बाद आरोपित मौके से फरार हो गए।

अस्पताल में तोड़ा दम: घटना के बाद घायल सुभान को जग प्रवेश चंद्र अस्पताल ले जाया गया। वहां से उसे जेपीसी अस्पताल और फिर गंभीर हालत में जीटीबी अस्पताल रेफर किया गया। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। अस्पताल से सूचना मिलने के बाद सीलमपुर थाना पुलिस ने जांच शुरू की। दोस्त मोहसिन ने पुलिस को बताया कि रात करीब नौ बजे वह सुभान के साथ पार्क में सिगरेट पी रहा था। तभी पांच-छह युवकों ने वहां पहुंचकर सिगरेट पीने का विरोध किया। इसी बात को लेकर झगड़ा हुआ और युवकों ने सुभान पर चाकू से हमला कर दिया।

सीसीटीवी फुटेज से पकड़े गए आरोपित: पुलिस टीम ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और अन्य साक्ष्य जुटाए। इसके आधार पर अमन खान उर्फ अरशु (21), अफजल खान (18), अब्दुल मोमिन (18), शोएब मिर्जा (18) और करीब 17 वर्ष के दो नाबालिगों को पकड़ा गया। पुलिस ने शुरुआत में हत्या के प्रयास समेत संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया था। सुभान की मौत के बाद हत्या की धारा भी जोड़ दी गई है। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

रावण दहन के बाद दिल्ली-एनसीआर की हवा बिगड़ी, दिल्ली का एक्यूआई 284 तो गाजियाबाद में बढ़ी चिंता



नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में त्योहारों की धमक के बीच वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) हमेशा ही चिंता की लकीरें गहरा देता है। रावण दहन और दशहरा का पावन पर्व मनाकर मंगलवार रात सोये लोगों को बुधवार सुबह प्रदूषित हवा में सांस लेना पड़ रहा है। दिल्ली की सुबह 284 एक्यूआई ने आने वाले दिनों में दूषित हवा को लेकर स्पष्ट संदेश दे दिया है। हालांकि, शासन-प्रशासन की तैयारियों वाले दावे अब बेमानी से साबित हो रहे हैं।

देर रात तक चौराहों पर रहा ट्रैफिक: बता दें कि दशहरा के अवसर पर पूरे दिल्ली-एनसीआर में रावण दहन के साथ ही तेज आतिशबाजी का आयोजन किया गया। इस बीच बड़ी संख्या में लोग घर से बाहर आउटिंग के लिए निकले। ट्रैफिक जाम के चलते भी चौराहों पर गाड़ियां धुंआ उगलती रहीं। नतीजतन, इसका सीधा असर वायु की गुणवत्ता पर देखने को मिला। हालांकि, इस बार अक्टूबर में बारिश की वजह से एक्यूआई पिछले साल के मुकाबले थोड़ा बेहतर रहा है।

नोएडा में एक्यूआई 315 दर्ज: उधर, गौतमबुद्ध नगर कमिश्नरेट पुलिस जिले में 35 स्थानों पर रावण दहन और 200 स्थानों पर स्थापित दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन आदि आयोजित किया गया। आग से बचाव के लिए 250 अग्निशमनकर्मी और 26 गाड़ियां तैयार रहीं। शहर में दशहरे की धूम भी दिखी। देर रात तक सड़कें गुलजार रहीं। हालांकि, सुबह जब नींद खुली एक्यूआई 315 दर्ज किया गया। 'एक्यूआई डॉट इन' वेबसाइट पर प्रदर्शित हो रहे आंकड़े चिंता का सबब हैं।

मिड-डे मील टेंडर को चुनौती देने से पहले करना होगा यह काम, सिविल कोर्ट ने स्पष्ट की कानूनी प्रक्रिया

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम पोषण योजना के तहत सरकारी स्कूलों में मिड-डे मील की आपूर्ति के लिए एनजीओ के चयन को चुनौती देने वाले मामले में कोर्ट ने महत्वपूर्ण टिप्पणी की है।

तीस हजारी स्थित जिला न्यायाधीश की अदालत ने कहा कि निविदा के माध्यम से सेवाएं उपलब्ध कराने से जुड़ा विवाद वाणिज्यिक विवाद की श्रेणी में आता है।

ऐसे मामलों में मुकदमा दायर करने से पहले मध्यस्थता और समझौते की अनिवार्य प्रक्रिया का पालन करना जरूरी है। इसी आधार पर अदालत ने सुभारती जनकल्याण समिति का मुकदमा खारिज कर दिया।

क्यों नहीं आता यह मामला सिविल कोर्ट के अधिकार क्षेत्र में: जिला न्यायाधीश तरुण योगेश की अदालत ने कहा कि विवाद वाणिज्यिक न्यायालय अधिनियम, 2015 की धारा 2(1)(सी)(18) के अंतर्गत आता है। अधिनियम के तहत मुकदमा दायर करने से पहले पूर्व-विवाद मध्यस्थता की प्रक्रिया अनिवार्य है। अदालत ने माना कि इस मामले में



सिविल कोर्ट का अधिकार क्षेत्र नहीं बनता। सुभारती जनकल्याण समिति ने दिल्ली सरकार के शिक्षा विभाग और चयनित संस्थाओं के खिलाफ मुकदमा दायर किया था। समिति ने तकनीकी मूल्यांकन समिति की चार फरवरी 2026 की सिफारिश, सात अप्रैल को जारी स्वीकृति पत्र और 30 अप्रैल के कार्यादेशों को चुनौती दी थी। याचिकाकर्ता का आरोप था कि चयन प्रक्रिया में मनमानी और पारदर्शिता की कमी बरती गई व कुछ संस्थाओं का चयन निर्धारित पात्रता शर्तें पूरी नहीं करने के बावजूद किया गया। समिति ने दावा किया था कि उसने पीएम पोषण योजना के मानकों के अनुरूप रसोई तैयार करने के लिए करीब 60 लाख रुपये खर्च किए हैं। वहीं, दिल्ली सरकार के शिक्षा विभाग ने मुकदमे की पोषणीयता पर सवाल उठाते हुए इसे वाणिज्यिक विवाद बताया था।

पहले भी खारिज हो चुके हैं ऐसे मामले

अदालत ने अपने फैसले में इसी तरह के तीन अन्य मामलों का भी उल्लेख किया। इनमें विश्वकर्मा एजुकेशन एंड चैरिटेबल सोसायटी, भारतीय मानव कल्याण परिषद और दलित मानव उत्थान संस्थान की ओर से दायर मुकदमे शामिल थे। अदालत के अनुसार, इन मामलों में भी समान राहत मांगी गई थी और 14 अक्टूबर को उन्हें खारिज या अस्वीकार कर दिया गया था। अदालत ने संबंधित कानूनी प्रविधानों और पूर्व मामलों में दिए गए निष्कर्षों के आधार पर सुभारती जनकल्याण समिति का वाद भी खारिज कर दिया।

3 दशक और 8000 करोड़ खर्च के बाद भी यमुना मैली, अब नए ब्लूप्रिंट से ढाई साल में सफाई करने का दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकारी उपेक्षा, राजनीतिक इच्छाशक्ति के अभाव और नागरिक लापरवाही के कारण जीवनदायिनी यमुना आज मृतप्राय स्थिति में पहुंच चुकी है। तीन दशकों से स्वच्छता के दावों और राजनीति का केंद्र रही यमुना में आठ हजार करोड़ रुपये से अधिक बहाए जा चुके हैं, लेकिन योजनाओं में विसंगति और क्रियान्वयन में कमी के चलते नदी की स्थिति में कोई ठोस सुधार नहीं हुआ। हर नई सरकार के साथ यमुना को साफ करने की एक नई डेडलाइन तय हो जाती है। अब दिल्ली की नई भाजपा सरकार ने अगले ढाई वर्षों में यमुना को पूरी तरह स्वच्छ करने का वादा किया है। इससे पूर्व, वर्ष 2015 में सत्ता में आई आम आदमी पार्टी ने भी पांच वर्षों में यमुना सफाई का वादा किया था, जिसे बाद में पांच साल और बढ़ाया गया, लेकिन नतीजे शून्य रहे। भाजपा द्वारा वर्ष 2025 के चुनाव में इसे प्रमुख मुद्दा बनाने के बाद, अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की निगरानी में केंद्र और पड़ोसी राज्यों के समन्वय से एक व्यापक कार्ययोजना पर काम शुरू हुआ है। यमुना को बचाने के लिए नए और विकेंद्रीकृत सीवेज उपचार संयंत्र (डीएसटीपी) स्थापित किए जा रहे हैं ।

संक्षिप्त समाचार

परविंदर झोटा मर्डर केस की सीबीआई जांच शुरू, पंजाब पुलिस से केस की फाइलें और आरोपी केमिस्ट की कस्टडी लेने की तैयारी

चंडीगढ़, एजेंसी। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने परविंदर सिंह झोटा के मामले की जांच मंगलवार को सीबीआइ को सौंप दी है। उन्होंने कहा कि परिवार की मांग का सम्मान करते हुए यह फैसला लिया गया है।

सरकार नशा तस्करों के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेगी और पंजाब को नशामुक्त बनाने के लिए हर जरूरी कदम उठाएगी। बुधवार को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने इस हत्याकांड को लेकर एक बार फिर से मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारी इस बात की जांच करेंगे कि प्रतिबंधित नशीले पदार्थों की केमिस्ट की दुकानों पर खुलेआम बिक्री के पीछे क्या कोई संबंध है। सीबीआई मानसा में पंजाब पुलिस से मामले से जुड़े दस्तावेज अपने कब्जे में लेगी। भ्रष्टाचार-रोधी जांच एजेंसी केमिस्ट अश्विनी कुमार और अन्य लोगों की कस्टडी की मांग करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार परविंदर सिंह झोटा के पिता और उनके परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है। नशे के खिलाफ लड़ाई में सरकार पीछे नहीं हटेगी। पंजाब के युवाओं की रक्षा करना और उनके भविष्य को सुरक्षित बनाना सरकार की प्राथमिकता है।

बच्चे को जबरन चूमना स्नेह नहीं', मुंबई की पीओसीएसओ कोर्ट ने 50 साल के व्यक्ति को सुनाई 5 साल कठोर कैद की सजा

मुंबई, एजेंसी। विशेष पॉक्सो कोर्ट ने 50 साल के व्यक्ति को चार साल की बच्ची के साथ गंभीर यौन उत्पीड़न करने के मामले में पांच साल की कठोर कैद की सजा सुनाई गई है। आरोपी ने कोर्ट में दावा किया था कि वो सिर्फ बच्ची को प्यार कर रहा था। कोर्ट ने आरोपी के इस दावे को खारिज कर दिया और पांच साल की सजा सुनाते हुए 10,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट की विशेष जज ऋचा डी. खेडेकर ने कहा, 'अभियोजन पक्ष ने 12 साल से कम उम्र की बच्ची के साथ गंभीर यौन उत्पीड़न का जुर्म साबित कर दिया है।' कोर्ट ने आरोपी पर 10,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। जुर्माना न भरने पर उसे दो महीने की साधारण कैद भुगतनी होगी। साथ ही, बच्ची को मुआवजे के तौर पर 5,000 रुपये देने का आदेश दिया गया। कोर्ट ने सजा सुनाते हुए कहा, 'चार साल की बच्ची के साथ यौन उत्पीड़न जैसे मामलों में शुरुआती स्तर पर ही कड़ी सजा दी जानी चाहिए, ताकि भविष्य में और भी गंभीर अपराधों को रोका जा सके।'

जज ने कहा, 'यह सजा समाज के लिए एक संदेश होनी चाहिए, ताकि कोई भी व्यक्ति किसी नाबालिग पीड़ित के खिलाफ ऐसी हरकत न करे।'

जज ने आरोपी की उम्र, उसका कोई पुराना आपराधिक रिकॉर्ड न होने और उसे खुद को सुधारने का एक मौका देने की जरूरत पर भी ध्यान दिया।

बच्ची की बात पर कोर्ट ने किया भरोसा

कोर्ट ने गौर किया कि बच्ची ने क्रॉस एग्जामिनेशन के दौरान बताया था कि उसके परिचित लोग कभी-कभी उसे गोद में उठा लेते थे, हवा में उछालते थे, पकड़ते थे, चूमते थे और वापस उसकी मां को सौंप देते थे।

कोर्ट ने कहा कि ऐसा व्यवहार उन लोगों के साथ होता है जिन्हें बच्ची जानती है, जबकि आरोपी एक अजनबी था। कोर्ट ने बच्ची की गवाही को उसकी कम उम्र के बावजूद भरोसेमंद माना।

यह घटना 3 मार्च 2025 को हुई थी, जब बच्ची अपनी मां के साथ एक मंदिर की ओर जा रही थी। अभियोजन पक्ष ने बताया कि आरोपी ने पीड़िता को पकड़ा, उसकी गर्दन और हाथ जकड़ लिए, जबरदस्ती उसे चूमा और उसके गाल तथा गर्दन के पिछले हिस्से पर काट लिया, जिससे वह रोने लगी।

मणिपुर में अब कुकी व्यक्ति की गोली मारकर हत्या, कई इलाकों में आगजनी

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर में हिंसा थमने का नाम नहीं ले रहा है। कांगपोकपी जिले में मंगलवार सुबह उग्रवादियों ने कुकी समुदाय के व्यक्ति पाओलेन खोंगसाई की गोली मारकर हत्या कर दी। वह पी मोल्डिंग गांव के एक अन्य व्यक्ति के साथ जंगल में बांस की कोपलें इकट्ठा करने गए थे तभी उग्रवादियों ने हमला किया। दूसरा व्यक्ति हमले में जान बचाकर भागने में सफल रहा।

हत्या के विरोध में कमेटी आन ट्राइबल यूनिटी ने जिले में आधी रात से 24 घंटे के बंद का आह्वान किया है। सोमवार को इसी जिले में उग्रवादियों ने सुनरोक क्षेत्र में जलावन की लकड़ी बीन रहे मैतेयी समुदाय के 14 लोगों पर उग्रवादियों ने घात लगाकर हमला कर दिया था। इस गोलीबारी में तीन लोगों की मौत हो गई थी।

40 घंटे बाद कांग्रेस नेताओं से मिलने पहुंचे जयपुर पुलिस कमिश्नर, डोटासरा के पैर में लगी चोट



जयपुर, एजेंसी। जयपुर में रितु बराला केस में जीरो एफआईआर दर्ज कराने की मांग को लेकर कांग्रेस का धरना लगातार जारी है। सोमवार शाम से पुलिस कमिश्नरेट में बैठे कांग्रेस नेताओं से करीब 40 घंटे बाद बुधवार को पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल बातचीत करने पहुंचे।

इस दौरान पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा के पैर में चोट लगने की बात भी सामने आई है। बुधवार सुबह कमिश्नरेट के अंदर जाते समय उनके पैर के पंजे में चोट लगी। डोटासरा समेत कांग्रेस के कई नेता कमिश्नरेट के अंदर धरने पर बैठे हैं। वहीं, बाहर शहीद स्मारक पर कांग्रेस कार्यकर्ता पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। कांग्रेस नेता रितु बराला मामले में जीरो एफआईआर दर्ज करने की मांग पर अड़े हैं। मंगलवार रात को भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झड़प हुई थी। इसमें एक कार्यकर्ता घायल हो गया था।

40 घंटे बाद कमिश्नर पहुंचे, कमरा नंबर 9 में बातचीत

कांग्रेस नेताओं के धरने के बीच बुधवार को पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल उनसे बातचीत करने पहुंचे। वे कमिश्नरेट के कमरा नंबर 9 में डोटासरा और दूसरे कांग्रेस नेताओं से बात कर रहे हैं।

करीब 40 घंटे से जारी धरने के बाद पुलिस कमिश्नर का नेताओं से मिलने पहुंचना इस पूरे घटनाक्रम का अहम पड़ाव है।

इससे पहले बुधवार सुबह एडिशनल पुलिस कमिश्नर रामेश्वर सिंह, डीसीपी साउथ राजर्षि राज, प्रदीप और एडिशनल डीसीपी ललित कुमार भी कांग्रेस नेताओं से मिलने पहुंचे थे। बातचीत के दौरान डोटासरा ने एक बार फिर जीरो एफआईआर दर्ज करने की मांग दोहराई।

कमिश्नरेट में जाते समय डोटासरा के पैर में चोट

बुधवार सुबह पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा कमिश्नरेट के अंदर जाते समय फिसल गए। इससे उनके पैर के पंजे में चोट लग गई। इसके बावजूद कांग्रेस नेता धरने पर अपनी मांग पर अड़े हुए हैं। डोटासरा ने कहा कि यह मामला राजस्थान की बेटी को न्याय दिलाने से जुड़ा है। उनका राजस्थान पुलिस से कोई विवाद नहीं है। कांग्रेस की मांग है कि रितु बराला के मामले में जीरो एफआईआर दर्ज की जाए, ताकि मामले में कार्रवाई आगे बढ़ सके।

कमिश्नरेट के बाहर भी प्रदर्शन, कृष्णा पूनिया गेट पर बैठीं

कांग्रेस के धरने का असर कमिश्नरेट के अंदर ही नहीं, बाहर भी दिखाई दे रहा है। शहीद स्मारक पर कांग्रेस कार्यकर्ता धरने पर बैठे हैं और पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं।

धरने में शामिल होने के लिए पूर्व विधायक कृष्णा पूनिया और प्रहलाद गुंजल भी पुलिस कमिश्नरेट पहुंचे थे। हालांकि, उन्हें अंदर जाने की अनुमति नहीं मिली। इससे नाराज कृष्णा पूनिया कमिश्नरेट के गेट पर ही धरने पर बैठ गईं। इस तरह कमिश्नरेट के अंदर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता धरना दे रहे हैं, जबकि बाहर भी कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन जारी है। कांग्रेस नेता मामले में जीरो एफआईआर दर्ज होने तक अपनी मांग पर कायम हैं।

जूली बोले- टॉयलेट लॉक कर दिए, जेल जैसी स्थिति बना रखी है

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने पुलिस प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता नियमों के तहत अपनी बात रखना चाहते हैं, लेकिन उनकी बात नहीं सुनी जा रही है और न ही कोई जवाब दिया जा रहा है। जूली ने आरोप लगाया कि कमिश्नरेट में टॉयलेट पर ताले लगा दिए गए हैं। पार्क में बैठने जाने पर भी रोका जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक तरह से जेल जैसी स्थिति बना दी गई है। जूली के मुताबिक, कांग्रेस नेता नियमों में प्रावधान होने के आधार पर जीरो एफआईआर दर्ज करने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक बेटी को न्याय दिलाने के लिए आवाज उठाई जा रही है और सरकार को उनकी बात आज नहीं तो कल सुननी ही पड़ेगी।

मंगलवार रात पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं में हुई थी झड़प

धरने के दौरान मंगलवार रात कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झड़प भी हुई थी। इसमें एक कार्यकर्ता घायल हो गया। इसके बाद भी कांग्रेस नेताओं ने धरना खत्म नहीं किया।

देवर से लव अफेयर को लेकर पति से हुआ झगड़ा, दो बच्चों के संग कुएं में कूदी महिला; तीनों की मौत





ललितपुर एजेंसी। यूपी के ललितपुर से एक दर्दनाक घटना सामने आई है। जहां 16 साल छोटे देवर के साथ प्रेम प्रसंग की जानकारी मिलने के बाद पति से हुए विवाद के बीच एक महिला अपने दो बच्चों को लेकर कुएं में कूद गई। इस हादसे में तीनों की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दमकल कर्मियों की मदद से तीनों के शव कुएं से बाहर निकलवाए। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया।

ये घटना थाना बानपुर क्षेत्र अंतर्गत टीकरा तिवारी गांव का है। 32 वर्षीया पूजा का अपने पति बालकिशन कुशवाहा के साथ सोमवार रात विवाद हो गया। जिसके चलते पति ने पत्नी के साथ मारपीट कर दी। हालांकि परिजनों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया गया। जिसके बाद सभी लोग अपने-अपने कमरे में सोने चले गए। महिला भी अपने कमरे में पति और अपने दो बच्चों के साथ सोने चली गई। वहीं, उसका बड़ा बेटा अपने दादा के साथ था। रात करीब दो बजे पति की अचानक नींद खुली, तो उसकी पत्नी दोनों बच्चों के साथ कमरे में नहीं थी। पति ने उठकर घर में खोजबीन की, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। उसने अपने परिजनों को जगाया और घटना की जानकारी दी।

कुएं में तैरता मिला तीनों के शव

इसके बाद परिजन महिला की तलाश में जुट गए। मकान के पीछे खोजबीन करने पहुंचे तो कुएं के पास महिला और बच्चों की चप्पलें पड़ी मिलीं। वहीं, कुएं के पानी में महिला का कपड़ा तैरता दिखाई दिया। इसके बाद परिजनों ने तत्काल डायल 112 और बानपुर थाना पुलिस को सूचना दी। मंगलवार सुबह पुलिस मौके पर पहुंची और दमकल विभाग की टीम को बुलाया। दमकलकर्मियों ने कुएं में कांटा डालकर महिला और बच्चों की तलाश शुरू की। इस दौरान महिला और एक बच्चे का शव बाहर निकाला गया। तीसरे बच्चे की तलाश के लिए कुएं का पानी खाली कराया गया। इसके बाद उसका शव भी बरामद कर लिया गया। पुलिस ने तीनों शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस मामले में अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह का कहना है कि दिनांक 20 अक्टूबर को समय करीब साढ़े चार बजे पीआरवी ने थाना बानपुर पुलिस को सूचना दी कि गांव टीकरातिवारी में बाल किशन कुशवाहा की पत्नी पूजा ने अपने दो बच्चे लक्ष्य और पूर्वी के साथ घर के पास कुएं में कूदकर आत्महत्या कर ली। अभी तक की जांच में पाया गया कि मृतका का अपने ही परिवार के देवर के साथ प्रेम-प्रसंग था। इसकी जानकारी होने के बाद पति और पत्नी के बीच वाद विवाद हुआ था। जिसके बाद यह घटना हुई।

हिमाचल में बर्फबारी बढ़ाएगी ठंड, दो दिन फिर तेवर दिखाएगा मौसम

शिमला, एजेंसी। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला द्वारा जारी किए गए ताजा पूर्वानुमान के अनुसार 24 और 25 अक्टूबर को प्रदेश के ऊंचे क्षेत्रों में कुछ एक स्थानों पर हल्के हिमपात या वर्षा की संभावना जताई गई है। हालांकि बाकी दिनों में मौसम के साफ रहने को अनुमान है। प्रदेश में इन दिनों सुबह और शाम की ठंड बढ़ी हुई है।

मैदानी क्षेत्रों में में भी अब सुबह और शाम की ठंडक बढ़ने लगी है।



प्रदेश में 10 स्थानों पर न्यूनतम तापमान दो डिग्री से कम दर्ज किया गया है। जबकि धूप के खिलने से आठ स्थानों का अधिकतम तापमान 28 डिग्री के पार दर्ज किया गया है। मंगलवार को धूप खिलने के बावजूद अधिकतम तापमान में एक से दो डिग्री तक का अंतर आया है।

अधिकतम तापमान में भी गिरावट: प्रदेश में अधिकतम तापमान में सुंदरनगर में 2 डिग्री की गिरावट, नेरी में 1.4, ताबो में 1.1 डिग्री की वृद्धि दर्ज की गई है। जबकि बाकी स्थानों पर एक डिग्री से कम का अंतर आया है। प्रदेश में सबसे अधिक तापमान ऊना में 32.4 डिग्री दर्ज किया गया है। जो सामान्य से 1.2 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। केलंग में अधिकतम तापमान सामान्य से 4.8 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। जबकि बाकी स्थानों पर सामान्य से एक से दो डिग्री का अंतर है।

पांवटा साहिब में सबसे अधिक गिरावट: प्रदेश में न्यूनतम तापमान में पांवटा साहिब में तीन डिग्री की गिरावट के साथ 18 डिग्री, धर्मशाला में 2.5 डिग्री की गिरावट के साथ 14.4 डिग्री और देहरा गोपीपुर में 2 डिग्री की वृद्धि के साथ 16 डिग्री दर्ज किया गया।

'हाई कोर्ट ने कैसे दे दिया ऐसा आदेश', दोषियों को छोड़ने के इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट नाराज

प्रयागराज, एजेंसी। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने गंभीर चोट पहुंचाने के मामले में दो दोषियों को एक दिन की भी जेल की सजा काटे बिना ही बरी कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के इस फैसले पर आपत्ति जताई है। हाई कोर्ट ने दोषियों को बरी करते हुए यह आधार दिया कि 22 साल तक चली लंबी सुनवाई के कारण दोषियों को परेशानी झेलनी पड़ी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अदालतों ने पीड़ित के बारे में नहीं सोचा, जिसका इलाज आज भी चल रहा है।



सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट को दिया निर्देश: जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की बेंच ने कहा, 'यह 'गलत सहानुभूति' का मामला है। ट्रायल कोर्ट ने दोनों को पांच साल की जेल की सजा सुनाई थी, लेकिन हाई कोर्ट ने उन्हें प्रोबेशन (परिवीक्षा) पर रिहा कर दिया। पीड़ित को न्याय दिलाने के मामले में यह केस शुरुआत से ही विफल रहा।'

कोर्ट ने कहा, 'हमें यह देखकर हैरानी और चिंता होती है कि ट्रायल कोर्ट और हाई कोर्ट ने मामले को कितनी लापरवाही से लिया। संज्ञान लेने से लेकर प्रोबेशन ऑफ ऑफेंडर्स एक्ट के तहत आरोपियों की रिहाई तक। वे बिना एक दिन भी जेल काटे बच निकले और ऐसा कानून की बड़ी-बड़ी व्याख्याओं के आधार पर दिखाई गई गलत सहानुभूति की वजह से हुआ।'

राजस्थान के झुंझुनूं में बेटों ने पिता की गला घोंटकर हत्या की

पेट्रोल डालकर जलाया; घर के पीछे गड्ढे में छिपाया शव

झुंझुनूं, एजेंसी। हैरानी की बात यह है कि पिता की हत्या के बाद दोनों बेटे करीब सात दिन तक परिजनों और आसपास के लोगों को उनके मुंबई जाने की बात कहते रहे। किसी को शक न हो, इसके लिए उन्होंने शव के बारे में जानकारी होने से भी इनकार कर दिया। लेकिन घर के पीछे से उठती बदबू ने इस पूरे मामले का राज खोल दिया।

राजस्थान के झुंझुनूं जिले में एक पिता की हत्या के मामले में उसके ही दो बेटों को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि घरेलू विवाद के चलते दोनों बेटों ने पहले पिता की गला घोंटकर हत्या की। इसके बाद वारदात छिपाने के लिए शव पर पेट्रोल डालकर जलाने की कोशिश की और घर के पीछे गड्ढे में दबा दिया। शव को छिपाने के लिए उसके ऊपर खेजड़ी की लकड़ियां भी डाल दीं।

हैरानी की बात यह है कि पिता की हत्या के बाद दोनों बेटे करीब सात दिन तक परिजनों और आसपास के लोगों को उनके मुंबई जाने की बात कहते रहे। किसी को शक न हो, इसके लिए उन्होंने शव के बारे में जानकारी होने से भी इनकार कर दिया। लेकिन घर के पीछे से उठती बदबू ने इस पूरे मामले का राज खोल दिया। पड़ोस में रहने वाले मृतक के भतीजे को शक हुआ तो उसने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने गड्ढे में दबा शव बरामद किया। जांच के बाद पुलिस ने दोनों बेटों शिव (32) और दीपेन्द्र (30) को गिरफ्तार कर लिया।

घटना झुंझुनूं जिले के सुलताना थाना क्षेत्र के तारा का बास गांव की है। पुलिस के मुताबिक, मामले में घरेलू विवाद हत्या की वजह सामने आया है।

जीणमाता मंदिर से लौटने के बाद हुआ था विवाद: थानाधिकारी रामनिवास ने बताया कि मृतक जुगलकिशोर जांगिड़ (52) पहले मुंबई में रहकर फर्नीचर का काम करते थे। उनके दोनों बेटे भी मुंबई में रहते थे। करीब एक साल पहले जुगलकिशोर गांव लौट आए थे। पुलिस के अनुसार, जुगलकिशोर शराब पीने के बाद गाली-गलौज करते थे। इस कारण घर में अक्सर विवाद होता था। पुलिस जांच के मुताबिक, 11 अक्टूबर को जुगलकिशोर अपने परिजनों के साथ गांव के जीणमाता मंदिर गए थे। वहां भी शराब के नशे में गाली-गलौज करने को लेकर विवाद हुआ। इसके बाद घर में झगड़ा बढ़ गया। आरोप है कि इसी विवाद के दौरान बेटे शिव ने पिता की गला घोंटकर हत्या कर दी। मामले में दूसरे बेटे दीपेन्द्र की भूमिका भी सामने आने के बाद पुलिस ने उसे भी आरोपी बनाया।

पेट्रोल डालकर जलाने की कोशिश, फिर गड्ढे में दबाया शव: पुलिस के अनुसार, हत्या के बाद आरोपियों ने वारदात को छिपाने की कोशिश की। इसके लिए शव पर पेट्रोल डालकर उसे जलाने का प्रयास किया गया। बाद में शव को घर के पीछे बने गड्ढे में दबा दिया गया। ऊपर से खेजड़ी की लकड़ियां डाल दी गईं, ताकि किसी को वहां शव होने का शक न हो। आरोपियों को उम्मीद थी कि इस तरह वारदात का पता नहीं चलेगा। इसी बीच वे लोगों को बताते रहे कि उनके पिता काम के सिलसिले में मुंबई गए हुए हैं। कई दिन तक यह कहानी चलती रही, लेकिन घर के पीछे से आने वाली बदबू ने संदेह पैदा कर दिया।

राजस्थान में बारिश-ओले के बाद बढ़ी ठंडक, 24 अक्टूबर से फिर बदलेगा मौसम

जयपुर, एजेंसी। पश्चिमी राजस्थान के बाड़मेर, जोधपुर, जैसलमेर और बीकानेर में मौसम साफ रहा। यहां बारिश के बजाय तेज धूप का असर दिखाई दिया। बाड़मेर में अधिकतम तापमान 39.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यानी प्रदेश के कुछ इलाकों में जहां बारिश के बाद ठंडक महसूस होने लगी

राजस्थान में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि के बाद मौसम का मिजाज बदलने लगा है। दक्षिणी राजस्थान के कई इलाकों में मंगलवार को तेज हवा के साथ बारिश हुई, जबकि भीलवाड़ा और राजसमंद में ओले भी गिरे। बारिश के असर से रात के तापमान में गिरावट आई है। प्रदेश के 10 से ज्यादा जिलों में न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया है। सीकर में तो रात का पारा माउंट आबू से भी नीचे दर्ज हुआ।

मौसम विभाग के अनुसार, अगले तीन दिन प्रदेश में मौसम साफ रहने और धूप निकलने की संभावना है। लेकिन इसके बाद मौसम फिर करवट ले सकता है। 24 अक्टूबर से एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना है।



कहीं बारिश-ओले, तो कहीं तेज धूप; राजस्थान में मौसम के दो रंग: मंगलवार को प्रदेश के कई जिलों में मौसम का अलग-अलग रूप देखने को मिला। राजसमंद, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, पाली, बूंदी, सिरोही और उदयपुर के कई इलाकों में दोपहर बाद अचानक मौसम बदला। तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। भीलवाड़ा और राजसमंद में ओलावृष्टि भी हुई, जिससे इन क्षेत्रों में ठंडक बढ़ गई।

दूसरी ओर, पश्चिमी राजस्थान के बाड़मेर, जोधपुर, जैसलमेर और बीकानेर में मौसम साफ रहा। यहां बारिश के बजाय तेज धूप का असर दिखाई दिया। बाड़मेर में अधिकतम तापमान 39.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यानी प्रदेश के कुछ इलाकों में जहां बारिश के बाद ठंडक महसूस होने लगी, वहीं कुछ जगहों पर दिन में गर्मी का असर बना रहा।

सीकर में माउंट आबू से भी ठंडी रात, पारा 14.2 डिग्री पर: बारिश के बाद रात के तापमान में गिरावट का असर अब साफ दिखाई देने लगा है। मंगलवार को सीकर प्रदेश के सबसे ठंडे इलाकों में शामिल रहा। यहां न्यूनतम तापमान 14.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो माउंट आबू के न्यूनतम तापमान से भी कम है। माउंट आबू में रात का तापमान 15.5 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं, फतेहपुर में भी न्यूनतम तापमान 15.5 डिग्री दर्ज किया गया। अजमेर, नागौर और चूरू समेत 10 से ज्यादा जिलों में रात का पारा 20 डिग्री से नीचे चला गया।

लगातार हो रही बारिश और तापमान में गिरावट के कारण प्रदेश के कई हिस्सों में सुबह और रात के समय ठंडक बढ़ने लगी है। हालांकि, दिन में धूप निकलने से कई इलाकों में गर्मी का असर भी बना हुआ है।

जयपुर में रात का तापमान 2 डिग्री गिरा: राजधानी जयपुर में भी बारिश का असर तापमान पर दिखाई दिया। पिछले दिनों हुई बारिश के बाद मंगलवार को न्यूनतम तापमान में करीब 2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय प्रवासियों की ताकतः अमेरिका में भारतवंशियों का सवा लाख करोड़ का निवेश



अल्बानी, एजेंसी । अटलांटा स्थित भारत के महावाणिज्य दूतावास ने बताया कि अमेरिका के दक्षिण-पूर्वी राज्यों में लगभग 4.5 लाख भारतीय-अमेरिकियों ने 12.5 अरब डॉलर (करीब 1.18 लाख करोड़ रुपये) का भारी-भरकम निवेश किया है। इस निवेश के जरिये अमेरिका में स्थानीय स्तर पर लगभग 12,500 नौकरियां पैदा हुई हैं। यह खुलासा ऐसे समय में हुआ है, जब दोनों देशों के बीच लंबित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत अंतिम दौर में है। ट्रंप प्रशासन की आव्रजन तथा एच-1बी वीजा नीतियों पर बहस छिड़ी हुई है और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो भारत दौरे पर हैं। दूतावास के अनुसार, अटलांटा, नैशविले, ग्रीनविले, बर्मिंघम, टाम्पा, जैक्सनविले, मियामी और ऑरलैंडो जैसे प्रमुख शहरों में भारतीय-अमेरिकी केवल व्यवसाय नहीं चला रहे, बल्कि समुदायों का निर्माण कर रहे हैं।

रोजगार देने वाला भारतीय समुदाय

चुनावी राजनीति और आव्रजन पर छिड़ी बहसों के बीच भारतीय-अमेरिकी प्रवासियों का यह 12.5 अरब डॉलर का निवेश और हजारों नौकरियों का सृजन इस बात का सबूत है कि भारतीय समुदाय केवल नौकरी मांगने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला भी है।

मुंबई में मार्को रुबियो और डॉ. जयशंकर की वार्ता केवल दो सरकारों के बीच कूटनीतिक संवाद नहीं है, बल्कि उस आर्थिक और तकनीकी साझेदारी पर मुहर लगाने का अवसर है, जिसकी मजबूत बुनियाद दोनों देशों के प्रवासियों और उद्यमियों ने अपने पसीने और पूंजी से तैयार की है।

ट्रंप प्रशासन के दावों से विपरीत तस्वीर

ये आधिकारिक आंकड़े ट्रंप प्रशासन के उन दावों को सीधे चुनौती देते हैं, जिनमें अमेरिकी नियोक्ताओं पर एच-1बी वीजा के जरिये स्थानीय कामगारों को बदलने का आरोप लगाया जाता है। प्यू रिसर्च के अनुसार, अमेरिका में लगभग 52 लाख भारतीय-अमेरिकी रहते हैं। 2023 में भारतवंशी परिवारों की औसत वार्षिक आय 1,51,200 डॉलर (करीब 1.43 करोड़ रुपये) रही, जो अन्य समुदायों से काफी अधिक है। भारतीय कंपनियों ने अमेरिका में 20.5 अरब डॉलर के अतिरिक्त निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। भारत के एस्सार ग्रुप समर्थित मेसाबी मैटेलिक्स ने मिनेसोटा और आयोवा में 18 अरब डॉलर के विशाल स्टील कॉम्प्लेक्स का एलान किया है।

यूरोप में ढह रहा मध्यमार्गी राजनीति का किला



पेरिस, एजेंसी। यूरोप के सबसे बड़े और प्रमुख देशों में मध्यमार्गी राजनीतिक दलों का जनाधार तेजी से खिसक रहा है। धीमी आर्थिक वृद्धि, महंगाई, और युवाओं के सामने धुंधले भविष्य के संकट ने आम जनता के गुस्से को भड़का दिया है। असंतोष का फायदा धुर-दक्षिणपंथी और चरम-वामपंथी राजनीतिक दलों को मिल रहा है। फ्रांस का संकट इसका उदाहरण हैं, लेकिन यह प्रवृत्ति पूरे यूरोप में कई वर्षों से गहरी जड़ें जमा रही है।

विश्लेषकों का कहना है कि अगले एक वर्ष में यूरोप के चार बड़े देशों स्पेन, फ्रांस, इटली और पोलैंड में महत्वपूर्ण चुनाव होने वाले हैं, जहां अतिवादी पार्टियां मुख्यधारा के दलों के लिए चुनौती बनी हुई हैं। फ्रांस में राष्ट्रपति पद की दौड़ में मरीन ले पेनकी अति-दक्षिणपंथी पार्टी नेशनल रैली सर्वे में सबसे आगे चल रही है। वहीं, जर्मनी में अति-दक्षिणपंथी अल्टरनेटिव फॉर जर्मनी 28 समर्थन के साथ सबसे लोकप्रिय पार्टी बनकर उभरी है।

ब्रिटेन के 2024 के चुनावों में दोनों पारंपरिक दलों लेबर और कंजर्वेटिव का संयुक्त वोट शेयर एक सदी के सबसे निचले स्तर पर आ गया। इटली में दक्षिणपंथी प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलनी को भी अति-दक्षिणपंथी धड़ों से चुनौती मिल रही है।

10 साल बाद ही एग्जिट और 3 महीने का नोटिस...

शर्तों पर हुआ है पाकिस्तान-सऊदी-तुर्किये के बीच समझौता?



रियाद, एजेंसी। पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये को अपने रक्षा समझौते के लागू होने के बाद कम से कम 10 साल तक इसमें बने रहना होगा। यदि इसके बाद कोई भी सदस्य देश समझौते से अलग होना चाहता है, तो उसे कम से कम तीन महीने पहले लिखित नोटिस देना अनिवार्य होगा।

यह शर्त 16 अनुच्छेदों वाले मक्का संयुक्त रक्षा समझौते के अनुच्छेद 16 में तय की गई है। हाल ही में सामने आए इस समझौते के पूर्ण मसौदे से गठबंधन से हटने और सैन्य मदद से जुड़े नियम स्पष्ट हुए हैं। समझौते की 10 वर्ष की अवधि हस्ताक्षर की तारीख से नहीं, बल्कि गठबंधन के सचिवालय में अंतिम अनुमोदन दस्तावेज जमा होने के दिन से गिनी जाएगी।

किसी एक देश पर हमला होने की स्थिति में क्या होगा?: इस समझौते के तहत यदि किसी भी सदस्य देश पर कोई हमला होती है, तो बाकी देश उसकी सहायता के लिए बाध्य होंगे।

समझौते के अनुच्छेद 2 में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि किसी एक देश या देशों के समूह द्वारा सदस्य देश पर हमला होने की स्थिति में अन्य देश उपलब्ध पारस्परिक सहायता उपायों का इस्तेमाल करते हुए तुरंत मदद मुहैया कराएंगे।

समझौते में यह अनिवार्य नहीं किया गया है कि हर हमले पर एक जैसी सैन्य प्रतिक्रिया ही दी जाए। सहायता का स्वरूप और पैमाना इस बात पर निर्भर करेगा कि पीड़ित देश की वास्तविक आवश्यकताएं क्या हैं, सहयोगी देशों के पास किस स्तर के सैन्य संसाधन उपलब्ध हैं। यह लचीलापन तीनों सरकारों को संकट के समय अपने हिसाब से निर्णय लेने का अवसर देता है।

समझौते को कानूनी मंजूरी देने की दिशा में तुर्किये

तुर्किये की सरकार ने पाकिस्तान और सऊदी अरब के साथ हुए इस रक्षा समझौते को मंजूरी के लिए अपनी संसद में पेश कर दिया है। यह कदम अंकारा को रियाद के साथ औपचारिक पारस्परिक रक्षा प्रतिबद्धता के और करीब लाता है, विशेषकर ऐसे समय में जब सऊदी अरब यमन के हूती विद्रोहियों के हमलों का सामना कर रहा है।

तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन, सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने 7 अगस्त को मक्का में इस ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

उस समय नेताओं ने इसका मूल सिद्धांत साझा किया था, किसी भी एक देश पर सशस्त्र हमला तीनों देशों पर हमला माना जाएगा। इसके साथ ही संयुक्त सैन्य अभ्यास, खुफिया जानकारी साझा करने और रक्षा उत्पादन में सहयोग की घोषणा भी की गई थी।

पाकिस्तान का पूरा समर्थन लेकिन आक्रामक भूमिका से तुर्किये का इनकार

सऊदी अरब पर हूती विद्रोहियों के ड्रोन और मिसाइल हमलों के कारण यह समझौता अपनी शुरुआती परीक्षा के दौर से गुजर रहा है। हाल ही में रियाद में हुई आपातकालीन बैठक में तीनों देशों ने सऊदी अरब में सैन्य बलों और क्षमताओं की त्वरित तैनाती सुनिश्चित करने पर सहमति जताई थी। पाकिस्तान के सैन्य प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने कहा कि इस्लामाबाद सऊदी अरब की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और पवित्र स्थलों की सुरक्षा के लिए हर जरूरी मदद दे रहा है। उन्होंने इन स्थलों की रक्षा को पाकिस्तान के लिए सर्वोपरि और गैर-समझौतावादी बताया, हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि यह सैन्य मदद किस रूप में दी जा रही है। दूसरी ओर, तुर्किये मुख्य रूप से सैन्य उपकरण, खुफिया जानकारी और हथियार प्रणालियों के जरिए सहयोग करेगा। तुर्किये के विदेश मंत्री हाकान फिदान ने स्पष्ट किया है कि यह पूरी तरह से एक रक्षात्मक समझौता है और तुर्किये किसी अन्य देश पर हमला करने के लिए अपने सैनिक सीमा पार नहीं भेजेगा।

कैलिफोर्निया के हाईवे पर प्लेन क्रैश, डैशकैम वीडियो में कैद हुआ मंजर; बाल-बाल बचे 3 यात्री



वाशिंगटन, एजेंसी। कैलिफोर्निया के सैन जोस में एक्सप्रेसवे पर उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब एक छोटा विमान बेहद कम ऊंचाई पर उड़ते हुए सीधे सड़क पर आ गिरा। ट्रैफिक सिग्नल पर खड़ी एक कार के डैशकैम में कैद हुए इस खौफनाक हादसे में विमान का पंख स्ट्रीट लाइट के खंभे से टकराकर विमान औंधे मुंह सड़क पर गिर गया। राहत की बात यह रही कि विमान में सवार दो वयस्कों और एक बच्चे सहित सभी यात्री इस भीषण दुर्घटना में बाल-बाल बच गए।

खंभे से पंख टकरा ने से औंधे मुंह सड़क पर गिरा विमानः सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो फुटेज के अनुसार, यह हादसा शनिवार को सैन जोस के कैपिटोल एक्सप्रेसवे और एक्सकैलिबर ड्राइव के चौराहे के पास हुआ। एक छोटा प्रोपेलर विमान अप्रत्याशित रूप से काफी नीचे और तीखे कोण पर उड़ता हुआ दिखाई दिया।

सड़क के किनारे से गुजरते समय विमान का एक पंख वहां लगे स्ट्रीट लाइट के खंभे से जोरदार तरीके से टकरा गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि विमान का पंख तुरंत टूट गया, जिससे विमान अनियंत्रित हो गया।

इसके बाद विमान सीधे आगे की ओर झुका और नाक के बल पक्की सड़क पर जा गिरा। घटनास्थल से सामने आई तस्वीरों में विमान का अगला हिस्सा बुरी तरह कुचला और मुड़ा हुआ नजर आ रहा है। सैन जोस अग्निशमन विभाग के अनुसार, विमान में दो बड़े और एक बच्चा सवार थे। हादसे की गंभीरता को देखते हुए एहतियात के तौर पर तीनों को तुरंत पास के एक स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने पुष्टि की कि किसी को भी जानलेवा चोट नहीं आई है। अधिकारियों ने बताया कि व्यस्त सड़क होने के बावजूद कोई अन्य वाहन इस दुर्घटना की चपेट में नहीं आया, जिससे एक बड़ा हादसा होने से बच गया। टक्कर के बाद सड़क पर थोड़ा ईंधन जरूर गिरा था, जिसे सुरक्षाकर्मियों ने समय रहते साफ कर दिया।

सैन जोस में 24 घंटे के भीतर दूसरा विमान हादसा

उल्लेखनीय है कि सैन जोस में दो दिनों के भीतर यह दूसरा विमान हादसा था। इससे ठीक एक दिन पहले, शुक्रवार को रीड-हिलव्यू हवाई अड्डे पर लैंडिंग के दौरान एक अन्य छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

सैन जोस अग्निशमन विभाग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी थी कि लैंडिंग गियर में तकनीकी खराबी आने के कारण विमान को क्रैश-लैंडिंग करनी पड़ी थी। उस हादसे में भी विमान में सवार दोनों व्यक्ति सुरक्षित बच गए थे और खुद बाहर निकल आए थे, तथा किसी प्रकार के ईंधन का रिसाव नहीं हुआ था।

ईरानी शासन को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध, ट्रंप से बातचीत के बाद बोले नेतन्याहू

यरुशलम। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ सोमवार को इजरायल के अघोषित दौरे पर पहुंचे और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच ईरान के मुद्दे पर चर्चा हुई। इजरायल के तीन अधिकारियों ने यह जानकारी दी।



यह दौरा ऐसे समय हुआ है, जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ रहा है। इधर, नेतन्याहू ने बताया कि उनकी ट्रंप से रविवार को बातचीत हुई। इस दौरान ट्रंप से ईरानी शासन को खत्म करने के मुद्दे पर चर्चा की। हम ईरानी शासन को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू के प्रवक्ता डोरन स्पीलमैन ने बाद में इस मुलाकात की पुष्टि की। यह मुलाकात इजरायल के दक्षिणी नेगेव रेगिस्तानी इलाके में स्थित उव्दा एयरबेस पर हुई। स्पीलमैन के अनुसार, नेतन्याहू और हेगसेथ ने क्षेत्रीय खतरों और इनसे निपटने में अमेरिका और इजरायल की साझेदारी पर चर्चा की। इधर, अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन ने हेगसेथ के इजरायल दौरे पर सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की है।

इजरायल पहुंचे अमेरिकी रक्षा मंत्री ने नेतन्याहू से ईरान पर की चर्चा

अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ सोमवार को इजरायल के अघोषित दौरे पर पहुंचे और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच ईरान के मुद्दे पर चर्चा हुई। इजरायल के तीन अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह दौरा ऐसे समय हुआ है, जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ रहा है। इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू के प्रवक्ता डोरन स्पीलमैन ने बाद में इस मुलाकात की पुष्टि की। यह मुलाकात इजरायल के दक्षिणी नेगेव रेगिस्तानी इलाके में स्थित उव्दा एयरबेस पर हुई। स्पीलमैन के अनुसार, नेतन्याहू और हेगसेथ ने क्षेत्रीय खतरों और इनसे निपटने में अमेरिका और इजरायल की साझेदारी पर चर्चा की। इधर, अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन ने हेगसेथ के इजरायल दौरे पर सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की है।

हूती के हमले से ताइज शहर में भारी तबाही, दो की मौत; संयुक्त राष्ट्र ने दी चेतावनी

ताइज, एजेंसी। हूती विद्रोहियों और यमनी सरकारी बलों के बीच भीषण लड़ाई के कारण ताइज के घनी आबादी वाले रिहायशी इलाके में भारी तबाही हुई है। यहां हूतियों के घातक हमले में दो लोगों की मौत हुई। वहीं, छह लोग घायल हो गए। इस घटना ने ताइज में आम नागरिकों के सामने मौजूद खतरों की ओर फिर से ध्यान खींचा है। देश में बढ़ते संघर्ष के बीच यह शहर लगातार हमलों और घेराबंदी का सामना कर रहा है। यह हमला मंगलवार को हुआ। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर तुर्क ने मंगलवार को कहा कि हूतियों ने ताइज को चारों तरफ से घेर लिया है, जिससे वहां तक पहुंचने वाले ज्यादातर रास्ते बंद हो गए हैं और आम नागरिक गंभीर खतरे में हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, दक्षिण-पश्चिमी यमन के इस रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण शहर की घेराबंदी के कारण कई निवासी भोजन और अन्य जरूरी चीजों से वंचित हो गए हैं, जबकि वहां कीमतें आसमान छू रही हैं

यमन सरकार के एक अधिकारी ने क्या बताया : यमन सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, मंगलवार को ताइज पर हुआ हमला, हूती विद्रोहियों की ओर से एक सरकारी सैन्य शिविर पर किए गए हमले के एक दिन बाद हुआ है। इस हमले में 73 नए रंगरूट मारे गए। गर्मियों में संघर्ष के फिर से भड़कने के बाद से यह अब तक का सबसे घातक हमला है। स्थानीय निवासी जैनब अली ने बताया कि हमले के समय वह घर पर नहीं थीं, लेकिन जब वापस लौटीं तो देखा कि उनका घर पूरी तरह नष्ट हो चुका था। उन्होंने कहा, 'हम अनाथों का एक परिवार हैं, और हमें समझ नहीं आ रहा कि अब क्या करें।' मंगलवार देर रात, यमन की सरकारी सेना ने दावा किया कि उन्होंने ताइज के कई इलाकों में हूतियों के हमलों को नाकाम कर दिया है और दर्जनों हूती लड़ाकों को मार गिराया है। इस दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है, और हूतियों की ओर से भी तुरंत कोई टिप्पणी नहीं आई।

धोखाधड़ी की जानकारी देने पर मिलेगा इनाम, ट्रंप का बड़ा एलान



वाशिंगटन, एजेंसी । राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने मंगलवार को 25 मिलियन डॉलर (लगभग 236.91 करोड़ भारतीय रुपये) के एक कार्यक्रम की घोषणा की। इसका उद्देश्य अमेरिकी सरकार में होने वाली संभावित धोखाधड़ी के बारे में आम लोगों को जानकारी देने (व्हिसलब्लोइंग) के लिए प्रोत्साहित करना है। इसके जरिए वे संघीय कार्यक्रमों और सरकारी धन के दुरुपयोग को रोकने के अपने प्रयासों को तेज कर रहे हैं। व्हाइट हाउस ने बताया कि 'फ्रॉड व्हिसलब्लोअर इंसेंटिव प्रोग्राम' (डब्ल्यूएचआईपी) के तहत, यदि कोई व्यक्ति पर ऐसी जानकारी देता है जिससे धोखाधड़ी के मामले में दोषसिद्धि होती है या कोई बड़ी संघीय कार्रवाई की जाती है, तो वह व्यक्ति 30,000 डॉलर ((28 लाख भारतीय रुपए से ज्यादा) तक की राशि पाने का हकदार होगा। इस कार्यक्रम का संचालन न्याय विभाग करेगा।

राष्ट्रपति ट्रंप ने क्या कहाः इस घोषणा के दौरान, ट्रंप ने कहा कि दी जाने वाली राशि, पकड़ी गई धोखाधड़ी की कुल रकम का 1 प्रतिशत कमीशन होगी। ट्रंप ने यह भी कहा कि अगर किसी मामले में एक से अधिक लोग जानकारी देने का दावा करते हैं, तो किसे इनाम की राशि मिलेगी, इसका फैसला वे खुद करेंगे। मंगलवार को ओवल ऑफिस में वेंस और प्रशासन के अन्य अधिकारियों के साथ मौजूद ट्रम्प ने कहा, 'इन सभी फैसलों में अंतिम निर्णय मेरा होगा। यह एक बाध्यकारी फैसला (बाईंडिंग आर्बिट्रेशन) होगा।' ट्रंप ने कहा कि पत्रकार भी इस कार्यक्रम में हिस्सा ले सकते हैं। रिपब्लिकन राष्ट्रपति ने सरकार में हो रही धोखाधड़ी को खत्म करने के लिए एक आक्रामक अभियान शुरू किया है। इसके लिए मार्च में एक टास्क फोर्स का गठन किया गया था, जिसकी जिम्मेदारी वेंस को सौंपी गई है।

आलोचकों ने क्या आरोप लगाया

वहीं, आलोचकों ने ट्रंप और उनके परिवार पर आरोप लगाया है कि उन्होंने राष्ट्रपति पद का इस्तेमाल अपने कई व्यावसायिक उपक्रमों से मुनाफा कमाने के लिए किया है। इसके जवाब में व्हाइट हाउस का कहना है कि ट्रंप जो कुछ भी करते हैं, वह केवल अमेरिकी जनता के सर्वोत्तम हितों को ध्यान में रखकर करते हैं। वेंस (जिन्होंने टास्क फोर्स का नेतृत्व करने के अपने काम को मजेदार बताया) ने कहा कि करदाताओं का पैसा (टैक्स डॉलर) चुराया जा रहा है। उपराष्ट्रपति ने कहा, 'राष्ट्रपति ने कहा है कि इसे रुकना चाहिए और यह रुक भी रहा है। अगर आप इसे रोकने में हमारी मदद करना चाहते हैं, तो आपको भी इनाम का हिस्सा मिलेगा।' इस कार्यक्रम के दौरान, ट्रम्प द्वारा निक शर्ली को 10,000 अमेरिकी डॉलर (नौ लाख भारतीय रुपए से ज्यादा) का चेक दिए जाने की उम्मीद थी। शर्ली एक दक्षिणपंथी इन्फ्लुएंसर हैं, जिन्होंने पिछले साल एक वीडियो पोस्ट किया था। इसमें दावा किया गया था कि मिनेसोटा के सोमाली समुदाय के कुछ लोग संघीय सब्सिडी (सरकारी मदद) हासिल करने के लिए फर्जी चाइल्डकेयर सेंटर चला रहे हैं। 24 वर्षीय शर्ली के इस वीडियो ने ट्रम्प प्रशासन और रूढ़िवादी कार्यकर्ताओं का ध्यान खींचा। हालांकि, निरीक्षकों का कहना था कि ये सेंटर उम्मीद के मुताबिक ही काम कर रहे थे। इसके बाद जांच-पड़ताल, तलाशी और गिरफ्तारियों का सिलसिला शुरू हुआ। शर्ली ने कहा, 'जब आप धोखाधड़ी का पर्दाफाश करते हैं तो आप अमेरिका को बचाने में मदद करते हैं।' उन्होंने कहा कि धोखाधड़ी से गरीब और जरूरतमंद लोगों का हक मारा जाता है।

न्याय विभाग के अनुसार, जुलाई में फहिमा महामुद नाम की एक महिला ने 'वायर फ्रॉड' (इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से धोखाधड़ी) और अमेरिका के साथ धोखाधड़ी करने की साजिश रचने का अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसने अपने

कैंसर के इलाज में बड़ा कदमः चेहरे की फोटो से तय होगी कैंसर मरीज की रिकवरी, 4 करोड़ फोटो से ट्रेन हुआ एआई



वाशिंगटन, एजेंसी। अमरीका के शोधकर्ताओं ने एक ऐसा फाउंडेशन एआई मॉडल तैयार किया है जो किसी व्यक्ति की सामान्य चेहरे की सेल्फी का विश्लेषण करके उसकी बायोलॉजिकल उम्र और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों में उसके जीवित रहने की संभावना का अनुमान लगा सकता है।

इस एआई सिस्टम को मैसाचुसेट्स के एक गैर-लाभकारी, एकीकृत शैक्षणिक स्वास्थ्य सेवा संस्थान मैस जनरल ब्रिघम के विशेषज्ञों ने तैयार किया है। इसका उद्देश्य मरीजों की बायोलॉजिकल उम्र का पता लगाना और कैंसर से पीड़ित मरीजों के जीवित रहने की संभावनाओं का सीधा अनुमान लगाना है।

यह अब तक के सबसे व्यापक उदाहरणों में से एक है कि कैसे किसी व्यक्ति की सेल्फी का एआई विश्लेषण करके उनके स्वास्थ्य का आकलन किया जा सकता है और उनके इलाज में मदद मिल सकती है। इस सिस्टम को अलग-अलग जातीय समूहों और उम्र के लोगों की 4 करोड़ (40 मिलियन) से अधिक तस्वीरों के डेटा पर प्रशिक्षित किया गया है।

इस महत्वपूर्ण उपलब्धि का विवरण लैंसेट डिजिटल हेल्थ जर्नल में प्रकाशित किया गया है। इस मॉडल पर किए गए एक अध्ययन के नतीजों के अनुसार, यह सिस्टम किसी व्यक्ति की बायोलॉजिकल उम्र का अनुमान लगा सकता है- यानी वह व्यक्ति अपनी वास्तविक उम्र के बजाय दिखने में कितना बड़ा या छोटा लगता है। साथ ही, यह कैंसर के मरीजों के चेहरे की एक सामान्य तस्वीर देखकर उनके जीवित रहने की संभावना का भी अनुमान लगा सकता है। डॉक्टरों ने इस तकनीक का उपयोग करके दो पूरक टूल विकसित किए हैं। फ़ाह्न फेसएज मरीज की बायोलॉजिकल उम्र का अनुमान लगाता है और कैंसर के मामले में जीवित रहने की संभावना बताता है। वहीं, फाह फेस सीधे चेहरे की तस्वीर से जीवित रहने की संभावना का अनुमान लगाता है, न कि बायोलॉजिकल उम्र के जरिए।

हालांकि फ़ाह्न फेसएज और फाह फेस दोनों एक ही मॉडल से तैयार किए गए हैं, लेकिन ये मरीज के स्वास्थ्य के बारे में अलग-अलग और एक-दूसरे के पूरक प्रकार की जानकारी देते हैं। उम्र और मृत्यु के जोखिम का अनुमान लगाने के लिए, दोनों एल्गोरिदम चेहरे के अलग-अलग हिस्सों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। फ़ाह्न फेसएज नाक के किनारों से लेकर मुंह के कोनों तक बनने वाली रेखाओं, आंखों के ठीक ऊपर माथे के हिस्से और कनपटी वाले क्षेत्र पर ध्यान देता है। दूसरी ओर, फाह फेस आंखों के नीचे और नाक के पुल के आसपास के हिस्से का विश्लेषण करता है। चेहरे के स्वास्थ्य की पहचान करने वाले एआई के क्षेत्र को एक कदम और आगे ले जाता है। यह कैंसर के मरीजों के चेहरे की तस्वीरों से सीधे तौर पर उनके जीवित रहने के जोखिम का पता लगाता है। हमारी जानकारी के अनुसार, यह पहला ऐसा उदाहरण है जिसमें एक एआई मॉडल किसी व्यक्ति की साधारण तस्वीर से सीधे तौर पर कैंसर के मामले में उनके जीवित रहने की संभावना का अनुमान लगा सकता है। अमेरिका में रेडियोथेरेपी से इलाज कराने वाले कैंसर रोगियों में, फ़ाह्न फेसएज के अनुसार जो लोग अपनी वास्तविक उम्र से पांच साल या उससे अधिक बड़े दिखते थे, उनमें चार साल के औसत फॉलो-अप के दौरान बाकी समूह की तुलना में मरने का जोखिम 21 प्रतिशत अधिक था। वहीं, जो मरीज पांच साल या उससे अधिक छोटे दिखते थे, उनमें यह जोखिम 17 प्रतिशत कम था। एर्ट्स ने कहा, इसकी मुख्य तकनीकी खूबी यह है कि फाह फेस 40 मिलियन से अधिक तस्वीरों से चेहरे की एक सामान्य समझ विकसित करता है। इसके बाद, इसे जैविक उम्र और जीवित रहने की संभावना जैसे स्वास्थ्य परिणामों के आधार पर ढाला जा सकता है। यह फाउंडेशन-मॉडल दृष्टिकोण हमें हर मॉडल को शुरू से तैयार करने के बजाय, चेहरे से जुड़े कई स्वास्थ्य बायोमार्कर विकसित करने का एक बेहतर और विस्तार योग्य तरीका देता है।

अध्ययन के नतीजे बताते हैं कि लोगों की जैविक उम्र का अनुमान उनके शारीरिक स्वास्थ्य से गहराई से जुड़ा है। इससे यह पता चल सकता है कि कोई व्यक्ति कुछ खास तरह के इलाज को सहने और जीवित रहने में कितना सक्षम है। यह एक बड़ी उपलब्धि है, जो एआई आधारित चेहरे के विश्लेषण का रास्ता खोल सकती है। इससे डॉक्टरों को अपने मरीजों के इलाज के लिए सबसे सही तरीका चुनने जैसे कठिन फैसले लेने में मदद मिल सकती है।



बीसीसीआई अध्यक्ष ने दिया चौंकाने वाला बयान!

विश्वकप में खेल पाएंगे रोहित-कोहली! केवल फिटनेस ही चयन का आधार



मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट में रोहित शर्मा और विराट कोहली के भविष्य को लेकर चर्चाएं जारी हैं। ऐसे में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष मिथुन मन्हास ने 2027 वनडे विश्व कप में दोनों दिग्गजों के खेलने की संभावनाओं को लेकर अपना रुख स्पष्ट किया है। उन्होंने कहा कि टीम में चयन का आधार खिलाड़ियों की उम्र नहीं, बल्कि उनकी फिटनेस और प्रदर्शन होना चाहिए। दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में अगले साल अक्तूबर-नवंबर में होने वाले विश्व कप से पहले रोहित और विराट के प्रदर्शन पर खास नजर रहेगी।

उम्र नहीं, प्रदर्शन होगा आधार

मन्हास ने स्पोर्टस्टार को दिए इंटरव्यू में कहा कि अगर कोई खिलाड़ी फिट है, अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और देश के लिए मैच जीत रहा है, तो चयन के लिए यही सबसे महत्वपूर्ण मानदंड होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मेरे नजरिये से चयन का आधार निश्चित रूप से फिटनेस और प्रदर्शन होना चाहिए, उम्र नहीं। अगर कोई खिलाड़ी खेलने के लिए फिट है, अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और देश के लिए मैच जीत रहा है, तो यही एकमात्र मानदंड होना चाहिए, जिस पर हमें ध्यान देना चाहिए।' रोहित और विराट पिछले 24 महीनों में टी20 अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। दोनों की कोशिश एक और वनडे विश्व कप खेलने की होगी। वे 2023 में भारत की उस टीम का हिस्सा थे, जिसे फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था।

शुभमन गिल को मिलेगी मदद

मन्हास ने भारतीय कप्तान शुभमन गिल के विकास में रोहित और विराट जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की भूमिका को भी अहम बताया। उन्होंने कहा कि टीम में सीनियर खिलाड़ियों की मौजूदगी गिल को कप्तानी में मदद दे सकती है। उन्होंने कहा, 'शुभमन पिछले दो-तीन वर्षों से गुजरात टाइटंस के कप्तान हैं। इसके अलावा वह भारत की भी अगुआई कर रहे हैं। मुझे लगता है कि विश्व कप अभियान शुरू करते समय उनका यह अनुभव काम आएगा। टीम में विराट, हार्दिक (पांड्या) और रोहित का होना निश्चित रूप से उनकी मदद करेगा।'मन्हास ने आगे कहा, 'जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ी गेंदबाजी इकाई की जिम्मेदारी संभाल सकते हैं, जबकि कोई दूसरा खिलाड़ी फील्डिंग यूनिट का नेतृत्व कर सकता है। यह जिम्मेदारियां बांटने की बात है। यह देखना दिलचस्प होगा कि चीजें किस तरह आगे बढ़ती हैं। शुभमन शांत स्वभाव के खिलाड़ी हैं और मुझे लगता है कि सीनियर खिलाड़ियों का साथ उनके लिए फायदेमंद होगा।'



विश्व कप के दौरान कितनी होगी रोहित-विराट की उम्र!

रोहित शर्मा अप्रैल 2027 में 40 साल के हो जाएंगे, जबकि विराट कोहली विश्व कप के दौरान 38 वर्ष के होंगे। दोनों की उम्र को देखते हुए भारतीय टीम में बदलाव और भविष्य की योजनाओं को लेकर सवाल उठते रहे हैं। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के कार्यकाल में भारतीय टीम में बदलाव की प्रक्रिया शुरू हुई थी। भारत के 2024 टी20 विश्व कप जीतने के बाद रोहित, विराट और रवींद्र जडेजा ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। इसके बाद रोहित और विराट ने 2025 में टेस्ट क्रिकेट को भी अलविदा कह दिया।रोहित के वनडे में खराब फॉर्म के दौरान उनके संन्यास को लेकर अटकलें तेज हुई थीं। हालांकि, लॉर्ड्स में उनके शतक ने इन चर्चाओं पर कुछ हद तक विराम लगाया। दूसरी ओर, विराट कोहली वनडे क्रिकेट में लगातार रन बनाते हुए इस प्रारूप में अपनी भूमिका का आनंद ले रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

हरमनप्रीत की तूफानी पारी, शेफाली वर्मा ने भी मचाया धमाल

रायपुर। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीसरे और आखिरी टी20 मुकाबले में 92 रनों से शानदार जीत दर्ज कर तीन मैचों की सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया। मंगलवार को रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 216 रन बनाए। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारतीय महिला टीम का चौथा सबसे बड़ा स्कोर है। जवाब में जिम्बाब्वे की टीम निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 124 रन



ही बना सकी। इस जीत के साथ स्मृति मंधाना की अगुवाई में भारतीय टीम ने अपनी पहली सीरीज भी जीत ली। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए जिम्बाब्वे के गेंदबाजों की जमकर खबर ली। उन्होंने 41 गेंदों पर नाबाद 91 रन बनाए। उनकी पारी में 10 चौके और पांच छक्के शामिल रहे। इस तरह हरमनप्रीत ने कुल 15 बाउंड्री लगाईं और भारत को 200 रन के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। वह अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक से महज नौ रन दूर रह गईं। हरमनप्रीत की यह पारी टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारतीय महिला टीम के लिए चौथे या उससे निचले क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए दूसरा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है।

एशियाई पैरा गेम्स-2026... यासिर-परवीन ने किया कमाल

भारत को शॉटपुट में तीनों पदक सचिन ने रिकॉर्ड के साथ जीता स्वर्ण



आइची नागोया, एजेंसी। भारत के पैरा एथलीट सचिन सरजेराव खिलारी ने एशियाई पैरा गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। बुधवार को नागोया में पुरुषों की एफ46 शॉटपुट स्पर्धा में सचिन ने अपने छठे और आखिरी प्रयास में 15.87 मीटर दूर गोला फेंककर नया गेम्स रिकॉर्ड बनाया। उनके इस प्रदर्शन के साथ भारत ने स्पर्धा में स्वर्ण, रजत और कांस्य तीनों पदक जीतकर क्लीन स्वीप किया। पेरिस पैरालंपिक 2024 के रजत पदक विजेता सचिन ने एशियाई पैरा गेम्स में अपना पिछला स्वर्ण भी बरकरार रखा। उन्होंने चीन में हुए पिछले संस्करण में स्वर्ण पदक जीता था। इस बार उन्होंने 15.67 मीटर के पुराने गेम्स रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए 15.87 मीटर का नया रिकॉर्ड कायम किया। भारत के मोहम्मद यासिर ने तीसरे प्रयास में 15.06 मीटर का थ्रो करके रजत पदक जीता, जबकि परवीन 14.94 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ तीसरे स्थान पर रहे। इस तरह पोडियम के तीनों स्थान भारतीय खिलाड़ियों के नाम रहे।

आखिरी थ्रो में सचिन ने पलटी बाजी

सचिन खिलारी का स्वर्ण पदक जीतने वाला प्रदर्शन खास रहा। उन्होंने अपने छठे और आखिरी प्रयास में 15.87 मीटर दूर गोला फेंका और प्रतियोगिता का पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। इससे पहले गेम्स रिकॉर्ड 15.67 मीटर था। सचिन ने दबाव के बीच अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और लगातार दूसरी बार एशियाई पैरा गेम्स में इस स्पर्धा का स्वर्ण जीतने में सफल रहे। यासिर और परवीन ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत की ऐतिहासिक सफलता पूरी की।

नौ साल की उम्र में हुआ हादसा, फिर भी नहीं मानी हार

महाराष्ट्र के सांगली जिले के करगनी गांव में 23 अक्तूबर 1989 को जन्मे सचिन खिलारी का जीवन नौ साल की उम्र में हुए एक साइकिल हादसे के बाद बदल गया था। इस हादसे के कारण उनके बाएं हाथ की मांसपेशियों को स्थायी नुकसान पहुंचा और हाथ की गतिविधियां सीमित हो गईं।हालांकि, सचिन ने इन चुनौतियों को अपने खेल के रास्ते में बाधा नहीं बनने दिया। उन्होंने शुरुआत में भाला फेंक में हिस्सा लिया, लेकिन कंधे की चोट के बाद शॉटपुट को अपना मुख्य खेल बना लिया। लगातार मेहनत के दम पर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई।

पैरालंपिक रजत और दो बार के विश्व चैंपियन

सचिन खिलारी ने पेरिस पैरालंपिक 2024 में पुरुषों की एफ46 शॉटपुट स्पर्धा में 16.32 मीटर के एशियाई रिकॉर्ड थ्रो के साथ रजत पदक जीता था। वह 2023 और 2024 में लगातार दो विश्व चैंपियनशिप खिताब भी जीत चुके हैं। अब एशियाई पैरा गेम्स में स्वर्ण और गेम्स रिकॉर्ड के साथ उन्होंने अपनी उपलब्धियों में एक और बड़ी सफलता जोड़ ली है। सचिन कोच सत्यनारायण के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लेते हैं। उन्हें भारत की टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) से भी सहायता मिली है। खेल में योगदान के लिए उन्हें अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

प्रतियोगी परीक्षाओं के विद्यार्थियों को भी पढ़ाया



सचिन खिलारी ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है। खेल के अलावा वह अतिथि शिक्षक के रूप में भी काम कर चुके हैं और महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग (एमपीएससी) तथा संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों की मदद कर चुके हैं। खेल और शिक्षा के बीच संतुलन बनाने वाले सचिन की कहानी संघर्ष, अनुशासन और लगातार बेहतर करने की कोशिश का उदाहरण है। नागोया में उनका रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन इसी लंबे सफर की एक और बड़ी उपलब्धि है।

एफ46 वर्ग क्या है...

एफ46 वर्ग उन फील्ड एथलीटों के लिए है, जिनके एक हाथ की कोहनी के ऊपर या नीचे अंग-विच्छेदन हुआ हो अथवा ऊपरी अंग में इसके समान स्तर की दिव्यांगता हो। इस वर्ग के खिलाड़ी खड़े होकर थ्रो करते हैं और कूल्हों तथा पैरों की मदद से फेंकने की ताकत पैदा करते हैं। सचिन ने इसी वर्ग में 15.87 मीटर का थ्रो करके स्वर्ण पदक जीता। यासिर और परवीन के रजत और कांस्य पदक ने भारत के लिए इस स्पर्धा को यादगार बना दिया।

फ्रेंच ओपन

सात्विक-चिराग बाहर, अस्मिता और तन्वी अगले दौर में



नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों अस्मिता चालिहा और तन्वी शर्मा ने मंगलवार को फ्रेंच ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल मुकाबलों में जीत दर्ज कर अगले दौर में जगह बना ली। हालांकि, पुरुष युगल में भारत की स्टार जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को हार का सामना करना पड़ा और वे टूर्नामेंट से बाहर हो गए। विश्व रैंकिंग में पांचवें स्थान पर काबिज सात्विक और चिराग की जोड़ी को फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव और टोमा जूनियर पोपोव ने राउंड ऑफ 32 के मुकाबले में 21-19, 18-21, 21-13 से हराया। एक घंटे से अधिक समय तक चले मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने दूसरा गेम जीतकर वापसी की कोशिश की, लेकिन निर्णायक गेम में फ्रांसीसी जोड़ी ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। महिला एकल में अस्मिता चालिहा ने चीन की हैंग कियान शी को 21-18, 24-22 से हराया। 39 मिनट तक चले मुकाबले में अस्मिता ने सीधे गेम में जीत दर्ज कर अगले दौर में प्रवेश किया।

टी20 सीरीजः वैभव से डरा न्यूजीलैंड! बल्लेबाज को रोकने के लिए बनाया प्लान

वेलिंगटन, एजेंसी। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने अपने आक्रामक अंदाज से दुनिया भर के गेंदबाजों का ध्यान खींचा है। अब न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने भी माना है कि अगर इस युवा बल्लेबाज को भारत की प्लेइंग-11 में मौका मिलता है, तो उसे रोकना आसान नहीं होगा। हालांकि, पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से पहले मेजबान कप्तान ने साफ किया कि उनकी टीम ने वैभव के खेल को अच्छे से देखा है और उन्हें रोकने के लिए कुछ खास योजनाएं तैयार की हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच सीरीज का पहला मुकाबला गुरुवार को क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा।

वैभव सूर्यवंशी को इंग्लैंड और आयरलैंड दौरे के लिए भारतीय टीम में चुने जाने के बाद से सीमित मौके मिले हैं। नियमित सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन के लगातार अच्छे प्रदर्शन के कारण उन्हें प्लेइंग-11 में जगह बनाने के लिए इंतजार करना पड़ा है। वेस्टइंडीज के खिलाफ पिछली सीरीज में भी वह नहीं खेले थे।

भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी कहा है कि वैभव को अपने मौके के लिए अभी और इंतजार करना पड़ेगा। इसके बावजूद सैंटनर ने वैभव की प्रतिभा को स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि यह युवा बल्लेबाज भविष्य में भारतीय टीम के लिए अहम भूमिका निभा सकता है। सैंटनर ने सीरीज से पहले कहा, 'वैभव पिछली सीरीज में नहीं खेले थे, लेकिन हम जानते हैं कि वह कितने अच्छे खिलाड़ी हैं। हमने उन्हें आईपीएल में देखा है। अभिषेक जैसे दूसरे खिलाड़ी भी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। वैभव की भारत के लिए बड़ी भूमिका होगी, चाहे वह इस सीरीज में हो या भविष्य में।'

न्यूजीलैंड के कप्तान ने आगे कहा, 'अगर उन्हें इस सीरीज में खेलने का मौका मिलता



भुवनेश्वर की स्विंग से न्यूजीलैंड को खतरा



भारतीय टीम में करीब चार साल बाद लौटे अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को लेकर भी सैंटनर ने अपनी राय रखी। न्यूजीलैंड के कप्तान का मानना है कि यहां की परिस्थितियां भुवनेश्वर की गेंदबाजी के अनुकूल होंगी। नई गेंद से स्विंग हासिल करने की उनकी क्षमता मेजबान टीम के बल्लेबाजों के लिए चुनौती बन सकती है। सैंटनर ने कहा, 'मुझे लगता है कि भुवी को न्यूजीलैंड की परिस्थितियां काफी पसंद आएंगी। अगर पिच पर गेंदबाजों के लिए कुछ मदद होगी, तो वह उसका फायदा उठा लेंगे। भारत की कुछ सपाट पिचों पर भी उन्होंने गेंद को स्विंग कराया है और उसमें मूवमेंट हासिल की है। इसलिए यहां नई गेंद से उनका सामना करना खास तौर पर चुनौतीपूर्ण होगा।' उन्होंने भारतीय पिचों पर बड़े स्कोर बनने का जिक्र करते हुए कहा, 'आजकल भारत में गेंदबाजी करना काफी चुनौतीपूर्ण है। हमने हाल की सीरीज में देखा कि 250 रन का लक्ष्य भी हासिल कर लिया गया। ऐसे में कौन गेंदबाज बनना चाहेगा? लेकिन भुवी को यहां की परिस्थितियां थोड़ी ज्यादा पसंद आ सकती हैं।'